@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 8 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 153 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर पुलिस की बड़ी कामयाबी: लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क का भंडाफोड

•दो पाकिस्तानी आतंकियों समेत पांच गिरफ्तार

एजेंसी

सोनीपत। श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सुनियोजित अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को मॉड्यूल से जुड़े कई आपत्तिजनक और महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

असम पुलिस का पवन खेड़ा के घर छापा

•हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी ने दर्ज कराई थी एफआईआर

एजेंसी

नई दिल्ली । असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंच गई है। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा द्वारा सोमवार को दर्ज कराई एफआईआर के बाद की गई। पवन खेड़ा ने हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर विदेशों में संपत्ति रखने, विदेशी पासपोर्ट रखने और वित्तीय लेन-देन में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। दरअसल, पवन खेड़ा ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि चुनावों के बाद हिमंता और उनकी पत्नी क्या फरार होने वाले हैं? उन्होंने आरोप लगाया था कि रिंकी भुइयां सरमा के पास यूएई, एंटीगुआ और मिस्र के पासपोर्ट हैं और उन्होंने विदेशों में संपत्तियां छिपाई हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक अमेरिकी कंपनी के साथ वित्तीय संबंधों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की मांग भी की थी। इसके बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा के आरोपों का जवाब दिया। सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने उनकी पत्नी के नाम पर फर्जी पासपोर्ट और कंपनी रिकॉर्ड प्रसारित कर एक नया निचला स्तर छू लिया है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यह मामला आपराधिक साजिश के तहत गंभीर कानूनी परिणाम ला सकता है और अगर आवश्यक हुआ तो पवन खेड़ा को आजीवन कारावास का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों में कई स्पष्ट विसंगतियां हैं और इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

•पश्चिम बंगाल चुनाव

2.4 लाख अर्धसैनिक जवानों की सबसे बड़ी तैनाती, सख्त निगरानी जारी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर इस बार सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए हैं। राज्य में अब तक की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जिससे चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया जा सके। राज्य में करीब 2,400 अर्धसैनिक कंपनियों के जवान तैनात किए गए हैं। इनकी कुल संख्या लगभग 2,40,000 बताई जा रही है। खास बात यह है कि यह तैनाती पिछले चुनाव के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है, जो इस बार सुरक्षा को लेकर प्रशासन की गंभीरता को दर्शाती है। इतना ही नहीं, इस बार महिला सुरक्षा कर्मियों की भी रिकॉर्ड संख्या में तैनाती की गई है। जानकारी के मुताबिक, करीब 20,000 महिला अर्धसैनिक जवान, यानी लगभग 200 कंपनियां, चुनाव ड्यूटी में लगाई गई हैं। सूत्रों का कहना है कि विभिन्न एजेंसियों, जिनमें चुनाव आयोग भी शामिल है, ने गृह मंत्रालय को महिला सुरक्षाकर्मियों की अधिक आवश्यकता के बारे में बताया था। इसके बाद ही इतने बड़े स्तर पर महिला बलों की तैनाती का फैसला लिया गया।

ईवीएम पर सवाल बेबुनियाद

•लोकतंत्र में जनता तय करती है सत्ता : रामदास अठावले

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उठाए गए सवालों पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ईवीएम कोई नई व्यवस्था नहीं है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मंगलवार को कोलकाता पहुंचे अठावले ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ईवीएम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं लाए थे, बल्कि यह व्यवस्था कई वर्षों से देश में लागू है और इसकी शुरुआत कांग्रेस की सरकार के समय हुई थी।उन्होंने कहा कि पहले मतपत्रों की गिनती में काफी समय लगता था, जबकि ईवीएम के उपयोग से मतगणना की प्रक्रिया तेज और पारदर्शी हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि ईवीएम में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं है और चुनाव पूरी पारदर्शिता के साथ कराए जाने चाहिए। अठावले ने यह भी कहा कि वर्ष 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को भारी जनसमर्थन मिला था और उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी नेताओं ने उन्हें जीत की बधाई दी थी।

प्रधानमंत्री ने वियतनाम के नए राष्ट्रपति तो लाम को बधाई दी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वियतनाम के राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने पर तो लाम को हार्दिक बधाई दी। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि नए राष्ट्रपति के नेतृत्व में भारत और वियतनाम के बीच मित्रता और मजबूत होगी। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि वह दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों की प्रगति और समृद्धि के लिए राष्ट्रपति तो लाम के साथ मिलकर काम करने को लेकर आशान्वित हैं। उन्होंने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच संबंध भविष्य में और अधिक सुदृढ़ होंगे तथा सहयोग के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

घुसपैठियों की हो चुकी है पहचान: शाह

•घुसपैठियों को चुन-चुनकर देश से करेंगे बाहर: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

गुवाहाटी । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही राज्य को अवैध घुसपैठ से बचा सकती है और इसकी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित कर सकती है। अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'भाजपा की सरकार बना दीजिए। हमने घुसपैठियों को चिह्नित करके रखा है। अब बारी है एक-एक करके इन्हें चुन-चुन कर बाहर करने की। केवल भाजपा ही है जो करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस है जो घुसपैठियों के सहारे सत्ता हासिल करना चाहती है। मैं आज यहां से कहकर जाता हूं, राहुल गांधी कान खोलकर सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठिया बहुल नहीं बनने देंगे। जिनकी जड़ें इटली में हो उनको श्रीभूमि का मतलब क्या मालूम होगा।

> **•केवल भाजपा ही है जो करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर सकती है।**

प्रधानमंत्री ने असमिया और बांग्ला भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का काम किया है।' गृहमंत्री ने कहा, 'हम सीएए की बात करते हैं तो कांग्रेस विरोध करती है। कांग्रेस पार्टी ने षड्यंत्र के साथ इस क्षेत्र को घुसपैठिया बहुल क्षेत्र बनाने का प्रयास किया। वोट बैंक की गंदी राजनीति कर उन्होंने 1950 के इमिग्रेंट एक्ट को समाप्त कर दिया। गोपीनाथ यह एक्ट लेकर आए थे। कांग्रेस ने 1983 में आईएमडीटी एक्ट पास कर घुसपैठियों को यहां शरण देने का काम किया। असम, बंगाल और त्रिपुरा तीनों जगह भाजपा-एनडीए सरकार बनने के साथ ही घुसपैठ बंद होगी। चुन-चुन कर हम घुसपैठियों को देश के बाहर करेंगे। ये घुसपैठिये हमारे युवाओं के रोजगार, गरीबों के राशन और चाय बागान के मजदूरों की मजदूरी छीनने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हें देश के बाहर निकालने का काम भाजपा सरकार करेगी। 'अमित शाह ने कहा, 'जब से राहुल गांधी कांग्रेस के नेता बने हैं, सभी कांग्रेस नेताओं का सार्वजनिक स्तर नीचे हो गया है। अभी दो दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गुजरात और जो प्रांत भाजपा का समर्थन करते हैं वे अनपढ़ हैं। कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए। जिस गुजरात ने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, विक्रम साराभाई और पीएम मोदी जैसे नेता दिए, उस गुजरात को आप अनपढ़ कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि आरएसएस और भाजपा सांप हैं, इन्हें मार देना चाहिए। मैं खड़गे को कहना चाहता हूं कि मंच पर चढ़कर देखिए, हजारों की संख्या में भाजपा और आरएसएस के लोग खड़े हैं। यह लोकतंत्र की भाषा नहीं है। '

टीएमसी का कुशासन समाप्त होने वाला है : राजनाथ सिंह

•ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की हालत को किया बदतर: केंद्रीय रक्षामंत्री

एजेंसी

बैरकपुर । पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रचार की कमान संभाली। रक्षा मंत्री ने बैरकपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए टीएमसी पर जमकर निशाना साधा और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। राजनाथ सिंह ने कहा, 'अब यह निश्चित है कि तृणमूल कांग्रेस और उसके कुशासन का युग समाप्त हो रहा है और भारतीय जनता पार्टी यहां सत्ता में आएगी। भाजपा की सरकार बनने के बाद बंगाल को सशक्त और विकसित बनाएंगे। भाजपा की सरकार आएगी तो बंकिम बाबू के घर को टूरिस्ट स्पॉट बनाया जाएगा, जहां लोग उनके इतिहास को देख पाएंगे।' राजनाथ सिंह ने कहा, 'बंकिम चंद्र के 'वंदे मातरम' के माध्यम से उन्होंने पूरे देश को याद दिलाया कि भारत कितना महान था, कितना महान है और कितना महान हो सकता है। अगर किसी ने इस जागरूकता को फैलाने का काम किया है, तो वह बंकिम चंद्र ही थे। बंकिम चंद्र ने 'वंदे मातरम' गीत के माध्यम से भारत की भावना को प्रेरित किया। जब देश अंधकार में डूबा हुआ था, तब कुछ लोगों ने छोटे-छोटे दीपक जलाए, लेकिन बंकिम चंद्र ने सिर्फ एक दीपक नहीं जलाया, उन्होंने पूरे देश में क्रांति की चिंगारी प्रज्वलित की।' राजनाथ सिंह ने कहा, 'पहले पश्चिम बंगाल के लोग हर मामले में आगे रहते थे, लेकिन अब टीएमसी की सरकार में लगातार पिछड़ता जा रहा है। भारत का हर राज्य निवेश में आगे जा रहा है, लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ऐसा होने नहीं दे रही हैं। हर राज्य में उद्योगों को बढ़ावा मिल रहा है, जबकि बंगाल में पहले स्थापित फैक्ट्रियां भी बाहर जा रही हैं। पश्चिम बंगाल में उद्योगपति निवेश करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

> **रक्षा मंत्री ने ममता बनर्जी से सवाल पूछते हुए कहा-**
> 'आप तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए क्या किया है? लोगों पर अत्याचार किया है और विकास को अवरुद्ध किया है। तीन बार कार्यकाल के बाद पश्चिम बंगाल के हालत को बद से बदतर कर दिया है।'

खरगे ने असम के लोगों को याद दिलाई गारंटी

•बोले- राज्य के सभी वर्गों को मिलेगा लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असम के लोगों को पार्टी के घोषणापत्र में दी गई गारंटियों की याद दिलाई है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों, नौजवानों, महिलाओं, छोटे कारोबारियों और चाय बागानों के मजदूरों समेत सभी वर्गों को लाभ मिलेगा।

खरगे ने एक्स पर अपने '5 प्रतिश्रुति' अभियान को साझा करते हुए कहा कि कांग्रेस असम के लोगों को न्याय और राहत देने के लिए ठोस कदम उठाएगी। जुबिन गर्ग को 100 दिन में न्याय दिलाया जाएगा। साथ ही महिलाओं के बैंक खातों में बिना शर्त नकद हस्तांतरण किया जाएगा और व्यवसाय शुरू करने या बढ़ाने के लिए उन्हें 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की कि हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। असम के 10 लाख भूमिपुत्रों को स्थायी जमीन पट्टा दिया जाएगा और वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये की पेंशन दी जाएगी। खरगे ने कहा कि ये गारंटियां राज्य के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के लिए हैं और सभी वर्गों को सीधा लाभ पहुंचाएंगी।

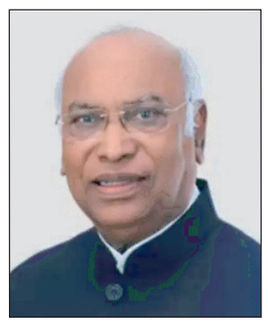

बहुजन उद्यमियों को बड़े सार्वजनिक ठेकों से रखा गया दूर : राहुल गांधी

•दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 6264) उठाया था

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत में सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर के ठेकों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) के उद्यमियों को शामिल करने को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पिछले साल 16,500 करोड़ रुपए के सार्वजनिक निर्माण ठेकों में कितने ठेके दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के व्यवसायों को मिले, इसका पता लगाने की कोशिश की तो जवाब बहुत चिंताजनक मिला। सरकार के पास इसका कोई डाटा ही नहीं है। दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में एक प्रश्न (अतारांकित प्रश्न संख्या 6264) उठाया था, जिसमें पिछले पांच साल में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा दिए गए सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर ठेकों की कुल संख्या और मूल्य की जानकारी मांगी गई थी। साथ ही यह भी पूछा गया कि कितने ठेके एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व व्यवसायों को दिए गए और क्या सरकार ने 4 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा किया, जो एससी/एसटी स्वामित्व उद्यमों के लिए तय किया गया है। राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि क्या ओबीसी स्वामित्व व्यवसायों के लिए भी ऐसा लक्ष्य बनाने की योजना है। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि कुल ठेकों का डाटा तो उपलब्ध है, लेकिन एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए ठेकों का कोई मौजूदा ट्रैकिंग सिस्टम नहीं है। इसका कारण यह बताया गया कि निर्माण ठेकों के लिए यह ट्रैकिंग अनिवार्य नहीं है।

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की नीति कहती है कि लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से कम से कम 25 प्रतिशत सार्वजनिक खरीद होनी चाहिए, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले व्यवसायों के लिए 4 प्रतिशत शामिल है, लेकिन सबसे बड़े और मुनाफेदार ठेकों यानी सार्वजनिक निर्माण के ठेकों में सरकार कहती है कि यह अनिवार्य नहीं है।

शेरनी हैं ममता बनर्जी: संजय राउत

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने मंगलवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की थी। संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'शेरनी' बताते हुए कहा कि उनका रुख पूरी तरह सही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उनका प्रभाव बरकरार रहेगा। भाजपा चाहे जो कर ले, इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। राउत ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर जीत हासिल करेगी और भारतीय जनता पार्टी राज्य में सत्ता हासिल नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने जिस तरह से केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है, वह जनता की भावनाओं को दर्शाता है और बंगाल की जनता उनके साथ खड़ी है।

ममता बनर्जी ने मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया, बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू

वरिष्ठ पत्रकार
नसीरुद्दीन की स्पेशल रिपोर्ट

नई दिल्ली 7 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री Mamata Banerjee ने मंगलवार को एक कड़ा राजनीतिक बयान देते हुए आरोप लगाया कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के बाद मतुआ समुदाय, राजबंशियों और अल्पसंख्यक समूहों से जुड़े लोगों के नाम मतदाता सूचियों से जानबूझकर हटा दिए गए हैं। नदिया जिले में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने और मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया में विशेष समुदायों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई लोकतंत्र की मूल भावना पर सीधा प्रहार है और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। तृणमूल कांग्रेस हर उस व्यक्ति के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी जिसका नाम मतदाता सूची से हटाया गया है, बनर्जी ने कहा और प्रभावित लोगों को राजनीतिक और कानूनी समर्थन देने का आश्वासन दिया।

चयनात्मक निशाना बनाने के आरोप

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि नाम हटाने की प्रक्रिया यादृच्छिक नहीं बल्कि सुनियोजित और चयनात्मक थी। उनके अनुसार, Murshidabad, Malda, और Uttar Dinajpur जैसे अल्पसंख्यक आबादी वाले जिलों में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि मतुआ और राजबंशियों के साथ-साथ अल्पसंख्यक समुदायों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया। उन्होंने इस कार्रवाई के पीछे की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा, यह भेदभाव क्यों? विशेष समुदायों को क्यों चुना जा रहा है और मतदाता सूची से हटाया जा रहा है? उनकी इन टिप्पणियों से राजनीतिक तनाव और बढ़ गया है, जहां तृणमूल कांग्रेस इस मुद्दे को कमजोर और हाशिए पर पड़े वर्गों को मताधिकार से वंचित करने की कोशिश के रूप में पेश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप और नामों की बहाली

कानूनी घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए बनर्जी ने कहा कि Supreme Court of India में हस्तक्षेप के बाद बड़ी संख्या में नामों को मतदाता सूची में फिर से शामिल किया गया। शेष पृष्ठ 3 पर

शहीद ऊधम सिंह स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज होशियारपुर में बनाया जाएगा, जो दो वर्षों में पूरा होगा: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

होशियारपुर, 7 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज होशियारपुर में 516 करोड़ रुपये के विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जिसमें शाम चौरासी विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का बड़े पैमाने पर विस्तार और जमीनी स्तर पर नई परियोजनाएं शामिल हैं। राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि शहीद ऊधम सिंह स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज दो वर्षों के भीतर पूरा हो जाएगा, जहां वार्षिक 100 एमबीबीएस डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा ओपीडी, एमआरआई, सिटी स्कैन और विशेष विभागों सहित उन्नत सुविधाओं से लैस 300 बिस्तरों वाला अस्पताल भी बनाया जाएगा। जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शाम चौरासी में 30 बिस्तरों वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी, जो आधुनिक ऑपरेशन थिएटर, लैब, एक्स-रे, टीकाकरण और प्रसव देखभाल सेवाओं से सुसज्जित है, जिससे 40 से अधिक गांवों को लाभ होगा। उन्होंने हर कोने तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच ब ?ाने के लिए क्षेत्र में सात अतिरिक्त हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों की भी घोषणा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब सरकार लोगों के घरों के नजदीक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम स्तर तक मजबूत करते हुए उन्होंने क्षेत्र में सात और हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों के साथ-साथ 40 से अधिक गांवों को लाभ पहुंचाने के लिए 9.18 करोड़ रुपये के कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का नींव पत्थर भी रखा। विकास को आगे ब ?ाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 99 करोड़ रुपये के बलाचौर-गढशंकर-होशियारपुर-दसूहा सड़क प्रोजेक्ट की शुरुआत की, जो 105 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर है। यह चंडीग ?, पठानकोट और जम्मू-कश्मीर के बीच संपर्क बढाएगा, जम्मू और दिल्ली के बीच यात्रा के समय को कम करेगा तथा आनंदपुर साहिब, माता नैना देवी और माता ज्वाला जी की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुगम पहुंच उपलब्ध कराएगा। शाम चौरासी विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आजादी के बाद 70 साल से अधिक समय तक पारंपरिक विरोधी पार्टियों ने राज्य को बेरहमी से लूटा है। इन पार्टियों की पिछड़ी और विभाजनकारी नीतियों के कारण राज्य विकास की रफ्तार से पिछड़ गया, जिससे लोगों को नुकसान उठाना प ?ा। हालांकि पिछले चार वर्षों में राज्य का समग्र विकास सुनिश्चित किया गया है और पहली बार राज्य सरकार ने इतने कम समय में लोगों से किए सभी वादे पूरे किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत गर्व और संतोष की बात है कि राज्य के विकास को सही दिशा में डाला गया है और अब पंजाब सरकार हर बीतते दिन के साथ अपनी रफ्तार बढा रही है। राज्य सरकार ने 70 वर्षों का अंतर भर दिया है और अब रंगला पंजाब बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। 'आप' सरकार देश की पहली सरकार है, जिसने लोगों के लिए चुनावी घोषणा पत्र को लागू किया है, क्योंकि लोगों द्वारा उठाई गई सभी जायज मांगों को अमल में लाया जा रहा है। बढी विकास पहलों को उजागर करते हुए उन्होंने आगे कहा, आज शाम चौरासी में 385 करोड़ रुपये के विकास कार्य शुरू किए गए हैं, जो इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली को बढावा देंगे। उन्होंने आगे कहा, होशियारपुर में 268 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज और 300 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाया जाएगा, जो आम लोगों के लिए बड़ा तोहफा होगा। यह लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ राज्य को चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बनाने में भी मदद करेगा। विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, विपक्षी पार्टियां मुझे बदनाम करने के लिए साजिशें रच रही हैं क्योंकि वे राज्य सरकार द्वारा जनता की भलाई के लिए किए जा रहे कामों से ईर्ष्या करती हैं। ये नेता आपस में मिलकर चलते रहे हैं और सत्ता में रहते हुए एक-दूसरे के हितों की रक्षा के लिए बारी-बारी से राज करने के खेल खेलते रहे, लेकिन 'आप' सरकार ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर इस खेल को खत्म कर दिया, जिससे आम लोगों की इच्छाएं पूरी हो रही हैं।

शेष पृष्ठ 3 पर

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

-कोविड के दौरान नियम तोड़ने पर पुलिस हिरासत में किया गया प्रताड़ित

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडू के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंतत: 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह फ्रदुर्लभतमफ्र मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे। यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए न्याय का प्रतीक है, बल्कि देश में पुलिस हिरासत में होने वाली यातनाओं के खिलाफ एक कड़ा संदेश भी है।

कल्पना सोरेन का असम में जोरदार चुनाव प्रचार, किए बड़े वादे

- जेएमएम जीता तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए, कल्पना सोरेन ने किया ऐलान

दरांग (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य में व्यापक प्रचार अभियान शुरू किया है। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हित में कई बड़े वादे किए और लोगों से समर्थन मांगा। सोरेन ने चाय बागानों में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये सम्मान राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हर परिवार को घर मिलेगा, बच्चों को अच्छी शिक्षा दी जाएगी और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मजबूत विधानसभा क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह चुनाव केवल किसी एक उम्मीदवार की जीत या हार का मामला नहीं है, बल्कि आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान और बेहतर भविष्य की लड़ाई है। सोरेन ने जनता से अपील की कि वे इस चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा को समर्थन दें, ताकि आदिवासी समाज के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें।

बड़ा खुलासा! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग शुरू होगी 10 से 12 अप्रैल के बीच

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने घोषणा की है कि केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा की बुकिंग 10 से 12 अप्रैल के बीच शुरू होगी। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इस बार यात्रा को सुरक्षित, पारदर्शी और सुगम बनाने के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। टिकटों की कालाबाजारी और धोखाधड़ी को रोकने के लिए यूकाडा ने इस बार 100 प्रतिशत ऑनलाइन टिकटिंग का फैसला किया है। पिछली बार की तरह इस बार भी बुकिंग का जिम्मा आईआरसीटीसी (आईआरसीटीसी) के पास ही रहेगा।

सालों का इंतजार खत्म! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

सीएम नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने राष्ट्रीय नेतृत्व को दिया धन्यवाद

अमरावती (एजेंसी)। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फ़ैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुनने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती है। इस तरह हैदराबाद को अस्थायी संयुक्त राजधानी बनाने की पिछली व्यवस्था को बदल दिया गया है। 28 मार्च को राज्य विधानसभा द्वारा अमरावती का समर्थन करने वाला प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद इस फैसले को और गति मिली। इसके बाद, 1 अप्रैल को लोकसभा ने इस विधेयक को मंज़ूरी दी और 2 अप्रैल को राज्यसभा ने इसे पारित कर दिया।

नायडू ने इस फैसले का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व का धन्यवाद किया। उन्होंने इस कानून को अपनी सहमति देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आंध्र प्रदेश की मेरी जनता, विशेष रूप से अमरावती के मेरे किसानों की जीत है। जहां कई लोगों ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल उठाए। वॉयएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद गोल्ला बाबू राव ने इसकी आलोचना करते हुए इस कानून को एक नाटक बताया और कहा कि राजधानी में किसी भी बदलाव से समाज के सभी वर्गों के हितों की पूर्ति होनी चाहिए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग चलाकर उन्हें हटाए जाने के विपक्षी प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने खारिज कर दिया। इस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राज्यसभा में कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा, सभापति ने ये फैसला उस दबाव के तहत लिया जिसमें उन्हें पता

है कि पूर्व में जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को स्वीकार करने के बाद तत्कालीन सभापति का क्या हश्र हुआ था! राज्यसभा द्वारा जारी संसदीय बुलेटिन2 के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए लाया गया प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यसभा के सभापति द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श के बाद लिया गया। निर्णय लेने में सभापति ने संवैधानिक रूप से प्रदत्त खास शक्तियों का उपयोग किया। उल्लेखनीय है कि 12 मार्च को राज्यसभा के 63 विपक्षी सदस्यों द्वारा एक नोटिस प्रस्तुत किया गया था। यह नोटिस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) और 124(4) के तहत दिया गया था। इसके साथ ही चीफ इलेक्शन कमिश्नर एंड अदर इलेक्शन कमिश्नर्स एक्ट 2023 तथा जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 के प्रावधानों का हवाला दिया गया था। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त को उनके पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करना था। राज्यसभा के सभापति ने सभी तथ्यों और पहलुओं का गहन और निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद इस प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने जजेस (इन्क्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3 के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए नोटिस को 'एडमिट' नहीं किया। इस फैसले का सीधा अर्थ यह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हटाने की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। मामला प्रारंभिक स्तर पर ही समाप्त हो गया। संसद में इस मुद्दे पर आगे कोई जांच या बहस नहीं होगी।

ममता बनर्जी शेरनी हैं, बीजेपी बंगाल में चुनाव कभी जीत नहीं पाएगी

-संजय राउत बोले- पीएम मोदी का इस्तीफा मांगना बिल्कुल सही

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें शेरनी बताया। मंगलवार को मुंबई में राउत ने कहा कि ममता बनर्जी की मांग उचित है और आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में टीएमसी की सफलता पर विश्वास जताया। राउत ने कहा कि ममता ने पीएम मोदी के इस्तीफे की मांग की है। वह बंगाल की शेरनी हैं। बीजेपी बंगाल में कभी जीत नहीं पाएगी। इस चुनाव में भी आपको इसका नतीजा देखने को मिल जाएगा। बंगाल हमेशा उनके शासन में रहेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत ने पीएम मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया था। उन्होंने पीएम मोदी के अपने बयानों पर सवाल उठाते हुए उन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने का आरोप लगाया। राउत ने कहा कि अगर पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, तो वह किसकी भाषा बोल रहे हैं? ट्रंप ने भारत को कमजोर करने की कोशिश की है। हमारे पीएम को यह बात समझ नहीं आ रही है और हमारी सरकार ट्रंप के सामने झुक गई है।

इसके अलावा राउत ने बारामती में चल रहे चुनाव पर भी बात की, जहां कांग्रेस ने महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। उन्होंने इसे एक सामान्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया बताया और दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की तारीफ करते हुए उन्हें एक महान और प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि अजित दादा के बाद बारामती में हो रहे चुनाव के संबंध में कांग्रेस ने सुमित्रा पवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा है। यह चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है, कोई भी अपना उम्मीदवार खड़ा कर सकता है। इसे नकारा नहीं जा सकता। अजीत पवार एक महान नेता थे और महाराष्ट्र के बारामती में उनका प्रभाव काफी रहा, लेकिन उम्मीदवार खड़ा करना और चुनाव लड़ना लोकतंत्र का एक सामान्य हिस्सा है।

एसआईआर में हुए अपमान का बदला ले जनता: ममता दीदी

दीदी के बयान से चुनावी पारा चढ़ा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया में चुनाव आयोग द्वारा जो गड़बड़ियां की जा रही हैं। उससे पश्चिम बंगाल में भारी नाराजी देखने को मिल रहीहै। चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उसके बाद भी एसआईआर की कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। मतदाता सूची अभी भी तैयार हो रही है। लाखों वोटर के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रत्येक जनसभा में जनता से आह्वान कर रही हैं। एसआईआर के माध्यम से जो अपमान चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं का किया जा रहा है। ममता दीदी ने कहा इसका बदला लिया जाना चाहिए। वोट के जरिए मतदाता अपने अपमान का बदला ले।

ममता दीदी लगातार चुनावी रैली को संबोधित कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी का गुप्त समझौता है।

संविधान के चित्रकार के पोते और पत्नी का नाम कटा

पश्चिम बंगाल में फिर में संविधान की चित्रकार नंदलाल बोस के पोते सुप्रभद्र सेन जिनकी उम्र 88 वर्ष है तथा उनकी पत्नी का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है उनका नाम अभी भी पेंडिंग सूची में डाल कर रखा गया है जिसके कारण वह अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में उन्हें टर्मिनल में जाने का सुझाव दिया गया है इसी तरह से कांग्रेस की उम्मीदवार अरशद अली का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

ममता बनर्जी और टीएमसी का कहना है चुनाव को प्रभावित करने के लिए चुन चुन कर टीएमसी के वोटो का नाम मतदाता सूची से गायब किया गया है सुप्रीम कोर्ट द्वारा कोई अंतिम तारीख तय नहीं की गई है इस बीच में चुनाव चल रहे हैं जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे वह मतदान नहीं कर पाएंगे चुनाव के बाद यदि उनके नाम जुड़ भी गए तो इसका सीधा नुकसान टीएमसी को होने जा रहा है जिसके कारण पश्चिम बंगाल का चुनावी पारा बहुत बढ़ा हुआ है लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाने के कारण जगह पर भारी विरोध होने की संभावना जताई जा रही है जिसके कारण कानून व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती साबित होगी

विपक्षी दलों के 196 सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव प्रस्तुत किया था इसे संसद के दोनों सदनों ने खारिज कर दिया है जिसके कारण सियासी पारा दिन प्रतिदिन चढ़ता जा रहा है।

यूपी के दंगल में चिराग पासवान की एंट्री: सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के बाद अब लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने उत्तर प्रदेश की सियासी जमीन पर अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है। पार्टी ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में राज्य की सभी 403 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान कर दिया है। इस फैसले ने उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है, क्योंकि चिराग की नजर अब यूपी के दलित और युवा वोट बैंक पर टिक गई है। लोकसभा चुनाव में 100 प्रतिशत स्ट्राइक रेट के साथ बिहार में अपनी ताकत साबित करने वाले चिराग पासवान अब पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार की योजना पर काम कर रहे हैं।

पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजीव पासवान ने स्पष्ट किया कि केंद्र में भले ही उनका गठबंधन भाजपा के साथ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में फिलहाल किसी दल से गठबंधन नहीं है। पार्टी यहाँ यूपी फर्स्ट और यूपी वाले फर्स्ट के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। चिराग का मानना है कि उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का उत्तर प्रदेश में एक समय बड़ा आधार रहा है, जिसे फिर से संगठित कर पार्टी को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सकता है। हालांकि चिराग भाजपा के भरोसेमंद सहयोगी हैं, लेकिन सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का बयान एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि भाजपा के साथ सीटों पर सम्मानजनक समझौता नहीं हुआ, तो पार्टी अकेले ही ताकत दिखाएगी। फिलहाल, संगठन ने जिला स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं और आने वाले महीनों में राज्य के प्रमुख शहरों में बड़ी रैलियों के जरिए शक्ति प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

बदलेंगे दलित राजनीति के समीकरण

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के गिरते ग्राफ और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी के उभार के बीच चिराग की एंट्री बेहद अहम मानी जा रही है। चिराग का लक्ष्य उन क्षेत्रों पर है जहाँ पासवान और अन्य दलित उपजातियों की संख्या प्रभावी है। उनका युवा चेहरा और ओजस्वी भाषण शैली युवाओं को आकर्षित करने की क्षमता रखती है, जो मायावती के पारंपरिक वोट बैंक और चंद्रशेखर की सक्रियता के लिए चुनौती बन सकती है।

नवजोत कौर सिद्धू ने भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का किया ऐलान, पंजाब को स्वर्ण राज्य बनाने का संकल्प

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले राज्य की सियासत में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। पूर्व क्रिकेटर और कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अपनी नई राजनीतिक पारी का आगाज कर दिया है। उन्होंने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा करते हुए इसे भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी (बीआरपी) का नाम दिया है। नवजोत कौर ने स्पष्ट किया है कि यह पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प के रूप में उभरेगी और इसका प्राथमिक लक्ष्य पंजाब के खोए हुए गौरव को वापस लाना है।

सोशल मीडिया के जरिए इस नई शुरुआत की जानकारी साझा करते हुए नवजोत कौर ने लिखा कि यह एक ऐसी घोषणा है जिसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेताओं के प्रदर्शन को परखने के बाद उन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, एक ईश्वरीय शक्ति ने समान सोच वाले उन लोगों को एकजुट किया है जिनमें साहस, आत्मविश्वास और हर राज्य में काम करने का दृढ़ संकल्प है। पार्टी का साझा लक्ष्य उच्च चेतना के माध्यम से समाज में न्याय, शांति और प्रेम स्थापित करना है।

नवजोत कौर का यह कदम पंजाब की राजनीति में त्रिकोणीय मुकाबले को और दिलचस्प बना सकता है। वर्तमान में राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि कांग्रेस और भाजपा अपनी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। बीआरपी की एंट्री से खास तौर पर सत्ताधारी दल और मुख्य विपक्षी दलों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। नवजोत कौर ने वादा किया है कि वह पंजाब को फिर से गोल्डन स्टेट बनाएंगी, जहां लोगों को न्याय, आजादी और बिना किसी बाहरी दखल के रहने का अधिकार होगा। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू को हाल ही में कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की मांग किए जाने के गंभीर आरोप लगाकर सियासी गलियारों में हड़कंप मचा दिया था। इसके बाद कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने उनके निष्कासन की पुष्टि की थी। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग पर भी तीखे हमले किए थे। अब नई पार्टी के गठन के साथ ही नवजोत कौर ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही संगठन विस्तार को लेकर बड़ी घोषणाएं की जाएंगी, जो आगामी चुनावों में भाजपा और अन्य दलों के समीकरण बिगाड़ सकती हैं।

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम लगाने भारत-बांग्लादेश सीमा पर छोड़े जाएंगे सांप-मगरमच्छ!

-175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका, सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर घुसपैठ और तस्करी पर लगाम कसने पारंपरिक बाड़ और टेक्नोलॉजी के अलावा प्रकृति का खतरनाक हथियार इस्तेमाल करने की तैयारी चल रही है। खबर है कि बीएसएफ ने अपने फील्ड यूनिट्स को निर्देश दिया है कि वे नदी और दलदली इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन करें। भारत-बांग्लादेश की 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा में करीब 175 किलोमीटर नदी और दलदली इलाका है, जहां बाढ़ और भौगोलिक स्थिति के कारण सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं होता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे में बीएसएफ अब प्रकृति को ही सुरक्षा का हथियार बनाने की सोच रही है। माना जा रहा है कि अगर यह योजना लागू होती है, तो घुसपैठियों के लिए सीमा पार करना पहले से कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के बाद यह विचार सामने आया है। 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से भेजे गए एक आंतरिक संदेश में कहा गया है कि जिन नदी वाले इलाकों में बाड़ लगाना संभव नहीं है, वहां 'प्राकृतिक अवरोध' के तौर पर सांप और मगरमच्छ जैसे जीवों का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, फिलहाल यह योजना केवल चर्चा और व्यवहार्यता जांच के स्तर पर है, इसे लागू करने का कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

बता दें इस साल फरवरी में दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई बैठक के बाद यह कम्युनिकेशन जारी किया गया। संदेश में सीमा चौकियों को 'डार्क जोन' के रूप में चिन्हित करने और वहां रहने वाले गांववालों के खिलाफ दर्ज मामलों की रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बीएसएफ के एक अधिकारी ने साफ किया कि अभी यह सिर्फ चर्चा का विषय है। अभी तक सांप-मगरमच्छ तैनात करने का कोई आदेश नहीं दिया गया है। सिर्फ संभावना तलाशने को कहा है। इसमें कई चुनौतियां हैंज्सरीसृपों को कहां से लाया जाए, उनका रखरखाव कैसे हो और नदी किनारे रहने वाले स्थानीय लोगों पर इसका क्या असर पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर यह योजना लागू हुई तो घुसपैठिए और तस्करों के लिए भारत में घुसने का ख्याल आते ही वह कांप जाएंगे। नदी के पानी में मगरमच्छ और घने जंगलों में जहरीले सांप हैज्यह सोचकर ही कोई भी गैरकानूनी तरीके से सीमा पार करने से पहले कई बार सोचेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि नदी वाले इलाकों में जहां फेंसिंग नहीं लग पाती, वहां प्राकृतिक बाधाएं काफी प्रभावी साबित हो सकती हैं, लेकिन साथ ही यह भी चिंता जताई कि बाढ़ के समय ये सरीसृप दोनों तरफ के गांवों के लिए खतरा बन सकते हैं।

बीएसएफ अधिकारी मानते हैं कि सांप और मगरमच्छ तैनात करना आसान नहीं होगा। इनकी खरीद, रखरखाव, प्रजनन और स्थानीय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना होगा। साथ ही बाढ़ के मौसम में इनके गांवों में घुस आने का खतरा भी बना रहेगा। फिलहाल यह प्रस्ताव चर्चा के चरण में है। बीएसएफ पूर्वी कमांड को डार्क जोन की मैपिंग करने और रिपोर्ट देने को कहा गया है।

शहीद ऊधम सिंह स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज होशियारपुर में बनाया जाएगा.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कैप्टन अमरिंदर सिंह और प्रकाश सिंह बादल अपने कार्यकाल के दौरान कभी भी चंडीग? में मुख्यमंत्री के लिए बने सरकारी निवास में नहीं रहे। इसके बजाय ये नेता अपने महलों जैसे घरों में रहते थे, जो चंडीग? में बनाए गए हैं, क्योंकि वे सरकारी घरों में सहज महसूस नहीं करते थे। अकालियों को राज्य में शासन करने के पांच मौके मिले, लेकिन लोगों की सेवा करने के बजाय उन्होंने लोगों और राज्य को बेरहमी से लूटा। उन्होंने आगे कहा कि केवल इतना ही नहीं, अकालियों ने अपने निजी हितों की पूर्ति के लिए धर्म का इस्तेमाल कर लोगों को धोखा दिया। सर्वोच्च तख्तों के जत्थेदार अकाली नेताओं की जेब से चुने जाते रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री दावा करते हैं कि उनके शासनकाल में राज्य का ब?ा विकास हुआ, लेकिन कोटकपूरा, बहिबल कलां और अन्य स्थानों पर वे आंखें मूंद लेते हैं, जहां श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी हुई और निर्दोष लोग मारे गए। अकाली दल की 'पंजाब बचाओ यात्रा' पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस यात्रा का असली नाम 'परिवार बचाओ यात्रा' है। उन्होंने कहा कि 15 साल राज्य को लूटने के बाद अब वे किससे राज्य को बचाने की बात कर रहे हैं ? अकाली दल ने पंजाबियों की मानसिकता को भावनात्मक रूप से कुचलने और राज्य में विभिन्न माफियाओं को संरक्षण देने के अलावा कई पीी?यों के विनाश के लिए जिम्मेदार है। अकाली नेतृत्व को कभी माफ नहीं किया जा सकता क्योंकि उन्होंने नशे के कारोबार को संरक्षण दिया, जो उनके लंबे कुशासन के दौरान फलता-फूलता रहा। अकाली नेतृत्व पर प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि ये अवसरवादी नेता हैं, जो अपनी सुविधाओं और निजी राजनीतिक हितों के अनुसार गिरगिट की तरह अपना रंग और रुख बदलते हैं। हर कोई जानता है कि अकालियों का एक कुनबा अंग्रेजों का कठपुतली बनकर काम करता रहा और देश के लिए ल?ने वाले देशभक्तों के खिलाफ अंग्रेजों का साथ देने के लिए इस कुनबे को 'सर' की उपाधि दी गई थी। अकालियों से जु? एक परिवार ने ही 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड के दोषी जनरल डायर के लिए इस घटना के बाद रात्रि भोज की मेजबानी की थी। उन्होंने आगे कहा कि इस घिनौनी घटना ने अकालियों की देश-विरोधी और पंजाब-विरोधी मानसिकता और चरित्र को उजागर कर दिया। इस कुनबे ने अंग्रेजों के खिलाफ डटकर ख? होने वाले लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के साथ विश्वासघात किया। इतना ही नहीं, इस परिवार ने जनरल डायर को हरिमंदिर साहिब में सिरोपा और माफी दिलाने को भी सुनिश्चित किया। यह और भी हैरान करने वाली बात है कि जत्थेदार अरू? सिंह, जिन्होंने यह सिरोपा दिया था, वे पूर्व लोकसभा सांसद सिमरजीत सिंह मान के नाना थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इतिहास को मिटाया नहीं जा सकता और बादल परिवार के पूर्वजों का संदिग्ध चरित्र इतिहास के पन्नों पर दर्ज है। इस परिवार के हाथ देशभक्तों के खून से रंगे हुए हैं और राष्ट्रवादियों की पीठ में छुरा घोंपने में इन गद्दारों की भूमिका को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। मेरे पास इस बात के ठोस सबूत हैं कि इन लोगों ने राज्य और यहां के लोगों को किस तरह लूटा। विपक्षी नेताओं पर अपने हमले को और तेज करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सुखबीर सिंह बादल जमीनी हकीकत से पूरी तरह अनजान हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी ऐशो-आराम में बिताई है। सुखबीर सिंह बादल ऐसे नेता हैं, जिन्होंने कॉन्वेंट स्कूलों में प?ाई की और राज्य की मूल भौगोलिक स्थिति से भी अनजान हैं, लेकिन फिर भी पंजाब में सत्ता हासिल करना चाहते हैं। यदि हम सामान्य फसलों की बात करें तो उपमुख्यमंत्री इनमें भी फर्क नहीं बता सकते, क्योंकि उन्हें राज्य के आम मुद्दों की भी बहुत कम जानकारी है। उन्होंने आगे कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह और उनके परिवार का पंजाब को धोखा देने का संदिग्ध रिकॉर्ड रहा है, क्योंकि उन्होंने राज्य के दुश्मनों, चाहे वे मुगल हों, अंग्रेज हों या अब भाजपा, के साथ ख? होकर काम किया। जब लोगों ने उन्हें मुख्यमंत्री चुना, तो वे अपने पूरे कार्यकाल में महल से बाहर ही नहीं निकले और मुश्किल से 10 बार राज्य का दौरा किया। जो खुद को राज्य के पानी का रक्षक कहते थे, उन्होंने ही इसे बर्बाद किया और जो खुद को धर्म के रक्षक बताते थे, वे पवित्र ग्रंथ की बेअदबी के मामलों में न्याय नहीं दिला सके। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कांग्रेस और अकाली दल वे दीमक हैं, जिन्होंने आजादी के बाद राज्य को बर्बाद कर दिया, जिसके कारण पंजाब विकास की राह में पिछ? गया। इन पार्टियों के नेता कभी भी एक-दूसरे के खिलाफ नहीं बोलते, लेकिन मेरे खिलाफ रोज जहर उगलते हैं, क्योंकि मैंने इनके असली चेहरे को जनता के सामने उजागर किया है। ये वे गद्दार हैं, जो कभी भी राज्य और इसके लोगों के प्रति वफादार नहीं रहे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कांग्रेस में हर नेता मुख्यमंत्री बनना चाहता है। चुनावों में काम करने वाले कार्यकर्ताओं से ज्यादा तो इनके पास मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। इसी कारण हाल ही में हुई एक रैली में पार्टी के शीर्ष नेता ने इन तथाकथित दावेदारों को नजरअंदाज कर दिया। कांग्रेस गुटबाजी का शिकार है और आंतरिक खींचतान के कारण टूटने के कगार पर है। उन्होंने आगे कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेसियों को एकजुट करने आए शीर्ष नेता उनके नाम तक सही से नहीं ले सके। इसके विपरीत, हमारी स्टेज से शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, कृषि और अन्य क्षेत्रों पर चर्चा की जा रही है, जबकि अन्य पार्टियों की सभाओं में केवल सत्ता हासिल करने के दावे किए जा रहे हैं। ये अवसरवादी नेता हैरान हैं कि जनता उन्हें जवाब क्यों नहीं दे रही, क्योंकि उनका एजेंडा जनता को बजाय अपने परिवारों तक सीमित है। मुख्यमंत्री मान ने अपनी सरकार की प्राथमिकताओं का जिक्र करते हुए कहा, कोई भी मुफ्त या रियायती कार्ड राज्य से गरीबी या सामाजिक बुराइयों को खत्म नहीं कर सकता, लेकिन शिक्षा ही ऐसा माध्यम है, जो लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाकर समृद्धि ला सकता है। शिक्षा वह प्रकाश है, जो अंधकार को दूर कर दुनिया को रोशन करता है, और राज्य सरकार इस पर विशेष जोर दे रही है। सरकारी स्कूलों को सुधारने के लिए क? प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे विद्यार्थी हर क्षेत्र में आगे ब? रहे हैं। कृषि और बिजली के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य के इतिहास में पहली बार धान के सीजन के दौरान ट्यूबवेलों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई है। किसानों को अब पहली बार सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली मिल रही है, जिससे उनकी जिंदगी में बदलाव आ रहा है। राज्य सरकार जनता के हित में सरकारी खजाने के हर एक पैसे का समझदारी से उपयोग कर रही है। लोक भलाई के बारे में बताते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, मुख्यमंत्री सेहत योजना शुरू की गई है, जिसके तहत पंजाब के सभी 65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा रहे हैं। हर परिवार 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का हकदार है और 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को पहले ही स्वास्थ्य कार्ड मिल चुके हैं। इस योजना के तहत 1.65 लाख लोगों को मुफ्त इलाज मिल चुका है और मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे इन कार्डों का अधिक से अधिक लाभ लें। उन्होंने आगे कहा, लोगों के टैक्स का पैसा राज्य का है और इसे लोगों की भलाई पर खर्च किया जा रहा है। लोगों का पैसा विकास, स्कूलों, अस्पतालों और स?कों के माध्यम से वापस लोगों तक पहुंच रहा है। राज्य सरकार ने 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली, बिना भ्रष्टाचार के 65,000 से अधिक युवाओं को नौकरियां, बेहतर स?कें, टोल प्लाजा बंद होने से रोजाना 70 लाख रुपये की बचत और बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' जैसे जनहित कार्यक्रम ने राज्य में नशे की कमर तो? दी है। अन्य योजनाओं की घोषणा करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, मांवां-धीयां सत्कार योजना के तहत हर महिला को 1000 रुपये प्रति माह और अनुसूचित जाति से संबंधित महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। यह राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी और जो महिलाएं पहले से सामाजिक सुरक्षा पेंशन ले रही हैं, वे भी इस योजना के लिए पात्र होंगी। पंजाब की 97 प्रतिशत महिलाओं को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है और राज्य सरकार ने बजट में 9300 करो? रुपये आवंटित किए हैं। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत, लोकसभा सदस्य डॉ. राज कुमार चब्बेवाल और अन्य भी उपस्थित थे।

ममता बनर्जी ने मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाया, बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने दावा किया कि विचाराधीन लगभग 60 लाख मामलों में से करीब 32 लाख नाम बहाल किए जा चुके हैं। हालांकि, उन्होंने चिंता व्यक्त की कि कई लोग अब भी सूची से बाहर हैं और अपने मताधिकार को लेकर असमंजस की स्थिति में हैं। बनर्जी ने ऐसे सभी लोगों से अपील की जिनके नाम अभी भी सूची में नहीं हैं कि वे संबंधित न्यायाधिकरणों के समक्ष आवेदन करें और अपने नाम शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी करें।

घुसपैठ के मुद्दे पर केंद्र-राज्य टकराव

मुख्यमंत्री ने अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है, फिर भी इसके लिए पश्चिम बंगाल सरकार को दोषी ठहराया जा रहा है। सीमा सुरक्षा केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती है। फिर राज्य को इसके लिए कैसे जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? उन्होंने सवाल उठाते हुए केंद्र पर राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

चुनावों से पहले राजनीतिक प्रभाव

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब पश्चिम बंगाल में चुनावी तैयारियां तेज हो रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदाता सूची संशोधन का मुद्दा आगामी चुनावों से पहले एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। विपक्षी दल बनर्जी के दावों का जवाब देने की तैयारी में हैं, वहीं तृणमूल कांग्रेस इस मुद्दे को जमीनी स्तर पर मतदाताओं, खासकर मतुआ और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच जोर-शोर से उठाने की संभावना है।

लोकतंत्र और मतदाता अधिकारों पर केंद्रित बहस

इस पूरे विवाद के केंद्र में मतदाता अधिकार और लोकतांत्रिक भागीदारी का बड़ा सवाल है। मतदाता सूचियों से नाम हटाने के आरोप लोकतंत्र में भागीदारी के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर चिंता पैदा करते हैं। जैसे-जैसे बहस आगे बढ़ रही है, अब सभी की नजरें चुनाव आयोग और न्यायपालिका पर टिकी हैं ताकि मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

घर-घर में बीमारी- नूंह के गांव में 64 लोगों की मौत, पांच साल से दहशत

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले के टपकन गांव में पिछले पांच वर्षों में 64 लोगों की संदिग्ध मौतों ने पूरे गांव को दहशत में डाल दिया है। इन मौतों में टीबी, सांस की बीमारियां, हार्ट अटैक और कैंसर जैसे गंभीर कारण सामने आए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में संचालित मीट फैक्टरी नियमों की अनदेखी कर रही है और उससे फैल रहा प्रदूषण ही इन मौतों की बड़ी वजह बन रहा है। लगातार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हालांकि जिला उपायुक्त अखिल पिलानी को गांव की सरपंच ने मृतक व गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों की लिस्ट सौंपी है। टपकन गांव में लगातार बढ़ रही मौतों की संख्या ने ग्रामीणों को चिंता में डाल दिया है। हर घर में बीमारी का डर है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बीते पांच साल में 64 लोगों की मौत ने हालात को बेहद गंभीर बना दिया है। सरपंच प्रतिनिधि मोहसिन का कहना है कि कैंसर से 15, टीबी की बीमारी से 24 व हार्ट अटैक से 25 लोगों की जान जा चुकी है। ग्रामीण मैनुद्दीन, मुमताज, साबिर हुसैन, सद्दाम व पूर्व सरपंच ताज मोहम्मद का कहना है कि गांव में टीबी, सांस की बीमारी, खाज-खुजली, कैंसर और हार्ट अटैक के मरीज तेजी से बढ़े हैं। लोग इसे सीधे तौर पर प्रदूषण से जोड़ रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ रहा है। गांव की सरपंच गोसिया खातुन का कहना है कि मीट फैक्टरी में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। फैक्टरी से निकलने वाला मल-मूत्र खुले में डाला जा रहा है, जिससे हवा, पानी और जमीन प्रदूषित हो रही है। बदबू के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव की सरपंच ने मंगलवार को जिला उपायुक्त से मुलाकात की। उन्होंने मृतकों और गंभीर रूप से बीमार लोगों की सूची सौंपते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है। गांव वालों ने साफ तौर पर मीट फैक्टरी को इन मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो हालात और भी भयावह हो सकते हैं। एनजीटी के दौरान गांव की सरपंच ने एक शिकायत दर्ज कराई थी। लोग इसे सीधे तौर पर प्रदूषण से जोड़ रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ रहा है। गांव की सरपंच गोसिया खातुन का कहना है कि मीट फैक्टरी में नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। फैक्टरी से निकलने वाला मल-मूत्र खुले में डाला जा रहा है, जिससे हवा, पानी और जमीन प्रदूषित हो रही है। बदबू के कारण लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव की सरपंच ने मंगलवार को जिला उपायुक्त से मुलाकात की। जिसकी जांच के लिए मृतकों की लिस्ट मांगी गई है। हालांकि अभी तक शिकायत में जो कारण दर्शाये गए हैं उनके बारे में कोई ठोस सबूत नहीं मिल पाए हैं। मेडिकल टीम मामले की जांच कर रही है। जो भी रिपोर्ट आएगी उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

NAME CHANGE
I, VISHNU BAHADUR S/o BHAKTA BAHADUR R/o G-39, Harkesh Nagar, Okhla Phase 2, Okhla Industrial Estate, South Delhi, Delhi - 110020 do here by solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced HINDUISM with effect from 01-10-2025 vide Serial No. 146 and henceforth I have changed my name from VISHNU BAHADUR to WASHIF AHMAD for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJNI SHARMA S/o YOGESH SHARMA R/o H No - 17, Gali No. 2, Ambey Enclave Chauhan Patti, Saba Pur Shahdara, North East Delhi, Delhi - 110094 have changed my name and shall hereafter be known as REKHA SHARMA.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रीति, पत्नी श्री महेंद्र कुमार चौधरी, संपत्ति संख्या 72-A (पुराना नंबर 72), क्षेत्रफल 76½ वर्ग गज (अर्थात 63.95 वर्ग मीटर), जो राम नगर, कृष्णा नगर, ग्राम खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051 में स्थित है, की पूरी निर्मित प्रथम मंजिल को श्री केवल किशोर पंत से खरीदना चाहती हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री अमर सुशील कपूर थे, जिन्होंने दिनांक 31.07.1973 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से इसे श्री कृष्ण नंद पंत को बेचा था। दुर्भाग्यवश, श्री कृष्ण नंद पंत (जिन्हें के. एन. पंत के नाम से भी जाना जाता है) का निधन 04.01.2017 को हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैधानिक उत्तराधिकारी हैं- श्रीमती बसंती पंत (पत्नी), श्री महेश चंद पंत (पुत्र), श्री प्रकाश चंद पंत (पुत्र), श्री केवल किशोर पंत (पुत्र)। तत्पश्चात, श्रीमती बसंती पंत, श्री महेश चंद पंत तथा श्री प्रकाश चंद पंत ने दिनांक 19.04.2022 की त्यागपत्र विलेख (Relinquishment Deed) के माध्यम से उक्त मंजिल में अपने-अपने अधिकार श्री केवल किशोर पंत के पक्ष में त्याग दिए। अतः, श्री केवल किशोर पंत उपर्युक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। यह संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, ऋण, बंधक या दावों से मुक्त है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को RBL Bank Ltd., गुरुग्राम शाखा, हरियाणा के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I Rakesh Kumar S/o NARAYAN SINGH, R/o 143, Makimpur (27), Deepalpur, Sonipat Haryana-131021 have changed my name to Rakesh Antil for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Som Nath S/o Amar Nath Sachdeva R/o Flat No. 105, Ground Floor, Guru Kirpa Apartment, Geetanjali Enclave, Bhawani Road, Rohtak-124001, Haryana have changed my name to Som Nath Sachdeva for all future purposes

Public Notice
It is for general information that I, SUMAN W/O Narender R/O C 1 488, New yadav enclave, Kirari suleman nagar, Prem nagar 3, Kirari Suleman Nagar, PO: Sultanpuri C Block, DIST: North West Delhi, Delhi-110086, declare that name of my husband has been wrongly written as POORAN in my minor son namely DEENU aged 15 years and name of my husband has been wrongly written as Puran in my minor daughter namely Hunny Kumari aged 11 years her school record, The actual name of my husband is NARENDER, which may be amended according.

Public Notice
"BE IT KNOW TO ALL CONCERNED that my clients 'Mr. DARBARA SINGH' S/o Late S. Sampuran Singh and 'Mrs. HARJEET KAUR' W/o S. Darbara Singh, both R/o WZ-G/12, Gali No.2, Sant Nagar Extension, Tilak Nagar, West Delhi, Delhi-110018, hereby declare that they have expelled, disowned and disinherited their son i.e. 'AMRIT PAL SINGH' & Daughter-in-law i.e. 'PARAMJEET KAUR alias NANCY' W/o Amrit Pal Singh & two grandsons i.e. (1) 'GURKIRAT SINGH' (aged 18 years) and (2) 'YUVRAJ SINGH' (aged 12 years) both S/o Amrit Pal Singh & Paramjeet Kaur alias Nancy from their all movable, immovable Properties whatsoever / whereever situated & Bank Deposits etc. They have also released all their relations with their above mentioned Son, Daughter-in-law & Grandsons for all intents and purposes, and my clients hereby declare that they shall not be responsible for any of acts and omissions of their above mentioned Son, Daughter-in-law & Grandsons from hereto. Anybody dealing with their above mentioned Son, Daughter-in-law & Grandsons shall do so at his/her/ their own peril."

GULSHAN CHANANA (Advocate)
Enrolment No.: D/5869/2018

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं संजय कुमार यादव पुत्र श्री बिरेंद्र प्रसाद यादव, निवासी मकान संख्या 303, गली न. 01, थर्ड फ्लोर, फ्लैट न. 16, कृष्णापुरी मंडावली फजलपुर, गवर्नमेंट डिस्पेंसरी सकरपुर, दिल्ली , मंडावली फाजलपुर, शकरपुर, पूर्वी दिल्ली, दिल्ली 110092, घोषणा करता हूं कि मेरे शैक्षणिक सर्टिफिकेट में मेरा नाम संजय कुमार है और आधार एवं पैन में संजय कुमार यादव है। ये दोनों नाम मेरे है। वर्तमान व भविष्य में आधार एवं पैन में अंकित नाम संजय कुमार यादव पुत्र श्री बिरेंद्र प्रसाद यादव के नाम ही सभी दस्तावेज में मान्य समझा जाएगा और रहेगा।

नाम परिवर्तन
मैं, मनीषा कुमारी पुत्री श्री सत्य प्रकाश राय , पता मोहल्ला दरगहिया, पोस्ट-कूडाघाट, खोराबार उर्फ सूबा बाजार, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश -273008. मेरे पिताजी ने भारतीय जीवन बीमा शाखा में मनीषा कुमारी के नाम से बीमा पॉलिसी नं0,163578140 ली थी। जिसमें गलती से मेरा नाम शीतल राय दर्ज हो गया,जो की सही नाम मनीषा कुमारी है। शीतल राय और मनीषा कुमारी एक ही व्यक्ति का नाम है ।

नाम परिवर्तन
मैं,सत्य प्रकाश राय पुत्र स्व0 श्री सुखदेव राय पता मोहल्ला दरगहिया, पोस्ट-कूडाघाट, खोराबार उर्फ सूबा बाजार, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश -273008. ने आपकी भारतीय जीवन बीमा शाखा में अपनी पुत्री मनीषा कुमारी के नाम से बीमा पॉलिसी नं0,163578140 ली थी। जिसमें गलती से पुत्री का नाम शीतल राय दर्ज हो गया,जो की सही नाम मनीषा कुमारी है। शीतल राय और मनीषा कुमारी एक ही व्यक्ति का नाम है ।

NAME CHANGE
I, DHONDUBAI is a real mother of No. 2803148X Rank HAV Name GITTE RAMESH BHANUDAS presently residing VILL-SOMTHANA POST-KURULA TEH- KANDHAR DIST-NANDED (MAHARASHTRA)-431742 have changed my name from DHONDUBAI to DHONDUBAI BHANUDAS GITTE and date of birth from 08/06/1957 for all future purposes. Vide affidavit dated27.01.2026 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, BHANUDAS is a real Fathar of No. 2803148X Rank HAV Name GITTE RAMESH BHANUDAS presently residing VILL-SOMTHANA POST-KURULA TEH- KANDHAR DIST-NANDED (MAHARASHTRA)-431742 have changed my name from BHANUDAS to BHANUDAS PIRAJI GITTE and date of birth from 08/06/1952 for all future purposes. Vide affidavit dated 27.01.2026 before Public Notary Delhi India.

NAME CHANGE
I, S W NEENA is legally Wife of No. 2803782A Rank-HAV Name- SHIJ R presently residing at VILL-PERUMKADAVILA, POST-PERUMKADAVILA TEH-NEYYATTINKARA DIST-TRIVANDRUM (KERALA)-695124, have changed my name from S W NEE?? ?? ???NA S W and date of birth to 10/05/1990 for all future purposes. Vide affidavit dated 20.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, RAMKOR is a real mother of No. 2824179L Rank SEP Name CHAWAN SHAKSHAM BHIMRAO presently residing VILL-SAWARAGAON MUDHE POST-GANDHARI TEH-LONAR DIST-BHULDANA (MAHARASHTRA)-443302 have changed my name from RAMKOR to CHAWAN RAMKOR BHIMRAO and date of birth to 01/01/1987 for all future purposes. Vide affidavit dated 06.04.2026 before Public Notary Delhi India.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री कमलेश प्रसाद, श्री अमितावा शर्मा से प्लॉट संख्या 46- एवं 47, जिसका क्षेत्रफल 270 वर्ग गज है, जो खसरा संख्या 160 एवं 143 में स्थित है, ग्राम बिंदापुर, जिसे आबादी सिस राम पार्क, ब्लॉक-, दिल्ली के नाम से जाना जाता है, क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक मूल स्वामी श्री वेद प्रकाश एवं श्री बृज मोहन हांडा थे, जिन्होंने दिनांक 07.11.1977 को नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं दो वसीयतों के माध्यम से उक्त संपत्ति को श्री जगदीश प्रसाद, श्री शक्ति राज एवं श्री अशोक कुमार के पक्ष में स्थानांतरित किया। तत्पश्चात, उक्त संपत्ति को दिनांक 15.04.1985 को नोटराइज़्ड GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से श्री बलदेव शर्मा के पक्ष में स्थानांतरित किया गया। इसके बाद, श्री बलदेव शर्मा ने दिनांक 15.04.1995 को नोटराइज़्ड ख़क्र ऊरू एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति को श्री अमितावा शर्मा के पक्ष में स्थानांतरित किया। अतः श्री अमितावा शर्मा उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, देयता, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, RAJNI W/o Narender Singh Gusain R/o A-80 B, Block-A, Suraksha Vihar, Vikas Nagar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to RAJNI GUSAIN permanently.

NAME CHANGE
I, NARINDER S/o Jabar Singh Gusain R/o A-80 B, Block-A, Suraksha Vihar, Vikas Nagar, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to NARENDER SINGH GUSAIN permanently.

NAME CHANGE
I, Tushar S/o Arun Pandey R/o H.No. 1478/502, Gali no 8, Madanpuri, Near Shiv Mandir, Gurugram, have changed my name from Tushar to Tushar Pandey for all future purposes

NAME CHANGE
I, Rahul Pratap Singh S/O: Surendra Pal Singh, R/O village balka, Nagla Bal Urf Balka, Bulandshahr, Balka, Uttar Pradesh, 245409, have changed the name of my minor daughter Pri aged 10 years and she shall hereafter be known as Paridhi.

NAME CHANGE
I, JAY DEV S/o Hawa Singh R/o B-24, Gali No: 3, Extension-2 B Nangloi, Delhi - 110041, Delhi have changed my name from JAY DEV to JAYDEV for all intents and purposes

NAME CHANGE
I Dayanand Kukreja S/O Tirath Das, R/o 1660, MULATANI MOHALLA, RANI BAGH, SHAKUR BASTI, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name to Daya Nand for all future purposes.

NAME CHANGE
I Ajay Raghav S/o Harbeer Singh R/o Bhondsi (168), Sohna, Gurugram, Haryana - 122102 have changed my name to Ajay Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAJAT KUMAR DUBEY S/O NAWAL KISHOR DUBEY, R/O H NO-52/1A, 2ND FLOOR, MUNIRKA VILLAGE, PAHARI MUNIRKA, DELHI-110067, have changed the name of my minor son PRANAY DUBEY, aged 10 years and he shall hereafter be known as ATHARV DUBEY. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I Meen Devi W/o Ramesh Chandra, 7-s, nikhil Estare, shastripuram, sikandra, Agra, Agra, Uttar Pradesh - 282007 have changed my name to Mina Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SALIM AHMED SON OF ZEESHAN AHMAD R/O H NO.V-208, STREET NO-17, VIJAY PARK, MAUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME SALEEM AHMED FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MANISHA D/o RAKESH KUMAR R/o F-33 A PLOT NO-9, KH NO-653 GROUND FLOOR BLOCK-F, RAMESH NAGAR, Delhi-110015 have changed my name to MANISHA KUMARI.

NAME CHANGE
I, HARISH RAO S/o RAM NARAYAN R/o HIG-2, 3RD FLOOR, A-76 LAXMI APARTMENT, NEW CREATION SCHOOL, DILSHAD COLONY, Delhi-110095 have changed my name to HARISH KUMAR.

NAME CHANGE
I, RITU SAINI W/o LALIT SAINI R/o 136 3RD FLOOR, BHAGWAN NAGAR JEEWAN NAGAR OPPOSITE JEEWAN HOSPITAL GATE NO-5 Delhi-110014 have changed my name to RUCHIKA SAINI.

NAME CHANGE
I CHANDRA PAL S/O BARPI LAL R/O C2/184 LODHI COLONY LODHI ROAD DELHI 110003 have changed my name to CHANDER PAL Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I GHOSH ANAND UTTAM S/O UTTAM GHOSH R/O T-185 T/F F/S BALJEET NAGAR PATEL NAGAR NEW DELHI -110008 have changed my name to ANAND GHOSH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, SABITRI DEVI Wife of No-15202584L, Rank-HAV, Name-VINAY KUMAR SINGH Presently residing at VILL-BHAGWAAN PUR, PO & DISTT-VARANASI, UTTAR PRADESH-221005, have changed my name from SABITRI DEVI to SAVITRI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2026 before Executive Megistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHOUGRAKPAM TARUNKUMAR SINGH S/o SHOUGRAKPAM CHANBI SINGH, R/o Q NO-42-D, TYPE-2, GROUND FLOOR, BLOCK-42, VASANT VIHAR, DELHI-110057, declare that name of mine has been wrongly written as SH. TARUN KR SINGH in my Service Records. The actual name of mine is SHOUGRAKPAM TARUNKUMAR SINGH respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I,DINESH KUMAR ANAND S/o Harish Anand R/o 110, L.I.G Flats, Pocket-3, Paschim Puri, Delhi-110063 , have changed my name to DINESH ANAND permanently.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHIVANSH son of HARI DEV SHARMA residing at H No-9, Near Turab Nagar, Arjun Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201001 have changed my name and shall hereafter be known as PUNEET SHARMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Peeyush Kumar Singh alias Peeyush Gaur S/o Late Sheo Kumar Singh R/o Flat No-691, Tower-N, 6th Avenue, Gaur City-1, Sector-4, Greater Noida, Bisrakh, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed my name and shall hereafter be known as Peeyush Gaur.

NAME CHANGE
I, SIRAJ ANWAR S/O Abdul Hameed, R/o 248, Pocket-3, Paschim Puri, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to SERAJ ANWAR for all purposes.

NAME CHANGE
I, VIRENDRA KUMAR S/O NAND RAM GOSWAMI R/O B-272 GD COLONY MAYUR VIHAR PHASE 3 EAST DELHI 110096, CHANGED MY NAME TO VIRENDRA GOSWAMI.

NAME CHANGE
I, JAIPAL SINGH TANWAR S/O MOHAR SINGH TANWAR R/O H.NO-A-31 CHITR GUPTA ROAD NEAR RAMJAS SCHOOL NO 4 POLICE COLONY PAHAR GANJ DELHI 110055, CHANGED MY NAME TO JAIPAL SINGH.

NAME CHANGE
I, DESH BANDU S/O SHAMBHU DAYAL R/O B-1122 SHASTRI NAGAR DELHI 110052, CHANGED MY NAME TO DESH BANDHU KHANDELWAL.

NAME CHANGE
I, Bhil Gokul Sonu Army No. 14855482X Rank - NK/MT Presently Posted at Unit 980 TPT Coy ASC Type B, Sujanpur Cantt, Pathankot Cantt (Punjab) Pin - 905980 & Permanent Resident at Post - Khede Tal, Tehsil - Dhule, P. S. - Dhule, Dist - Dhule, State - Maharashtra, Pin - 424302 have changed my mother name from Sangita to Sangitabai Sonu Bhil & Date of Birth from 20/03/1977 to 01/01/1976 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 7th April 2026 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Rajkumar.

NAME CHANGE
I BHARTI MANKAR W/O YOGESH SARANG MANKAR R/O HOUSE NO 199 FIRST FLOOR SECTOR 9 BAHADUGARH. H.R 124507 HAVE CHANGED NY NAME TO BHARTI YOGESH MANKAR

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR S/O DALIP KUKAR R/O DEVIKA SKYPER FLAT NO-1104 TOWER-3 RAJNAGAR EXTENSION GHAZIABAD U.P PIN 201017 HAVE CHANGED MY NAME TO MANISH ARORA

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby informed through this Public Notice that my Clients SH. SURESH CHAND S/O SH.MOHAR SINGH & MRS. MAMTA W/O SH. SURESH CHAND BOTH R/O 1/2, H.NO. 1116, GALI NO. 17, SANGAM VIHAR, TIGRI, DIST. SOUTH DELHI, DELHI-110062, have severed will their relation with their eldest daughter namely MS. NEHA (U.I.D.NO.: 6409-7433-3969) D/O SH.SURESH CHAND & SMT. MAMTA from all relations/ties and debarred her from all their movable and immovable properties due to her misconduct, hostile behavior and unsocial relationship. My clients shall not be liable/responsible from her any acts and deeds in any manner whatsoever

AMRIT DAS ADVOCATE
Chamber No. 320,
Lawyers Chamber.
Dwarka District Court, Sector-10,
New Delhi-110075

NAME CHANGE
I, No-2894329N Rank-HONY NB SUB Name-SUBHASH CHANDRA S/o ANOKHE LAL Presently residing at R/Z-535/16B, GALI NO-46, SADH NAGAR PART-2, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, have changed my daughter's name from CHAYA to CHHAYA for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, HADAR ALI S/o SHAMIM AHMED R/o E-212/1, Abul Fazal Enclave Part-2, Shaheen Bagh Jamia nagar, Delhi-110025,have changed my name to HAIDER ALI permanently.

NAME CHANGE
I, SAMIM AHMAD S/o MOHD RASOOL R/o E-212/1, Abul Fazal Enclave Part-2, Shaheen Bagh Jamia nagar, Delhi-110025,have changed my name to SHAMIM AHMED permanently.

NAME CHANGE
I, NAZAMA BAGAM W/o SHAMIM AHMED R/o E-212/1, Abul Fazal Enclave Part-2, Shaheen Bagh Jamia nagar, Delhi-110025,have changed my name to NAZMA BEGUM permanently.

NAME CHANGE
I, ASHA RANI W/o Satish Chauhan R/o RZF-710/4, Rajnagar-II, Street No.1, Palam Colony, Dharamshala Marg, Delhi-110077, have changed my name to ASHA CHAUHAN permanently

NAME CHANGE
I, MOHAMMED ARSHAD QURESHI S/o Aslam Qureshi R/o 4928 A/25A, Gali No.4 East Old Seelampur, Delhi-110031, have changed my name to MD ARSHAD QURESHI permanently

NAME CHANGE
I, Virender Sharma, S/O Manohar Lal Sharma, residence of 637, Gali no 7, Guru Ramdass Nagar, Laxmi Nagar, Delhi 110092 have changed my name to Virender Kumar.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

84-भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रमोद नागर पुत्र विजय पाल पताः मकान नं. ए-54, इंद्रपुरी गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 21270/2020 धारा 379/411/34 भा.द.स. के तहत** थानाः नंद नगरी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **प्रमोद नागर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **प्रमोद नागर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 21270/2020 धारा 379/411/34 भा.द.स. के तहत थाना नंद नगरी, दिल्ली के उक्त प्रमोद नागर** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं.19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4358/NE/2026

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री योगेंद्र सक्सेना / श्रीमती रेनुका सक्सेना, ग्राम मामूरा, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर (उ.प्र.) में स्थित खसरा संख्या 224K से संबंधित 200 वर्ग गज भूमि पर निर्मित मकान को श्रीमती सुरेश देवी से क्रय करना चाहते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी राजस्व अभिलेखों के अनुसार श्री बनवारी एवं अन्य थे। दुर्भाग्यवश, श्री बनवारी का निधन हो गया, जिनके पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारी क्रमशः श्री अमन सिंह, श्री चमन सिंह, श्री पवन सिंह एवं श्री मदन सिंह हैं। तत्पश्चात, श्री अमन सिंह, श्री चमन सिंह एवं श्री पवन सिंह द्वारा श्री मदन सिंह के हिस्से के विक्रय/उपहार/हस्तांतरण के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) प्रदान किया गया। इसके पश्चात, श्री मदन सिंह ने दिनांक 24.12.2025 के गिफ्ट डीड के माध्यम से उक्त संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती सुरेश देवी के नाम उपहार स्वरूप हस्तांतरित कर दी। परिणामस्वरूप, श्रीमती सुरेश देवी उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण या किसी भी प्रकार के दावे से मुक्त है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को RBL Bank Ltd., ओखला शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, ZEBA KHATUN W/O MOHD FARAZ R/o S10D/10B, JOGA BAI EXTN. JAMIA NAGAR, NEW DELHI 110025. have changed my name to ZEBA FARAZ for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as DEEPIKA SRIVASTAVA alias DEEPIKA SAHAI D/o Girish Srivastava R/o Flat No.102 Shree Shyam Apartment 1 Sai Garden-3 Shahberi Noida Extension Gautam Budha Nagar-201009 Uttar Pradesh have changed my name and shall hereafter be known as DEEPIKA SAHAI.

NAME CHANGE
I hitherto known as ASGAR ALI S/O MOHD AMIN ANSARI R/O KI-18D/587, Block-K, Sangam Vihar, New Delhi-110080 have changed my name and shall hereafter be known as MD ASGAR ALI.

NAME CHANGE
I,RASHEEDA W/O HASINUDDIN R/O H.NO-G-356 GALI NO 13/2 BHAGIRATHI VIHAR GOKAL PUR NORTH EAST DELHI 110094, CHANGED MY NAME TO KHATOON BANO.

NAME CHANGE
I, MEHBOOB ALAM S/o AHMAD ALI R/o-2549, KATARA MEERA SHIKOHABAD, FIROZABAD, UTTAR PRADESH 205135. have changed my name to MAHABUB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHANTI DEVI W/o Krishan Kumar Jha R/o S-63, Vikas Nagar, Near Hanuman Mandir, Hastashal, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name to MADHU permanently

NAME CHANGE
I, Army No-JC-114928K Rank EX SUB Name- RAKSHPAL SINGH, resident of VILL-SANTO TILLA, PO-NEHRI NAURANGA, TEHSIL-AMB, DIST-UNA, HIMACHAL PRADESH-177210, have changed my daughter's name from ANJANA DEVI to ANJANA RAJPUT KHANNA for all future purposes vide Affidavit dated 07/04/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हनीट्रेप में फंसाकर गाड़ी छीनने के मामले में दो दोषियों को 10-10 साल कैद

एजेंसी

हांसी। हनीट्रप में फंसाकर एक व्यक्ति से गाड़ी छीनने के मामले में अदालत ने दो दोषियों को 10-10 साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों पर 50-50 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त सजा काटनी होगी। अदालत ने जींद के मनीष व गुरमीत को दोषी करार दिया था जबकि इस मामले में तीन आरोपियों को बरी कर दिया था। दोषियों को सजा सुनाई गई। अदालत में चले मामले के अनुसाार शहर थाना पुलिस ने इस संबंध में पांच जुलाई 2021 को पीड़ित के बयान पर एक युवती समेत 5-6 अन्य के खिलाफ अपहरण करना, फिरौती मांगना, लूटपाट, षड़यंत्र रचने का केस दर्ज किया था। पुलिस को दी गई शिकायत में शहर के रहने वाले व्यक्ति ने बताया था कि उसका आटो मार्केट में दफ्तर है। एक युवती के साथ इंटरनेट पर चैटिंग होती थी। पांच जुलाई को युवती ने फोन कर कहा कि वह नागरिक अस्पताल के मोड पर है। उसके बाद उसे लेने के लिए चला गया। युवती ने गाड़ी में बैठने के बाद एक होटल में जाने की बात कहीं। वहां पर दोनों के बीच संबंध बने। बीस मिनट के बाद युवती ने कहा कि उसे कहीं जाना है। ऐसे में गाड़ी में बैठकर बरवाला चुंगी की तरफ आने लगे। रास्ते में युवती ने कहा कि उसे उल्टी आ रही है और गाड़ी रूकवा ली।

हरियाणा में एससी आरक्षण लागू करने को लगेंगे रोस्टर रजिस्टर

चंडीगढ। हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को और भी बेहतर तरीके से लागू करने का फैसला किया है। सरकार ने सभी सरकारी विभागों, बोर्डों और निगमों को कहा है कि वे ग्रुप 'ए' और 'बी' पदों के लिए रोस्टर रजिस्टर बनाएं, उसे अपडेट करें और जांच भी करवाएं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस बारे में एक पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग रोस्टर रजिस्टर को सही रखें और अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से सत्यापित करवाएं। सरकार ने पहले 7 अक्टूबर, 2023 को एक आदेश जारी किया था, जिसमें ग्रुप 'ए' और 'बी' श्रेणी के अनुसूचित जाति के कर्मचारियों को प्रमोशन में भी आरक्षण का लाभ देने की बात कही गई थी। सरकार ने यह भी साफ किया है कि 15 जुलाई, 2014 के नियमों के अनुसार रोस्टर के जो पॉइंट्स तय किए गए हैं, वे वैसे ही रहेंगे। यह नियम सीधी भर्ती और प्रमोशन, दोनों पर लागू होगा। इसके अलावा, ग्रुप 'सी' और 'डी' कर्मचारियों के लिए 24 सितंबर, 2008 और 22 अक्टूबर, 2008 को जारी किए गए रोस्टर नियमों का भी सख्ती से पालन करने को कहा गया है। सरकार ने रिप्लेसमेंट थ्योरी सहित रोस्टर पॉइंट्स का सही इस्तेमाल करने के लिए भी कहा है।

पीएमटी से पहले ग्रुप सी के अभ्यर्थियों का होगा बायोमेट्रिक सत्यापन

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग में अब ग्रुप सीसीईटी परीक्षा में बायोमेट्रिक वेरीफिकेशन से छूटे अभ्यर्थियों के वेरीफिकेशन भी शुरु किए जाएंगे। यह प्रक्रिया 15 अप्रैल से पहले पूरी की जाएगी। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। हरियाणा में कांस्टेबलों के 5500 पदों के लिए करीब दो लाख 70 हजार युवाओं की तरफ से आवेदन किया गया है। इनमें से बहुत से ऐसे हैं जिन्होंने सीईटी ग्रुप सी के लिए वर्ष 2025 में परीक्षा दी थी। परीक्षा के दौरान उक्त अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो सका था। आयोग के संज्ञान में यह मामला आने के बाद बायोमेट्रिक सत्यापन का निर्णय लिया गया है। आयोग के चेयरमैन ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का सीईटी ग्रुप सी 2025 की परीक्षा के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो सका था और उन्होंने पुलिस भर्ती के लिए आवेदन किया हुआ है, उन सभी अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन पीएमटी से पूर्व कराया जाएगा। सत्यापन के बाद ही उक्त अभ्यर्थी पीएमटी की परीक्षा में भाग ले पाएंगे। हिम्मत सिंह ने कहा कि अभ्यर्थियों को दुविधा में पडने की जरूरत नहीं है। आयोग की तरफ से इसके लिए सभी तैयारियां की जा रही हैं। बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद पीएमटी की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

हरियाणा में सभी न्यायालयों में लागू होगी ई-समन प्रणाली

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत सभी न्यायालयों तथा सभी राजस्व न्यायालयों में समन जारी करने और उनकी तामील के लिए ई-समन प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से सोमवार को इस संबंध में जारी एक पत्र में सभी प्रशासनिक सचिवों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले न्यायालयों और प्राधिकरणों को समन जारी करने और तामील के लिए ई-समन प्रणाली का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश जारी करें। साथ ही, राज्य के सभी राजस्व न्यायालयों को भी इस प्रणाली को अपनाने और इसका कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि मामलों के निपटान में तेजी लाई जा सके। गौरतलब है कि 3 फरवरी, 2026 को गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें नए आपराधिक कानूनों (एनसीएल) के कार्यान्वयन तथा एनसीएल पोर्टल की समीक्षा की गई थी।

राष्ट्र निर्माण में भाजपा नेतृत्व की निर्णायक भूमिका: नायब सिंह सैनी

● मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली और प्रदेश प्रभारी डा. पूनिया ने किया वाजपेयी जी की अटल की प्रतिमा का अनावरण

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में आज भारत ने वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान स्थापित की है, जिसकी मजबूत नींव पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दूरदर्शी नेतृत्व में रखी गई थी। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा विचारधारा आधारित राजनीति करते हुए राष्ट्र को सशक्त और विकसित बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ी है। वरिष्ठ नेताओं के त्याग, संघर्ष और दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जनसंघ जैसे संगठन को भी व्यापक लक्ष्य के लिए विलय किया गया। यह भाजपा की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें सत्ता या संगठन से ऊपर राष्ट्र निर्माण और

भारत को उच्चतम शिखर पर पहुंचाने का संकल्प सर्वोपरि रहा है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय गुरुकमल में पार्टी के 47वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कार्यालय परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री, पार्टी के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी की 9 फुट मूर्ति का अनावरण भी किया। मूर्ति अनावरण के मौके पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पुनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली मौजूद रहे। इससे पहले गुरुग्राम के जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने भाजपा कार्यालय पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस उन मूल्यों और आदर्शों की याद दिलाने का अवसर है, जिन्हें महान नेताओं ने अपने तप और परिश्रम से संगठन में स्थापित किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थापना केवल एक राजनीतिक दल के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, समर्पण और मजबूत विचारधारा के उदय के रूप में हुई थी। 6 अप्रैल 1980 को रखी गई इस नींव ने आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले लिया है, जो विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित है।

एआई से लैस होंगे हरियाणा के सरकारी कर्मचारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में तकनीक आधारित प्रशासन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सरकारी कर्मचारियों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्किलिंग को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है।

यह प्रशिक्षण आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, प्रशिक्षण संस्थानों, बोर्डों, निगमों तथा विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र भेजा गया है। इसके तहत अधिकारियों-कर्मचारियों को उभरती डिजिटल क्षमताओं से लैस कर अधिक दक्ष, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित प्रशासनिक व्यवस्था विकसित की जा रही है। मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय डिजिटल लर्निंग पोर्टल आईजीओटी कर्मयोगी पर सार्वजनिक प्रशासन से जुड़े अधिकारियों के लिए निःशुल्क, स्वयं-गति (सैल्फ पेस्ड) और प्रमाणित एआई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों को कर्मचारी अपनी सुविधा अनुसार बिना नियमित कार्य प्रभावित किए पूरा कर सकते हैं। राज्य के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) द्वारा इस पहल को सक्रिय रूप से समर्थन दिया जा रहा है। प्रशासन में एआई के उपयोग से निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार, डेटा आधारित नीति निर्माण तथा सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता में बढ़ोतरी की संभावना है। इनमें सार्वजनिक क्षेत्र में दक्षता के लिए जनरेटिव एआई, शहरी प्रशासन में एआई आधारित डिजिटल परिवर्तन, ग्रामीण विकास और शिक्षा में एआई का उपयोग तथा माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे उत्पादकता उपकरणों से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

हरियाणा में स्कूल प्रबंधन नियमों में बदलाव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने स्कूल शिक्षा से जुड़े नियमों में संशोधन करते हुए प्रबंधन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। राज्य सरकार ने हरियाणा स्कूल शिक्षा (संशोधन) नियम 2026 लागू कर दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, हरियाणा स्कूल शिक्षा नियम 2003 के नियम 131 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन के तहत उप-नियम (1) में पहले 3 से 5 की सीमा को बढ़ाकर अब 3 से 6 कर दिया गया है। उप-नियम (2) में पांच शब्द को बदलकर छह कर दिया गया है। इस बदलाव का सीधा अर्थ है कि संबंधित स्कूल प्रबंधन/समिति/संरचना में अब अधिकतम सदस्यों की संख्या बढ़ा दी गई है। पहले जहां अधिकतम पांच सदस्य तक की सीमा थी, अब इसे बढ़ाकर छह कर दिया गया है। यह बदलाव स्कूलों के प्रबंधन में ज्यादा प्रतिनिधित्व और बेहतर निर्णय प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है। अधिक सदस्यों के शामिल होने से प्रशासनिक कार्यों में विविधता और पारदर्शिता बढने की संभावना है। यह संशोधन हरियाणा स्कूल शिक्षा अधिनियम 1995 की धारा 24 के तहत राज्य सरकार को प्राप्त अधिकारों के तहत किया गया है।

सरकार का शिक्षा, शोध और कौशल विकास पर फोकस: मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

सोनीपत। दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा किहरियाणासरकार का शिक्षा, शोध और कौशल विकास पर विशेष फोकस है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा हरियाणा के राज्यपाल और कुलाधिपति असीम कुमार घोष की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की बड़ी संख्या मौजूद रही। मुख्यमंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन विश्वविद्यालय के इतिहास का महत्त्वपूर्ण पड़ाव है और विद्यार्थियों के जीवन का अविस्मरणीय क्षण है। शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान को भी

उन्होंने सफलता का आधार बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय महान समाज सुधारक चौधरी छोटू राम के नाम पर स्थापित है। छोटू राम ने शिक्षा को गरीबी और अज्ञानता से मुक्ति का सबसे बड़ा साधन बताया था। विश्वविद्यालय आज उनके आदर्शों को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध और औद्योगिक क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगतिकी है। राज्य का लक्ष्य है कि हर युवा आत्मनिर्भर बने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो। अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने हरियाणा राज्य अनुसंधान कोष के तहत 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

वर्ष 2025-26 में 350 से अधिक शोध प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 90 प्रस्तावों को चयनित किया गया। चालू वर्ष में भी इस कोष के लिए अतिरिक्त 20 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य शोध संस्कृति को मजबूत करना और विद्यार्थियों को नवाचार के लिए प्रेरित करना है।

मुख्यमंत्री की कष्ट निवारण समिति की बैठक में 15 में से 11 मामलों का समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेशभर में लंबित ततीमा से संबंधित सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निपटान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में देरी के कारण आमजन को दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, अनावश्यक विवाद और न्यायालयीन प्रक्रियाएं बढ़ती हैं तथा प्रशासनिक कार्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अतः इन मामलों के समाधान हेतु एक विशेष मुहिम के तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी विधायक बिमला चौधरी, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में 15 परिवाद रखे गए, जिनमें से मुख्यमंत्री ने 11

का मौके पर ही निपटारा किया, जबकि 4 मामलों को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन लंबित मामलों की स्टेटस रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रेजांगला चौक की स्वच्छता व्यवस्था का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेजांगला चौक तथा शहीद लेफ्टिनेंट अतुल कटारिया चौक का सुनियोजित तरीके से सौंदर्यकरण किया जाए, ताकि ये स्थान न केवल साफ-सुथरे दिखें, बल्कि शहर की सुंदरता को भी बढ़ाएं। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि रेजांगला स्मारक का समुचित सौंदर्यीकरण, पुनर्रचना (रेडिज़ाइनिंग) और समग्र उन्नयन किया जाए, ताकि इसे और अधिक आकर्षक, गरिमापूर्ण एवं प्रभावशाली बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन स्थानों पर हरित क्षेत्र विकसित किया जाए तथा नियमित सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए, जिससे आमजन को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक वातावरण का अनुभव हो सके। गांव दौलताबाद से आए एक शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अवगत कराया कि उसके खेत तक जाने वाले करीब 2 करम चौड़े रास्ते पर दो बिल्डर्स द्वारा अवैध कब्जा कर दीवार खड़ी कर दी गई है, जिससे उसका तथा अन्य ग्रामीणों का खेतों में आवागमन बाधित हो रहा है। इस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

हरियाणा में पंचायत चुनाव लड़ने से पहले सार्वजनिक करेंगे होंगे आपराधिक मामले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने पंचायत चुनाव के संबंध में अहम निर्देश जारी करते हुए कहा है कि अब पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को भी अपराधिक मामलों की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी। पहले यह नियम नगर पालिकाओं व अन्य चुनावों में लागू होते थे। राज्य चुनाव आयुक्त देवेन्द्र सिंह कल्याण ने स्पष्ट किया है कि जिन उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं या जो पहले किसी मामले में दोषी ठहराए जा चुके हैं, उन्हें अब अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से घोषित करनी होगी। निर्देशों के अनुसार, ऐसे उम्मीदवारों को अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी प्रकाशित करानी होगी। यह घोषणा नाम वापसी की अंतिम तिथि के अगले दिन से लेकर मतदान से दो दिन पहले तक कम से कम तीन बार अलग-अलग तिथियों पर प्रकाशित की जाएगी।

राज्य चुनाव आयुक्त देवेन्द्र सिंह ने कहा है कि उम्मीदवारों को स्थानीय टीवी चैनलों या केबल नेटवर्क पर भी अपने आपराधिक मामलों की जानकारी प्रसारित करनी होगी। यह प्रक्रिया मतदान समाप्त होने के निर्धारित समय से कम से कम 48 घंटे पहले पूरी करनी अनिवार्य होगी। आयोग ने राजनीतिक दलों के लिए भी सख्त नियम तय किए हैं। यदि कोई मान्यता प्राप्त या पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दल ऐसे उम्मीदवार को टिकट देता है, तो उसे यह सार्वजनिक करना होगा कि उम्मीदवार के खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी पार्टी को दी गई है। साथ ही, दलों को अपनी वेबसाइट, स्थानीय चैनलों और अखबारों के माध्यम से इस संबंध में घोषणा प्रकाशित करानी होगी। राज्य चुनाव आयुक्त के अनुसार राजनीतिक दलों को संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) को एक रिपोर्ट भी सौंपनी होगी, जिसमें यह प्रमाणित किया जाएगा कि सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है। इसके साथ ही, प्रकाशित घोषणाओं की अखबारी कटिंग भी रिपोर्ट में संलग्न करनी होगी।

नेहरू पार्क साइड से नागरिक अस्पताल में एंट्री गेट बनाने की उठी मांग, सीएमओ से की मुलाकात

एजेंसी

बहादुरगढ़। शहर के नागरिक अस्पताल के साथ लगती कॉलोनियों के लोगों ने अस्पताल परिसर में नेहरू पार्क की ओर से एक अलग एंट्री गेट बनाने की मांग उठाई है। इस मांग को लेकर नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने और जिला उपाध्यक्ष नरेश भरद्वाज सीएमओ डॉ. मंजू कादियान से मुलाकात कर स्थानीय लोगों की समस्या से अवगत कराया। साथ कि एक मांग पत्र भी सीएमओ को सौंपा है। दरअसल, वार्ड-21 के अंतर्गत आने वाले नेहरू पार्क, इंदिरा मार्केट और आसपास की कॉलोनियों से बड़ी संख्या में लोग पैदल इलाज के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचते हैं।

लेकिन अस्पताल का मुख्य गेट दूसरी ओर होने के कारण लोगों को लंबा चक्कर लगाकर अंदर जाना पड़ता है। इससे खासकर मरीजों, बुजुर्गों और उनके साथ आने वाले परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि नेहरू पार्क या कॉलोनी की ओर से एक छोटा एंट्री गेट बना दिया जाए तो पैदल आने-जाने वाले मरीजों को सीधा अस्पताल परिसर में प्रवेश मिल सकेगा। इससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि बुजुर्गों और बीमार लोगों को अनावश्यक दूरी तय

करने से भी राहत मिलेगी। इसके अलावा अस्पताल परिसर में स्थित मंदिर में दर्शन के लिए भी आसपास की कॉलोनियों से काफी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे आते हैं। मौजूदा व्यवस्था के कारण उन्हें भी मुख्य गेट से लंबा चक्कर लगाकर मंदिर तक पहुंचना पड़ता है। ऐसे में कॉलोनी साइड से छोटा आयरन गेट लगने से श्रद्धालुओं को भी काफी सुविधा मिल सकेगी। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने अस्पताल के सीएमओ को पत्र लिखकर जनहित में कॉलोनी की ओर की दीवार में उपयुक्त स्थान पर एक छोटा घूमने वाला आयरन गेट लगाने की मांग की है।

मांग पत्र देने वालों में बबीता दहिया, सुमित, सतेन्द्र, प्रवीन, सुनीता, कुलविंद्र सिंह, हरभजन सिंह, केवल सिंह, कंवर सिंह, कमलजीत सिंह, इन्द्रजीत सिंह और

प्रदेश सरकार आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ है मजबूती से खड़ी : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तत्परता और मुस्तैदी से पलवल के सेक्टर-2 स्थित धर्मनगर कॉलोनी की झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग पर जल्द काबू पा लिया गया। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ तथा पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी कुशल क्षेम पूछी और उन्हें सांत्वना देते हुए आगजनी की घटना को बेहद दुखद बताया। मंत्री ने आगजनी के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि आगजनी में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आगजनी से झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे परिवारों का सामान आग में जल गया। कहा कि पीड़ित परिवारों के लिए ठहरने, भोजन व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में मजबूती के साथ आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी पीड़ित को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अपनी शक्ति पहचानें और आत्मविश्वास से करें गांव का विकास : डीसी अपराजिता

एजेंसी

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने महिला सरपंचों से आह्वान किया है कि वे अपनी शक्तियों को पहचानें और आत्मविश्वास के साथ अपने गांवों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सरपंच जनता के चुने हुए प्रतिनिधि होते हैं और उनकी जिम्मेदारी है कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। लघु सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक के दौरान डीसी ने महिला सरपंचों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने-अपने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें और गांव के विकास के लिए नए-नए सुझाव लेकर आएं। उन्होंने पंचायतों के रिकॉर्ड की भी जांच की और गांवों की जनसंख्या, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों तथा सफाई व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। डीसी अपराजिता ने निर्देश दिए कि पंचायतें सरकारी फंड का सही उपयोग करें और समय-समय पर ग्राम सभाएं आयोजित करें। उन्होंने सरकारी स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, लाइब्रेरी और कम्युनिटी सेंटर का नियमित निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। यदि किसी संस्थान में सफाई कर्मचारी की कमी है, तो पंचायत प्रस्ताव पास कर अपने स्तर पर

व्यवस्था करने को कहा। बैठक में मॉडल विलेज की अवधारणा पर जोर देते हुए डीसी ने कहा कि पूरे गांव को एक साथ बदलने के बजाय छोटे-छोटे लक्ष्य निर्धारित किए जाएं। जैसे किसी एक आंगनवाड़ी को मॉडल आंगनवाड़ी बनाना या स्कूल के एक कमरे को प्रयोगशाला के रूप में विकसित करना।

डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, सामाजिक समरसता अंतरजातीय विवाह शगुन योजना, डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति, लाडो लक्ष्मी योजना, सामाजिक पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, फसल विविधीकरण योजना और पशुपालन विभाग की डेयरी योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने सरपंचों से अपील की कि गांवों में मुनादी करवाकर पात्र लोगों तक इन योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं।

हरियाणा में एग्री डिस्कॉम के नाम से तीसरी बिजली कंपनी का गठन

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा में अब तीन बिजली कंपनियां काम करेंगी। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के साथ-साथ अब तीसरी कंपनी हरियाणा एग्री डिस्कॉम भी काम करेगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। हरियाणा एग्री डिस्काम का उद्देश्य किसानों को निर्बाध और सस्ती बिजली उपलब्ध कराना होगा। फिलहाल राज्य सरकार किसानों को 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से सस्ती बिजली उपलब्ध करा रही है। किसानों को सब्सिडी के रूप में हर साल करीब सात हजार करोड़ रुपये प्रदान किए जाते हैं, जिसमें कमी लाना तीसरी बिजली कंपनी के प्रमुख कार्यों का एक बड़ा हिस्सा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हाल ही में बजट के दौरान तीसरी कंपनी के गठन का ऐलान किया था। इससे जहां किसानों को सस्ती और भरोसेमंद बिजली मिलेगी, वहीं राज्य की बिजली व्यवस्था में दक्षता और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। ऊर्जा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, तीसरा बिजली वितरण निगम बनने से विशेष रूप से कृषि उपभोक्ताओं को बिना किसी बाधा के बिजली सेवाएं मिल सकेंगी। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से 10 और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से 13 जिलों में फिलहाल बिजली की आपूर्ति की जा रही है। जनवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के 3 लाख 54 हजार 502 कृषि उपभोक्ता, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के 3 लाख 62 हजार 712 कृषि उपभोक्ता, कुल 7 लाख 17 हजार 214 कृषि उपभोक्ता नए हरियाणा एग्री डिस्काम में स्थानांतरित होंगे। नई कंपनी के गठन से निगमों के कामकाज में बदलाव आएगा। 159 बिजली खरीद समझौते (पीपीए) तीनों बिजली वितरण कंपनियों में बांटे जाएंगे। सस्ती बिजली पहले कृषि डिस्काम को दी जाएगी। सौर योजनाएं (पीएम-कुसुम) का काम भी इसी कंपनी को आवंटित होगा। कृषि श्रेणी से जुड़े 166.82 करोड़ रुपये के बकाया नई तीसरी बिजली कंपनी में ट्रांसफर होंगे। करीब 5,427 करोड़ रुपये की कुल देनदारियां भी हस्तांतरित होंगी।

शेयर बाजार में हरियाली.सेंसेक्स 510 अंक बढ़कर 74617 पर बंद, निफ्टी 155 अंक चढ़कर 23124 पर पहुंचा; आईटी और मेटल शेयर्स में खरीदारी रही

4 दिन में निवेशकों की झोली में आए 17 लाख करोड़

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में तेजी के कारण निवेशकों का मनोबल बढ़ने से मंगलवार को शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई।

आईटी शेयरों में खरीदारी ने शुरुआती नुकसान के बाद बाजारों में रिकवरी में मदद की। घरेलू शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन हरे निशान पर क्लोजिंग हुई है। खास बात तो ये है कि लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार ने इस तरह यूटर्न लिया। जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। इन चार दिनों में शेयर बाजार में 3.50 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। जिसकी वजह से निवेशकों की झोली में करीब 17 लाख करोड़ रुपए आ गए हैं। इसका मतलब है कि अप्रैल के महीने में शेयर बाजार बिल्कुल भी फेल नहीं हुआ है। ये तेजी और भी बेहतर हो सकती थी, अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली ना हुई होती। लेकिन लगातार एफआईआई की बिकवाली की वजह से बाजार की तेजी को थोड़ा थामकर ही रखा है।मंगलवार को शुरुआती गिरावट से ऊबरकर 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत बढ़कर 74,616.58 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान, इसने 74,686.32 का उच्च और 73,282.41 का निम्न स्तर छुआ, जिसमें 1,403.91 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत चढ़कर 23,123.65 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इंटरग्लोब एविएशन, अदानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन पिछड़ने वालों में शामिल थे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत गिरकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल

अप्रैल के महीने में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में जबरदस्त उछाल देखने को मिल चुका है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार सेंसेक्स में अप्रैल के 4 कारोबारी दिनों में 2,669.03 अंकों की तेजी यानी 3.71 फीसदी की बढ़त देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि सेंसेक्स 72 हजार अंकों से नीचे के लेवल से उबरते हुए 75 हजार अंकों के करीब पहुंच चुके हैं।

अगर बात मंगलवार की करें तो सेंसेक्स 509.73 अंकों की तेजी के साथ 74,616.58 अंकों पर बंद हुआ। वैसे सेंसेक्स 73,734.36 अंकों पर ओपन हुआ था। जोकि ट्रेडिंग डे के दौरान 74,686.32 अंकों के साथ हाई पर पहुंच गया। वैसे सबह के वक्त शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी और कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 73,282.41 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर पहुंच गया था।

निफ्टी में भी आई तेजी

वहीं दूसरी ओर अप्रैल के महीने में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी में भी काफी तेजी देखने को मिल चुकी है।

एनएसई के आंकड़ों के अनुसार निफ्टी में लगातार चार कारोबारी दिनों में 3.50 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल चुकी है। इसका मतलब है कि निफ्टी में 792.25 अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है। पिछले महीने के आखिरी कारोबारी दिन निफ्टी 22,331.40 अंकों पर बंद हुआ था, जोकि 23,100 अंकों के लेवल को पार कर चुका है। अगर बात बुधवार की करें तो निफ्टी 155.40 अंकों की तेजी के साथ 23,123.65 अंकों पर बंद हुआ। वैसे निफ्टी 22,838.70 अंकों पर ओपन हुआ था।

जोकि कारोबारी सत्र के दौरान 23,153.85 अंकों के साथ दिन के हाई पर आ गया था। जबकि सुबह के समय निफ्टी नेगेटिव था, और कारोबारी दिन 22,719.30 अंकों के साथ दिन के लोअर लेवल पर चला गया था।

निसान मोटर ने महाराष्ट्र में किया अपने नेटवर्क का विस्तार

मुंबई ।

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी निसान मोटर ने महाराष्ट्र के मुंबई में दो शोरूम और एक सर्विस सेंटर की शुरुआत की है। निसान मोटर इंडिया ने बताया कि घाटकोपर में 2,000 वर्ग फुट और मालाड में 2,100 वर्ग फुट क्षेत्र में दो आधुनिक शोरूम खोले गए हैं। इसके अलावा कांदिवली में 7,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक सर्विस वर्कशॉप शुरू की गई है जहां हर महीने 300 कार तक की सर्विस की जा सकेगी। कंपनी ने कहा कि यह विस्तार भारत के प्रमुख बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर बिक्री एवं सेवा अनुभव उपलब्ध कराने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। निसान मोटर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा` कि मुंबई में नए शोरूम तथा ‘वर्कशॉप’ के साथ हमने महाराष्ट्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत किया है। इस क्षेत्र में ग्राहकों की मांग मजबूत बनी हुई है और निसान ब्रांड के लिए यहां विकास की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह विस्तार कंपनी के देशव्यापी नेटवर्क विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है जो ग्राहकों के और करीब पहुंचने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों के लिए 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना

– सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा है` कि वह पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारियों विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने के बारे में सोच रही है। इस योजना ने कारोबारियों को राहत ` मिल सकती है। सूत्रों के मुताबिक इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा। ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था। इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके।

ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे और अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था।इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी ताकि कर्ज की लागत कम रहे एवं ऋण बिना ‘प्रोसेसिंग’ (प्रक्रिया) शुल्क, पूर्व भुगतान शुल्क और गारंटी शुल्क के दिए जाते थे। यह योजना 31 मार्च 2023 तक लागू रही। इस बीच सरकार ने आम लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिए हाल में कई कदम भी उठाए हैं जिनमें पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती शामिल है।भारत ने पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया है। साथ ही महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर छूट दी है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों को घरेलू शुल्क क्षेत्र में संचालन की अनुमति भी दी गई है। असरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपये प्रति लीटर घटाया था ताकि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के असर से उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

एसडीएचआई को चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका

- भारत में बनेगा पहला अमोनिया ईंधन चालित वाणिज्यिक जहाज

मुंबई ।

स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है।

यह ठेका श्रेणी-4 का है और 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच है। एसडीएचआई के अनुसार, पहला जहाज अक्टूबर 2029 तक सौंपा जाएगा और उसके बाद के जहाज हर चार महीने पर तैयार होंगे। प्रत्येक जहाज की लंबाई 229.5 मीटर और चौड़ाई 37 मीटर होगी। इनमें अमोनिया ईंधन से चलने वाली डुअल-फ्यूल प्रणोदन प्रणाली होगी।

कंपनी ने बताया कि ये जहाज भारत में बने सबसे बड़े वाणिज्यिक जहाजों में शामिल होंगे। एसडीएचआई के निदेशक ने कहा कि यह परियोजना भारतीय जहाज निर्माण उद्योग के लिए तकनीकी क्षमता और पैमाने दोनों में महत्वपूर्ण प्रगति दर्शाती है। एसडीएचआई की यह सफलता न केवल पिपावाव शिपयार्ड की क्षमताओं पर वैश्विक भरोसा दिखाती है, बल्कि भारत के ग्रीन शिपिंग क्षेत्र में एक बड़ा कदम भी साबित होती है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी और पेंट इंडस्ट्री पर दबाव, बढ़ेगी महंगाई

– बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान होंगे महंगे, पैकेट साइज घटेगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अब आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखा रही हैं। बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान महंगे होने के कगार पर हैं। कंपनियां लागत बढ़ने से निपटने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी या पैकेट साइज घटाने की रणनीति अपना रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लाहोरी जीरा जैसे ब्रांड ने महीने की शुरुआत से चुनिंदा उत्पाद महंगे कर दिए हैं। खाद्य तेल कंपनियों ने 4-5 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। पाम ऑयल की बढ़ती कीमतें बीकाजी, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी कंपनियों के लिए भी चिंता का कारण बनी हैं। पाम ऑयल साबुन निर्माण का अहम कच्चा माल है, जिससे हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज जैसी कंपनियों पर भी लागत का दबाव बढ़ गया है। एलपीजी पर निर्भर पैक्ड फूड कंपनियों ने उत्पादन घटाया या अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे सप्लाई पर असर पड़ सकता है और उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। जायडस वेलनेस के एक अधिकारी के अनुसार कंपनियां छोटे पैकेटों का वजन

कम कर सकती हैं, जबकि बड़े पैक के दाम सीधे बढ़ाए जा सकते हैं। पेंट उद्योग में करीब 40 फीसदी कच्चा माल कच्चे तेल से जुड़ा है।

बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलैक और जेएसडब्ल्यू डुलक्स पहले ही दाम बढ़ा चुके हैं। एशियन पेंट्स आने वाले समय में 6-8 फीसदी तक कीमत बढ़ा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती लागत के कारण कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। इसका असर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

एनसीएलएटी ने फ्यूचर लाइफस्टाइल की दिवाला प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करने निर्देश दिया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने फ्यूचर लाइफस्टाइल फैशन की दिवाला समाधान प्रक्रिया को तीन महीनों के भीतर पूरा करने का आदेश दिया है। अदालत ने कंपनी की महत्वपूर्ण संपत्ति को खाली कराने की एक लेनदार की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह संपत्ति कंपनी के संचालन और समाधान प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है। एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने समाधान पेशेवर और एनसीएलटी से कहा कि वे पूरी प्रक्रिया को जल्द से जल्द निपटाएं और यदि संभव हो तो इसे आज से तीन महीने के भीतर पूरा करें। अदालत ने अपने 18 पन्नों के आदेश में बताया कि अपील में शामिल संपत्ति ही कंपनी का वह मुख्य परिसर है, जहां उसका संचालन ‘सेंट्रल’ ब्रांड के तहत जारी है। अदालत ने यह भी कहा कि कंपनी के कुल कारोबार का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा इसी संपत्ति से आता है। इसलिए इसे कंपनी के पास बनाए रखना और दिवाला समाधान प्रक्रिया के दौरान संचालन जारी रखना जरूरी है। किशोर बियाणी के नेतृत्व में फ्यूचर ग्रुप का खुदरा कारोबार देशभर में सेंट्रल और ब्रांड फैक्ट्री जैसी बड़ी स्टोर श्रृंखलाओं के माध्यम से संचालित होता था। फ्यूचर लाइफस्टाइल के पोर्टफोलियो में ली कूपर, चैंपियन और स्कलर्स जैसे दर्जनों फैशन ब्रांड शामिल थे। बैंक ऑफ इंडिया की याचिका पर 4 मई 2023 को एनसीएलटी मुंबई पीठ ने कंपनी के खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू की थी।

- 2025 में रिकॉर्ड रिटर्न के बाद अचानक बदलाव

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने निवेशकों को चौंका दिया है। 2025 में शानदार प्रदर्शन करने वाली कीमती धातुएं सोना और चांदी अब लगातार गिरावट का सामना कर रही हैं। वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती ने बुलियन के दामों पर दबाव डाल दिया है। 2025 में सोना और चांदी ने निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया था। चांदी की कीमत में 165 फीसदी से अधिक और सोने में 75 फीसदी से अधिक की बढ़त हुई थी। जनवरी 2026 में यह तेजी जारी रही, जब सोना 5,500 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया और चांदी 121 डॉलर प्रति औंस तक। इस प्रदर्शन ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक और निवेशक अपने पोर्टफोलियो में बड़े बदलाव कर रहे थे। ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के शुरू होने पर सोना और चांदी में हल्की तेजी देखने को मिली। शुरुआत में निवेशकों ने इसे सुरक्षित निवेश की तरह देखा। हालांकि, यह तेजी ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। युद्ध लंबा खिंचता गया और तेल की कीमतें बढ़ने लगीं। विश्लेषकों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक गतिविधियां धीमी हुईं। अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जिससे सोना और चांदी की कीमतों पर दबाव पड़ा। एक्सिस सिक्योरिटीज के एक वरिष्ठ ` विश्लेषक के अनुसार अमेरिका ने ईरान की प्रतिक्रिया का गलत आकलन किया था। होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने और महंगाई के बढ़ने से फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम हुई। अपने रिकॉर्ड हाई से अब तक सोने की कीमत लगभग 16 फीसदी गिरकर 4,680 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है।

चांदी में और तेज गिरावट देखने को मिली है, जो 35 फीसदी से अधिक टूटकर करीब 74 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट करता है कि किसी लंबी अवधि के युद्ध में प्रारंभिक तेजी अक्सर टिक नहीं पाती। ऐतिहासिक डेटा भी यही दिखाता है।

फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन संघर्ष के पहले हफ्ते में सोना 4 फीसदी और चांदी 6 फीसदी बढ़ी थी, लेकिन बाद में कीमतें गिर गईं। इसी तरह भारत-पाकिस्तान संघर्ष 2025 में अपेक्षाकृत छोटा और सीमित प्रभाव वाला रहा, इसलिए कीमतें स्थिर रही।

एयर इंडिया ने बढ़ाया फ्यूल सरचार्ज, दूरी के अनुसार अब अलग शुल्क लागू

मुंबई ।

एयर इंडिया ग्रुप ने दुनिया भर में विमान ईंधन की कीमतों में लगातार उछाल के चलते अपनी उड़ानों पर फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने का फैसला किया है। यह नई व्यवस्था 8 अप्रैल से ज्यादातर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय रूटों पर लागू होगी, जबकि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह बढ़ा हुआ शुल्क 10 अप्रैल से लागू होगा। एयरलाइन का कहना है कि यह कदम पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन मंत्रालय के बीच हुई चर्चाओं के बाद उठाया गया है। घरेलू हवाई ईंधन की बढ़ती कीमतों पर 25 प्रतिशत की सीमा तय की गई थी। कंपनी ने लागत संतुलित करने के लिए यात्रियों से अतिरिक्त शुल्क लेना आवश्यक समझा। घरेलू उड़ानों के लिए एयर इंडिया ने अब फ्यूल सरचार्ज में नई प्रणाली अपनाई है। पहले सभी यात्रियों के लिए एक समान शुल्क लिया जाता था, लेकिन अब यह दूरी के आधार पर तय होगा। यानी जितनी लंबी यात्रा, उतना अधिक शुल्क। एयरलाइन का कहना है कि यह बदलाव ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बोझ को यात्रियों पर संतुलित रूप से बांटने के लिए किया गया है।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे के भाव में तेजी

नई दिल्ली ।

हाजिर मांग बढ़ने से तांबे का वायदा भाव मंगलवार को तीन रुपये की बढ़त के साथ 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले तांबे के अनुबंध का भाव तीन रुपये चढ़कर 1,180 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इस दौरान 126 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार बाजार प्रतिभागियों के ऊंचे दांव लगाने से तांबे की कीमतों में यह तेजी देखने को मिली।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर, प्रीमियम फ्यूल महंगा

नई दिल्ली ।

दिल्ली में सरकारी पंपों पर 7 अप्रैल को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात है कि नियमित पेट्रोल 94.77 रुपए और डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर पर कायम हैं। वहीं प्रीमियम ईंधन महंगा है, जिससे उच्च-श्रेणी के वाहन मालिकों की जेब पर असर पड़ा है। नई दिल्ली के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में पेट्रोल 105 रुपए से ऊपर है। मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई में भी कीमतें 100 के आसपास बनी हुई हैं। शेल इंडिया और नायरा इनर्जी में पेट्रोल 99-100 रुपए और डीजल 92-93 रुपए पर बिक रहा है। एक्सपी 100 और एक्स्ट्रा ग्रीन की बढ़ी कीमतें प्रीमियम उपयोगकर्ताओं को महंगी पड़ रही हैं। मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें उच्च स्तर पर हैं।

रणवीर सिंह बने जिंदल स्टेनलेस के पहले ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और देशव्यापी सेलिब्रिटी एंडोर्सर घोषित किया है। कंपनी का उद्देश्य अपने ब्रांड और उपभोक्ताओं के बीच मजबूत संबंध स्थापित करना है। कंपनी ने कहा कि रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से जुड़ाव उन्हें इस भूमिका के लिए उपयुक्त बनाता है। यह साझेदारी स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को देशभर के लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। जेएसएल के पास भारत और विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं, जिनमें स्पेन और इंडोनेशिया शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

एयर इंडिया में बड़ा बदलाव, सीईओ कैंपबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा

- नए सीईओ की तलाश तेज, बढ़ती लागत और चुनौतियों के बीच नेतृत्व परिवर्तन

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में बड़े नेतृत्व बदलाव की खबर सामने आई है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि नए प्रमुख की नियुक्ति तक वह जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। एयर इंडिया में एक अहम बदलाव के तहत सीईओ कैम्पबेल` विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका इस्तीफा कंपनी के बोर्ड द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, नेतृत्व में किसी प्रकार की अस्थिरता से बचने के लिए विल्सन सितंबर 2026 तक या नए सीईओ की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। बताया जा रहा है कि विल्सन पहले ही संकेत दे चुके थे कि वे लंबे समय तक इस पद पर नहीं रहेंगे। इसी कारण कंपनी ने जनवरी 2026 से ही नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी थी। इस पद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई अनुभवी एविएशन लीडर्स के नामों पर विचार किया जा रहा है और जल्द ही इस पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है। कैंपबेल विल्सन का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एयर इंडिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। एयरलाइन को परिचालन बाधाओं, बढ़ती ईंधन लागत और वैश्विक हालात के चलते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का घाटा 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

उमेश चतुर्वेदी

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को ह्यभगवान का देशह्ण कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम् में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय

कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेजों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। वहां तो वह लड़ती भी नहीं दिख रही। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कभी कांग्रेस की सिपाही रहीं। केरल की तरह पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस विरोधाभास से जूझ रही है। राष्ट्रीय स्तर पर वह ममता के साथ है, लेकिन राज्य में उसकी पूरी कोशिश ममता को हिमंत की तरह सबक सिखाने की ही लग रही है। दरअसल राज्य में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। हालांकि 2023 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले की सगरदीघी सीट के उपचुनाव में कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस को हराकर विधानसभा में अपना खाता खोलने में सफल रही थी। मुस्लिम बहुल विधानसभा में कांग्रेस की जीत से ममता की नींद उड़ गई थी। राज्य के करीब पैंतीस फीसद मुस्लिम वोट बैंक में सेंध का डर उन्हें सताने लगा। इसके लिए उन्होंने ऑपरेशन सगरदीघी शुरू किया और यहां से जीते कांग्रेसी विधायक बायरन विश्वास को तृणमूल कांग्रेस में शामिल करा दिया। कांग्रेस ने इसे विश्वासघात माना और लगता ऐसा है कि वह ममता को इन चुनावों में सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। वैसे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राज्य की ग्यारह मुस्लिम बहुल विधानसभा सीटों पर उसके प्रत्याशी पहले नंबर पर रहे थे। इसलिए कांग्रेस यह मानकर चल रही है कि विधानसभा चुनावों में उसे मुस्लिम वोटरों का साथ मिल सकता है। उसकी पूरी रणनीति इसी लिहाज से आगे बढ़ रही है।

साफ है कि इस बार के चुनावों में कांग्रेस जहां अपने पुराने सिपाहियों को सिखाने की कोशिश में है, वहीं खुद की संभावनाएं बेहतर करने का भी प्रयास कर रही है।

संपादकीय

ट्रंप के बिगड़े बोल

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई डोनाल्ड ट्रंप जैसा अधीर, अपरिपक्व बयानवीर और व्यापारी सोच का राष्ट्रपति हुआ हो। संयम व गरिमा शब्द उनके शब्दकोश में ही नहीं हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका-इस्त्राइल युद्ध के चरम के बीच उन्होंने जिन अपशब्दों का प्रयोग ईरान के लिये किया, वो उनकी हताशा को ही दशार्ता है। उनके बयानों की पूरी दुनिया के साथ अमेरिका के भीतर भी कड़ी आलोचना हुई है। आज अमेरिका के नागरिक भी सोचते होंगे कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र में राष्ट्रपति को इतने निरंकुश अधिकार देना क्या प्रजातंत्र के हित में है? निश्चित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर, अपशब्दों और धार्मिक संदर्भों के साथ तेहरान को दी गई चेतावनी, ट्रंप के आवेगपूर्ण उकसावे के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। एक महाशक्ति के मुखिया द्वारा ऐसी सतही भाषा का प्रयोग न केवल अशोभनीय है बल्कि घातक परिणामों की ओर ले जाने वाला भी है। जाहिरा तौर उनकी धमकियां ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के बजाय, उसे और आक्रामक तरीके से जवाबी कार्रवाई करने को उकसाएंगी। दरअसल,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह जताने की असफल कोशिश कर रहे हैं कि मौजूदा युद्ध मध्ययुगीन धर्मयुद्ध का विस्तार है। जिसमें सदियों तक ईसाई और मुसलमान आपस में वर्चस्व के लिये युद्ध करते रहे हैं। उन्होंने राजनीति में धार्मिक भावनाओं का भरपूर इस्तेमाल करते हुए ईरान में मार गिराए गए अमेरिकी फाइटर जहाज के पायलट के बचाव को ह्यईस्टर का चमत्कारह्ण बताने से भी गुरेज नहीं किया। जाहिरा तौर पर पुनरुत्थान और आशा का प्रतीक माने जाने वाले ईसाई धर्मावलंबियों के एक पवित्र दिन का हवाला देना, सैन्य अभियान को नैतिक और दैवीय रंग देने का ही एक असफल प्रयास है। निश्चित तौर पर इस तरह की सतही बयानबाजी एक जटिल भू-राजनीतिक संघर्ष को धार्मिकता की एक सरल कहानी में बदलने का जोखिम पैदा करती है। जो ट्रंप की सैन्य अभियान की तार्किकता सिद्ध करने की विफलता को भी दशार्ती है। यही वजह है कि अमेरिकी सांसदों ने यह पता लगाने के लिये जांच की मांग की है कि क्या धार्मिक मान्यताओं का प्रयोग सैन्य कार्रवाई को सही ठहराने के लिये किया जा सकता है? निश्चित रूप से उन सांसदों की चेतावनी एक मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत पर आधारित है, वो है चर्च और राज्य का पृथक्करण का सिद्धांत। उनका तर्क है कि सैन्य निर्णय कानून,रणनीति और जवाबदेही द्वारा निर्देशित होने चाहिए, न कि ईश्वर या बाईबल की भविष्यवाणियों का हवाला देकर। निश्चित रूप से ट्रंप की इन आक्रामक ब्यानबाजियों और कारगुजारियों की कीमत आने वाले वर्षों में अमेरिकियों को चुकानी पड़ सकती है।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है।

जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निदेर्शानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

सौरभ वार्ष्णेय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उपजी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरूआत में आपइ ने नई राजनीतिइ का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाने के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्राथमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरूआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर असहमति और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे -धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों हैं यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बोतल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्व कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिया इल्मी, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष वारे, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आमदी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह हैं राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनभेद को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा–ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं।

राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रुख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विपक्ष के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है–कैसे वे असहमति को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक कार्रवाई का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे सामूहिक नेतृत्वइ की अवधारणा कमजोर पड़ी है।हालांकि दिल्ली में कुछ क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन अन्य राज्यों में विस्तार के दौरान आप को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। पंजाब में सत्ता मिलने के बावजूद चुनौतियां बरकरार हैं, जिससे पार्टी की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का उदय भारतीय लोकतंत्र में एक सकारात्मक प्रयोग था, जिसने राजनीति में नई सोच और उम्मीद पैदा की। लेकिन यदि पार्टी को जनता का विश्वास बनाए रखना है, तो उसे अपने मूल सिद्धांतों पर लौटना होगा, पारदर्शिता बढ़ानी होगी और आंतरिक लोकतंत्र को मजबूत करना होगा। अन्यथा, आम आदमीइ की उम्मीदों पर खरा उतरने का दावा धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जाएगा।

अगर हम आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसदों पर नजर डाले तो अप्रैल 2026 तक, आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में 10 सांसद हैं, जो मुख्य रूप से पंजाब और दिल्ली से हैं। हाल ही में हुए बदलावों में, अशोक मित्तल को राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में पार्टी का नया उपनेता नियुक्त किया गया है। अब ऐसे में अगर अरविंद केजरीवाल के पुराने साथियों की बात करें तो अब कुछ ही साथी शेष बचे हैं। ऐसे में क्या पार्टी इस अंतकलह को बचायेगी ? क्या राघव चद्ढा से सुलह हो जायेगा ? आदि ऐसे विषय हैं जिनका हल सिर्फ सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास है।

लेखक जाने माने पत्रकार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक : मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है।

कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उड़ान', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की कल्पनाओं में खो जाए, तो वह मनोरंजन नहीं, मानसिक प्रदूषण है। लेकिन यदि कोई फिल्म या धारावाहिक व्यक्ति को प्रेरित करे, जीवन में आशा जगाए, समस्याओं से लड़ने की शक्ति दे, रिश्तों को समझने की दृष्टि दे, तो वह वास्तविक मनोरंजन है। आज समाज में मानसिक बीमारियां, अवसाद, अकेलापन और तनाव तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में मनोरंजन उद्योग की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है। उन्हें ऐसे धारावाहिक और फिल्में बनानी चाहिए जो मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति को स्वस्थ बनने की प्रेरणा दें, सकारात्मक सोच का निर्माण करें, योग, ध्यान, संवाद, परिवार, मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएं। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निमार्ता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छा, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका

अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है। भारतीय सिनेमा और टेलीविजन यदि इस दिशा में काम करें, तो वे केवल मनोरंजन नहीं करेंगे, बल्कि समाज को बेहतर बनाएंगे। मनोरंजन का सर्वोच्च रूप वही है जो मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाए, जो निराशा में आशा दे, जो टूटते परिवारों को जोड़ने की प्रेरणा दे, जो तनावग्रस्त व्यक्ति को शांति दे, जो जीवन की समस्याओं का समाधान सिखाए। जब भारतीय धारावाहिक और फिल्में इस दिशा में बननी शुरू होंगी, तब मनोरंजन वास्तव में समाज निर्माण का माध्यम बन सकेगा। यही समय की आवश्यकता है और यही भविष्य की दिशा भी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ब्रह्मोस डिजाइन करने वाले रूसी वैज्ञानिक लियोनोव का निधन

मास्को, एजेंसी। रूस के वरिष्ठ मिसाइल डिजाइनर अलेक्जेंडर लियोनोव का 74 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह हाइपरसोनिक मिसाइल जिरकोन और भारत-रूस की ब्रह्मोस एनजी परियोजना से जुड़े थे। लियोनोव एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनीया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य डिजाइनर थे, जो ब्रह्मोस एयरोस्पेस का रूसी साझेदार है। उनकी मृत्यु का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हुआ है। उन्हें जिरकोन मिसाइल के विकास का श्रेय दिया जाता है, जो ध्वनि की गति से लगभग 9 गुना तेज उड़ान भर सकती है।

ब्रिटेन में श्रद्धालु करेंगे शिक्षापत्री के दर्शन, ऑक्सफोर्ड ने शुरू की यात्रा

लंदन, एजेंसी। स्वामीनारायण संप्रदाय के पवित्र ग्रंथ शिक्षापत्री की रचना के 200 साल पूरे होने पर ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की गई है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की बोडलियन लाइब्रेरी ने पवित्र ग्रंथ के सम्मान में यह पहल की है। इसके तहत, इस पांडुलिपि को संप्रदाय के संतों के सहयोग से देशभर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि श्रद्धालु इसका दर्शन कर सकें। गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी भगवान स्वामीनारायण ने 1826 में शिक्षापत्री की रचना की थी।

तनाव के बावजूद ताइवान के छह हजार छात्रों ने की चीन में पढ़ाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद, ताइवानी छात्रों का अपनी पढ़ाई के लिए बीजिंग जाना जारी है। ताइपे टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो वर्षों में ताइवान के 6,000 से अधिक छात्र चीन के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में हिस्सा ले चुके हैं। यह स्थिति तब है जब ताइवान के अधिकारी सुरक्षा जोखिमों का हवाला देते हुए लगातार ऐसी यात्राओं के प्रति चेतावनी जारी कर रहे हैं। छात्रों के इस रुझान ने अब सरकारी सलाह की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चीन ने फ्रांस के नागरिक को दी फांसी, पेरिस ने उठाए सवाल

बीजिंग, एजेंसी। ड्रग्स तस्करी के आरोप में 2010 में मौत की सजा पाए फ्रांसीसी नागरिक चान थाओ फौमी (62) को चीन में फांसी दे दी गई है। चीन ने रविवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने राष्ट्रीयता के आधार बचाव पक्ष के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। एक दिन पहले, फ्रांस ने मामले के निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे इस बात का विशेष खेद है कि बचाव पक्ष को अदालत की अंतिम सुनवाई में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी गई।

अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में जुटेंगे दुनियाभर के 180 प्रतिनिधि

मॉस्को, एजेंसी। रूस की राजधानी मॉस्को में 26 से 29 मई तक आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा फोरम में इस बार दुनियाभर के 180 से अधिक प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण मंच है, जहां विभिन्न देशों के नेता, सैन्य अधिकारी, नीति निर्माता और विशेषज्ञ वैश्विक शांति एवं सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर मंथन करते हैं। इस फोरम के मुख्य एजेंडे में सुरक्षा मामलों के जिम्मेदार उच्च प्रतिनिधियों की 14वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

ईंधन संकट से निपटने को नेपाल में दो दिन साप्ताहिक अवकाश

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने ईरान युद्ध के कारण पैदा हुए ईंधन संकट को देखते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए दो दिन साप्ताहिक अवकाश का एलान किया है। नए फैसले के तहत अब सरकारी दफ्तरों में शनिवार व रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। पहले सिर्फ शनिवार को अवकाश होता था। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि नई कार्य अवधि के तहत सरकारी दफ्तर अब सुबह नौ से शाम पांच बजे तक खुलेंगे लेकिन यह अवधि शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगी।

अमेरिका और ईरान के बीच 45 दिनों के सीजफायर पर चर्चा, ट्रंप की धमकी के बीच रिपोर्ट में बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविरामकी संभावना को लेकर चर्चा चलने की जानकारी मिली है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों का एक समूह 45 दिनों के युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा कर रहा है, जिससे युद्ध का अस्थायी अंत हो सकता है। यह बातचीत अमेरिका, इजरायली और क्षेत्रीय स्रोतों के हवाले से सामने आई है, जो शांति वार्ता की जानकारी रखते हैं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों में इस तरह के समझौते की संभावना कम है, लेकिन यह कहा जा रहा है कि यह प्रयास युद्ध में और नाटकीय वृद्धि को रोकने का एकमात्र मौका हो सकता है।

ईरान को ट्रंप की धमकी और पलटवार : इस बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी पूर्वी समयानुसार) तक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से पूरी तरह से खोलने के लिए सहमत नहीं हुआ, तो वह ईरानी बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले करेगा। ईरान ने इस धमकी का कड़ा जवाब दिया है। ईरानी सेना ने चेतावनी दी है कि अगर उसके नागरिक ठिकानों पर हमला किया जाता है, तो ईरान की तरफ से 'बहुत अधिक विनाशकारी' जवाबी कार्रवाई की जाएगी। खतम अल-अंबिया सैन्य कमान के प्रवक्ता ने कहा, 'यदि नागरिक ठिकानों पर हमले दोहराए जाते हैं, तो हमारे आक्रामक और जवाबी कार्रवाई के अगले चरण बहुत अधिक विनाशकारी और व्यापक होंगे।

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने का असर : होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के तेल परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, दुनिया की तेल आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा आपूर्ति करता है। इस जलमार्ग का प्रभावी रूप से बंद होना वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर ऊर्जा कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर। इस प्रकार की स्थिति ने न केवल क्षेत्रीय, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी चिंता बढ़ा दी है, और शांति वार्ता की संभावना का पता लगाया जा रहा है, ताकि युद्ध को और बढ़ने से रोका जा सके।

क्या ट्रंप ने ईरान के लिए समय सीमा बढ़ा दी है : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए समझौता करने या विनाशकारी हमलों का सामना करने के लिए दी गई अपनी स्वयं निर्धारित समय सीमा को 24 घंटे के लिए बढ़ा दिया। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'मंगलवार, रात 8:00 बजे पूर्वी समय!

तेहरान प्रांत में अमेरिकी-इस्राइली हमले : ईरान की राजधानी तेहरान प्रांत में अमेरिकी और इस्राइली हमलों के दौरान चार लड़कियों और दो लड़कों समेत छह बच्चों की मौत हो गई। यह जानकारी ईरानी मीडिया एजेंसी फार्स न्यूज ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला बहारेस्तान काउंटी के एक रिहायशी इलाके पर हुआ था, जहां पहले हुए हमले में 13 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी। इस्राइली सेना ने घोषणा की कि तेहरान में सरकारी ढांचे पर हमलों की एक लहर पूरी कर ली गई है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्वी तेहरान में चार और बहारेस्तान काउंटी में 13 लोगों की मौत हुई है।

हाइफा पर ईरानी मिसाइलों से हमला : इस्राइल के उत्तरी शहर हाइफा में ईरानी मिसाइलों का हमला हुआ। चैनल 12 के मुताबिक, शहर के 10 से अधिक स्थानों को निशाना बनाया गया। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुए। वीडियो और तस्वीरों में इमारतों और सड़कों को मामूली नुकसान पहुंचा और एक कार में आग लगने की जानकारी सामने आई।

दक्षिण कोरिया भेजेगा विशेष दूत : दक्षिण कोरिया पश्चिम एशिया से कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सऊदी अरब, ओमान और अल्जीरिया में विशेष दूत भेजने की योजना बना रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद आन डो-गेल ने बताया कि तेल आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत पांच कोरियाई ध्वज वाले जहाज सऊदी अरब भेजे जाएंगे। दक्षिण कोरिया अपनी लगभग सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है और यहां से करीब 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है।

यूएई की वायु रक्षा मिसाइल और ड्रोन हमलों का कर रही सामना : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा है कि देश की वायु रक्षा प्रणाली हाल ही में आए मिसाइल और ड्रोन खतरे का मुकाबला कर रही है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा कि आकाश में सुनाई दे रहे आवाज़ें रक्षा प्रणाली द्वारा किए जा रहे इंटरसेप्शन (हमलों को रोकने) के कारण हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क है और सभी खतरों का जवाब दे रहा है।

अमेरिका में पुलिस पीछा करने की घटनाओं में आठ मौतें

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में पिछले एक हफ्ते के अंदर पुलिस द्वारा किए गए हाई-स्पीड पीछा (कार चेज़) के दौरान कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। ये घटनाएं टेक्सास, अलबामा और कैलिफोर्निया में हुईं। अलबामा में एक कार पुलिस से बचने की कोशिश में सड़क से उतरकर पेड़ से टकरा गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कार में बैठे लोग सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए थे, जिससे वे बाहर जा गिरे।

टेक्सास में एक कार बिना हेडलाइट के तेज रफ्तार में भाग रही थी। पुलिस पीछा कर रही थी, तभी कार कई वाहनों से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई और चालक की मौत हो गई। कैलिफोर्निया में भी दो अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की जान गई। एक मामले में आरोपी की कार ने एक दंपति को टक्कर मार दी, जो जल्द ही माता-पिता बनने वाले थे। विशेषज्ञों ने ऐसी खतरनाक पीछा करने की घटनाओं को सीमित करने की मांग की है।

ईरान में अमेरिका ने बम से उड़ा दिए अपने ही विमान, पायलट को बचाने में करोड़ों डॉलर का नुकसान

तेहरान, एजेंसी। ईरान में फंसे पायलट को निकालने के लिए अमेरिका को करोड़ों डॉलर का नुकसान झेलना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने इस अभियान के दौरान अपने ही विमान को उड़ा दिया। पहाड़ों में छिपे अपने कर्नल पायलट को निकालने के लिए अमेरिका ने बेहद जटिल अभियान चलाया था। उधर ईरान ने पायलट को पकड़ने पर इनाम की घोषणा कर दी थी। ऐसे में ईरान की सेना और आम लोग उसके पीछे पड़े हुए थे। अभियान के दौरान दो ब्लॉक हॉक हेलिकॉप्टरों पर ईरान ने हमला कर दिया। वहीं दो ट्रांसपोर्ट विमानों में तकनीकी खामी आ गई। इसके बाद ये विमान उड़ान भरने में सक्षम नहीं थे। इसलिए उन्हें अमेरिकी सेना ने खुद ही नष्ट कर दिया।

क्यों नष्ट करना पड़ गया अपना ही विमान : मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेतीली जमीन में लैंडिंग या फिर किसी तकनीकी खामी की वह से अमेरिका के लॉकहीड मार्टिन सी-130 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे थे। अमेरिका को डर था कि अगर इन विमानों को इसी हालत में छोड़ दिया गया तो विमान के साथ ही ईरान के हाथ कई दुर्लभ और सीक्रेट उपकरण भी लग जाएंगे। इसी को देखते हुए अमेरिकी सेना ने दोनों विमानों को को उड़ा दिया। ईरान ने विमान के बिखरे हुए पार्ट्स का वीडियो साझा करते हुए इसे नष्ट करने का दावा कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन विमानों की कीमत 10 करोड़ डॉलर के आसपास थी।

ओसामा बिन लादेन पर हमले के दौरान भी ऐसा ही हुआ था : इस मलबे में बोइंग एमएच-6 लिटल बर्ड इंजन पाया गया। आम तौर पर इसका इस्तेमाल एमसी-130 जे में किया जाता है।

पाकिस्तान के एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान भी ऐसे ही हालात बने थे। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ही विमान को उड़ा दिया था। इन विमानों में अमेरिका की खास तकनीक का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा एडवांस नेविगेशन सिस्टम भी लगा हुआ था। डोनाल्ड ट्रंप ने बताया फिल्म जैसा अभियान सोशल मीडिया पर किए गए दो पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि इस अभियान के दौरान अमेरिका को पूरी तरह चुप रहना पड़ा, ताकि मिशन खतरे में न पड़े। इस दौरान राष्ट्रपति और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारी लगातार पायलट की लोकेशन पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। वाइट हाउस और पेंटागन ने प्रारंभिक दुर्घटना के बाद 24 घंटे से अधिक समय तक लड़ाकू विमान के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी, खासकर पहले पायलट के बचाव अभियान को लेकर। बाद में ट्रंप ने बताया कि ईरान में दिन के उजाले में सात घंटे तक यह अभियान चलाया गया।

भारत की कूटनीति बहुत अच्छी, युद्ध के बीच ईरान ने फिर की तारीफ

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने भारत की कूटनीति की तारीफ की है। सुप्रीम लीडर के भारत में प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही का कहना है कि भारत बड़ी भूमिका निभा सकता है। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को अल्टीमेटम दे दिया है। वहीं, इसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध और तेज होने के आसार हैं। हालांकि, ट्रंप का दावा है कि सोमवार को डील हो सकती है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, इलाही ने कहा है, 'भारतीय कूटनीति बहुत अच्छी है और वे इस मुद्दे में अधिक बड़ी भूमिका भी निभा सकते हैं।' उनका बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका और ईरान को युद्ध के बीच 1 महीने से ज्यादा समय हो गया है। विदेश नीति की भी हुई थी तारीफ कुछ दिनों पहले ही भारत में ईरान के राजदूत

मोहम्मद फताली ने कहा, 'भारत निश्चित रूप से तनाव कम करने में एक प्रभावी और सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल साउथ के एक प्रमुख देश के रूप में और अपनी संतुलित विदेश नीति के कारण, भारत तनाव कम करने और बातचीत को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए एक विशेष स्थान रखता है।' उन्होंने कहा, 'भारत के सभी पक्षों के साथ ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध हैं, जो इसे गलतफहमियों को कम करने और राजनयिक रास्तों को मजबूत करने में एक भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाते हैं।' जयशंकर को मिलाया ईरानी विदेश मंत्री ने फोन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से बात की थी। उन्होंने जानकारी दी, 'ईरान के विदेश मंत्री अराघची का फोन आया। मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।' जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से भी रविवार को बात की थी। खबर है कि दोनों के बीच बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति और एनर्जी सप्लाई का मुद्द उठा था। विदेश मंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी फोन पर बातचीत की। ट्रंप की धमकी ट्रंप ने रविवार को ईरान को सात अप्रैल तक का समय देकर कहा है कि अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को नहीं खोला तो वह अब ईरान के बिजली घरों और पुलों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। उन्होंने सात अप्रैल 'मंगलवार' को 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' घोषित कर दिया है। उन्होंने पोस्ट किया है, ईरान में मंगलवार 'पावर प्लांट डे' और 'ब्रिज डे' होगा, सब कुछ एक साथ। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। समुद्री रास्ता स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है।

नदी में पहुंची ग्रे व्हेल की मौत, भूख बनी वजह

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन में एक ग्रे व्हेल, जो 20 मील अंदर नदी तक पहुंच गई थी, मृत पाई गई। यह व्हेल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई थी, लेकिन अब वैज्ञानिकों का मानना है कि उसकी मौत का कारण भूख हो सकता है। यह व्हेल विलापा नदी में मिली, जो समुद्र से जुड़ी है। विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के वर्षों में ग्रे व्हेल की संख्या घट रही है क्योंकि उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा। वैज्ञानिकों का कहना है कि आर्कटिक क्षेत्र में भोजन की कमी के कारण व्हेल नए इलाकों में खाने की तलाश में भटक रही हैं। इसी कारण यह व्हेल भी नदी में आ गई थी। 2025 के आंकड़ों के अनुसार, अब ग्रे व्हेल की संख्या करीब 13,000 रह गई है, जो 1970 के बाद सबसे कम है। कई व्हेल बेहद कमजोर और दुबली पाई जा रही हैं। विशेषज्ञ अब इस मृत व्हेल की जांच करेंगे, ताकि सही कारण का पता लगाया जा सके।

फलस्तीनी प्राधिकरण पर 656 मिलियन डॉलर का जुर्माना बहाल

रामल्लाह, एजेंसी। अमेरिका की एक अपील अदालत ने फलस्तीन मुक्ति संगठन और फिलिस्तीनी प्राधिकरण पर लगाया गया 656 मिलियन डॉलर (करीब 5,400 करोड़ रुपये) का जुर्माना फिर से बहाल कर दिया है। यह मामला उन अमेरिकी नागरिकों से जुड़ा है, जो इस्राइल में हुए आतंकी हमलों में मारे गए या घायल हुए थे। पहले यह फैसला रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब अदालत ने दोबारा इसे लागू कर दिया है।

युद्ध से दुबई में पर्यटन पर संकट: 80% तक गिरी कमाई, होटल-रेस्तरां भी सूने

दुबई, एजेंसी। दुनिया के सबसे व्यस्त पर्यटन केंद्रों में शामिल दुबई पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के चलते गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले साल यानी 2025 में 19.59 मिलियन अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों का स्वागत करने वाला यह शहर अब खाली होटलों, सूने रेस्तरां और ठप पड़े एयर ट्रैफिक की मार झेल रहा है। पर्यटन उद्योग से जुड़े कारोबारियों के अनुसार, आय में 50% से 80% तक की गिरावट आई है, जबकि होटल ऑक्यूपेंसी कई जगह 15-20% तक सिमट गई है। बीबीसी, बुकिंग प्लेटफार्म वेगो, डाटा एनालिटिक्स कंपनी एयरडीएनए और ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार दुबई के रेस्तरां, जो आमतौर पर पर्यटकों और स्थानीय लोगों की भीड़ से गुलजार रहते थे, अब खाली नजर आ रहे हैं। टाशस हॉस्पिटैलिटी ग्रुप की संस्थापक नताशा साइडेरिस कहती हैं कि देशभर में 14 आउटलेट्स और 1,000 से अधिक कर्मचारियों वाले उनके ग्रुप में राजस्व 50% से अधिक गिर चुका है, जबकि पर्यटकों पर निर्भर आउटलेट्स में यह गिरावट 70% से 80% तक पहुंच गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई प्रतिष्ठानों को अपने आधे से ज्यादा कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना पड़ा है।

2.26 लाख से अधिक बुकिंग रद्द : डेटा फर्म एयरडीएनए के अनुसार, युद्ध शुरू होने के पहले महीने (28 फरवरी से 29 मार्च) के दौरान यूएई में 2,26,500 से अधिक शॉर्ट-टर्म बुकिंग रद्द हुई हैं।पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी होटल और शॉर्ट-टर्म अपार्टमेंट सप्लाई अब भारी दबाव में है, क्योंकि मांग अचानक गिर गई है।

प्रवासी कामगारों पर सबसे ज्यादा मार : दुबई के हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करने वाले प्रवासी कामगार इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है या उन्हें बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। एक दक्षिण एशियाई वेटर के मुताबिक, यह कोविड-19 जैसा लग रहा है।हमें डर है कि फिर से नौकरी खोकर घर लौटना पड़ सकता है।मानवाधिकार समूहों के अनुसार यूएई में कई प्रवासी पहले से ही कर्ज के बोझ में दबे हैं, जिससे यह संकट उनके लिए और गंभीर हो गया है। क्षेत्रीय स्तर पर अरबों डॉलर का

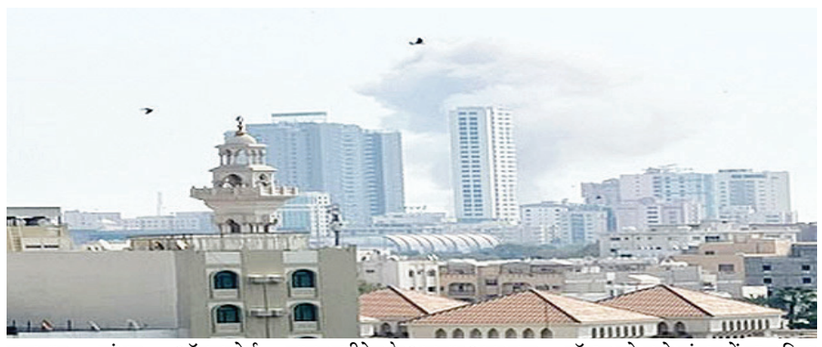

नुकसान संभव ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की इकाई टूरिज्म इकोनॉमिक्स के अनुसार अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो मध्य पूर्व में 23 से 38 मिलियन कम पर्यटक आ सकते हैं। इससे 34 अरब डॉलर से 56 अरब डॉलर तक के पर्यटन राजस्व का नुकसान हो सकता है। मामून हमीदेन के अनुसार अगर युद्ध जल्दी खत्म होता है तो रिकवरी संभव है, लेकिन लंबा खिंचने पर पूरे समर सीजन पर सवाल खड़े हो सकते हैं। हवाई यातायात को झटका किराया बढ़ने के भी संकेत युद्ध के कारण वैश्विक विमानन उद्योग की रीढ़ माने जाने वाला गल्फ हब मॉडल को गहरे संकट में डाल दिया है। दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे विश्व के सबसे व्यस्त ट्रांजिट केंद्रों पर उड़ानों में भारी बाधा, ईंधन संकट और यात्रियों की सुरक्षा चिंताओं ने न केवल तत्काल संचालन को प्रभावित किया है, बल्कि लंबे समय में हवाई यात्रा के स्वरूप को भी बदलने की आशंका पैदा कर दी है। बीबीसी और इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के अनुसार दुबई, अबू धाबी और दोहा से सीमित लेकिन नियमित उड़ानें संचालित हो रही हैं।

हालांकि शेड्यूल अभी भी बार-बार बदल रहे हैं और कई रूट्स पर प्रतिबंध जारी हैं। ईंधन आपूर्ति भी पूरी तरह स्थिर नहीं हो पाई है। जेट फ्यूल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर गल्फ कैरियर्स की क्षमता घटती है, तो हवाई किराए बढ़ना तय है। संघर्ष के बाद से सिरियम के विश्लेषकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से मिडिल ईस्ट के लिए 30,000 से अधिक उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं।

टेक्सास में पेट्रोल टैंकर में भीषण आग

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के फोर्ट वर्थ में एक पेट्रोल से भरा टैंकर ट्रक बिजली की तारों से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गया। हादसा रविवार तड़के हुआ, जब ट्रक एक अन्य वाहन से टकराकर सड़क से फिसल गया। टैंकर में करीब 9,000 गैलन पेट्रोल भरा था, जो रिसने लगा। इसी दौरान गिरी हुई बिजली की तारों से चिंगारी निकली और आग लग गई।

ट्रक चालक आग फैलने से रोकने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी हालत गंभीर है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई अन्य व्यक्ति घायल नहीं हुआ। दमकल की टीम ने कई घंटों तक पानी और रेत का इस्तेमाल कर आग पर काबू पाया।

मेकअप करें सावधानी से

नारी के व्यक्तित्व को निखारने और उसे आकर्षक रुप प्रदान करने में जहा वस्त्रों, आभूषणो का महत्वपूर्ण स्थान है, वही सही ढंग से किया गया मेकअप भी नारी के सौंदर्य को और आर्कषक रुप प्रदान करता है। मेकअप करना एक कला है और हर कोइ इस कला में निपूण हो यह आवश्यक नहीं किंतु थोड़े सा अभ्यास और मेकअप के बारे में सही जानकारी आप को भी मेकअप करने की कला में अभ्यस्त कर देगी। आवश्यकता तो मात्र आपकी लगन और आप के निंरतर अभ्यास की है।

मेकअप करते समय ध्यान देने योग्य बातें-

- मेकअप ऐसा करे जो प्राकृतिक दिखे।
- चेहरे के आकार का विशेष ध्यान रखें।
- मेकअप अवसर और समय के अनुसार करें।
- चेहरे के दाग -धब्बों का भी ध्यान रखें।
- घटिया क्वालिटी के सौंदर्य प्रसाधनो के प्रति जागरुक रहें।

मेकअप के प्रयोग विधी-

- सर्वप्रथम क्लींजिग मिल्क से भली प्रकार त्वचा को साफ करें।
- टोनर या एस्ट्रींजैट का सहायता से भी त्वचा साफ कर सकती हैं।
- अपनी त्वचा के रंग का फाउंडेशन उंगलियों के पोरों से त्वचा पर अच्छी तरह लगाएं।
- इसके उपरांत फेस पाउडर करके हल्का सा ट्रांस्युलैंट लगाएं।
- गालों के साइडों पर पिंक या गुलाबी रंग का ब्लशर लगाएं।
- वस्त्रो के अनुरुप आई शैडो का प्रयोग करें। आईलाइनर तभी लगाएं जब इसकी आवश्यकता हो।
- मस्कारे का प्रयोग पलकों की बरौनियों को घना बनाने के लिए करें।
- ब्रश से होंटो पर लिपस्टिक लगाएं,लिपस्टिक सदैव ऊपरी होंठ के मध्य से आंरभ करें और होंठों की रेखा बनाते हुए बाईं तथा फिर दाई ओर लगाएं। इसी प्रकार नीचे होंठ पर भी बाहरी रेखा बनाएं।

मेकअप करते समय सावधानियां-

- दिन के समय आई शैडो का प्रयोग कम करें।
- पार्टी व जन्मदिन के अवसर हल्के रंगो का प्रयोग करें।
- दिन के समय हाईलाइटर का प्रयोग कर सकती हैं।
- दिन के समय फाउंडेशन के स्थान पर केवल कॉम्पैक्ट का प्रयोग करें।
- तैलीय त्वचा के लिए तेल रहित फाऊंडेशन लगाएं।
- फेस पाऊडर का रंग त्वचा के रंग से थोड़ा गहरा प्रयोग करें।
- त्वचा पर ब्लैंडिंग सटीक होनी चाहिएं। पृथक रेखाएं नहीं होनी चाहिएं।
- वस्त्रो से मेल खाते आईलाइनर का प्रयोग करें।

बादाम पालक परांठा

सामग्री : 1 कप आटा, 1/2 कप बेसन, 1/4 कप बारीक कटा बादाम, 1 कप बारीक कटी पालक, 1/4 कप हरा प्याज बारीक कटा, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च कूटी हुई (चिली फ्लैक्स), 1 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच सौंफ, स्वादानुसार नमक, चुटकी भर हींग, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, 2 छोटे चम्मच तेल और आटा गूंथने के लिए दूध।

विधि : सभी सामग्री मिलाएं और दूध से गूंथ लें। तवा गर्म करें। गूंथे आटे के पेड़े बना कर बेलें और तवे पर घी लगा कर दोनों ओर से सेंक लें। टमाटर की मीठी चटनी के साथ परोसें। चाहें, तो टमाटर की चटनी में बारीक कटी पालक भी मिला सकती हैं। स्वाद दोगुना हो जाएगा।

रूसी से बचने के उपाय

- बालों की जड़ों को छूते हुए, मोटे दांत वाले, उत्तम क्वालिटी के कंघे से नियमित कंघी करें। पांच मिनट तक कंघी करने से बालों में जमा गंदगी त्वचा से छूटेगी।
- कंघी करने के पश्चात गोल दांतों वाले ब्रश से पांच मिनट तक बालों में आहिस्ता-आहिस्ता ब्रश करें। रक्तसंचार तेज होगा।
- कंघी व ब्रश करते वक्त ध्यान रहे कि रूसी चेहरे या खुले अंगों पर न गिरे। बालों को चेहरे के पीछे की तरफ ब्रश करें व जहां-जहां रूसी गिरी हो, उस स्थान को किसी एंटीसेप्टिक की सहायता से पोंछ लें।
- रूसी वाले कंघे व ब्रश को गर्म पानी व साबुन से धो डालें व थोड़ी देर धूप में रखें या एंटीसेप्टिक लगाएं।
- सप्ताह में एक या दो बाद एंटीसेप्टिक तेल से सिर की मालिश करें। मालिश करने के बाद बालों को भाप दें। इससे तेल बालों की गहराई तक जाता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन प्राप्त होता है।
- बालों को धोने के बाद हर्बल पैक लगाएं। इस हर्बल पैक से रूसी भी दूर होगी, साथ ही बालों को अतिरिक्त खुराक भी मिलेगा।
- सप्ताह में एक बार गुनगुने तेल में 8-10 बूंदें कैलेंडुला क्यू मिलाकर मालिश करें। तीन-चार घंटे बाद बाल धो लें।

...ताकि सब रहे तरो-ताजा

अपने रैफ्रिजिरेटर में एक आलू अवश्य रखें। आलू फ्रिज में पकी सब्जियों की गंध एब्जार्ब कर लेता है और फ्रिज में बनने वाली गैसों को भी जिससे फ्रिज में रखी सब्जियां, फल अधिक समय तक ताजे बने रहते हैं। हर कुछ दिन में आलू को बदल दें।

मैट्रो शहरों में सभी अपने-अपने कार्यों में इतने व्यस्त रहते हैं कि प्रतिदिन ताजा सब्जी और फल खरीदने के लिए उनके पास समय ही नहीं होता। जीवन में व्यस्तता के कारण वे समय मिलते ही अपने घर-बाहर के कार्यों को इकट्ठा निपटा देना चाहते हैं।

सामान तो इकट्ठा आ गया पर यदि उसे ढंग से संभाल कर न रखा जाए गया तो सामान बेकार तो जाएगा ही, इससे धन और समय दोनों की बर्बादी भी होगी। आइए जानें सब्जियों व फलों को कुछ समय के लिए किस प्रकार ताजा रख सकते हैं।

- सेबों को कभी भी किसी सब्जी या फल के साथ फ्रिज में न रखें। सेब से कुछ इस प्रकार की गैसें उत्सर्जित होती हैं जो अच्छे फल-सब्जियों को नुक्सान पहुंचाती हैं और उन्हें गला देती हैं।

- इसी प्रकार खीरे व ककड़ी के साथ टमाटर को स्टोर न करें। टमाटर भी कुछ गैसों को उत्सर्जित करते हैं जिनसे खीरा व ककड़ी जल्दी खराब हो जाते हैं।
- पनीर को फ्रिज में स्टोर करते समय एयरटाइट कंटेनर में कुछ चीनी के क्यूब भी रख दें ताकि वे पनीर की नमी को सोख सकें। इस प्रकार पनीर को ज्यादा दिनों तक आप ताजा रख सकते हैं।
- अंडों की नुकीली साइड सदा नीचे की तरफ रखें। अंडे ज्यादा दिन तक फ्रैश रहेंगे।
- अपने रैफ्रिजिरेटर में एक आलू अवश्य रखें। आलू फ्रिज में पकी सब्जियों की गंध एब्जार्ब कर लेता है और फ्रिज में बनने वाली गैसों को भी जिससे फ्रिज मे रखी सब्जियां, फल अधिक समय तक ताजे बने रहते हैं। हर कुछ दिन में आलू को बदल दें।
- मूली को कभी भी सीधे फ्रिज में न रखें। उसे किसी बर्तन में पानी भर कर रखें।
- सूजी, मैदा, ड्राईफ्रूट्स (बादाम, काजू, किशमिश) को एयरटाइट डिब्बे में फ्रिज के साइड पर रखें। इससे कीड़ा नहीं लगेगा।
- साबुत दालों को एयरटाइट डिब्बों में दवाइ डाल कर रखें ताकि उनमें कीड़ा न लगे।
- पकी हुई सब्जी को लम्बे समय तक फ्रिज में न रखें। उसे फ्रीजर में एयर टाइट कंटेनर में रखें। बनी हुई सब्जी का प्रयोग 24 घंटों के भीतर कर लें तो अच्छा होता है।
- लहसुन, प्याज को छील कर एयर टाइट कंटेनर में फ्रिज में रख सकते हैं। लहसुन तो आप 10 से 15 दिन तक स्टोर कर सकते हैं, प्याज दो दिन तक।
- गूंथा हुआ आटा तेल या घी का हाथ लगा कर डिब्बे में ढक कर रख सकते हैं या गीला कपड़ा रख कर ऊपर ढक्कन लगा कर भी रख सकते हैं। दो दिन तक आटा काला भी नहीं पड़ेगा और खरीब भी नहीं होगा।
- नींबू धो-पोंछ कर पॉलीथीन में पैक कर एक सप्ताह तक रख सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2039

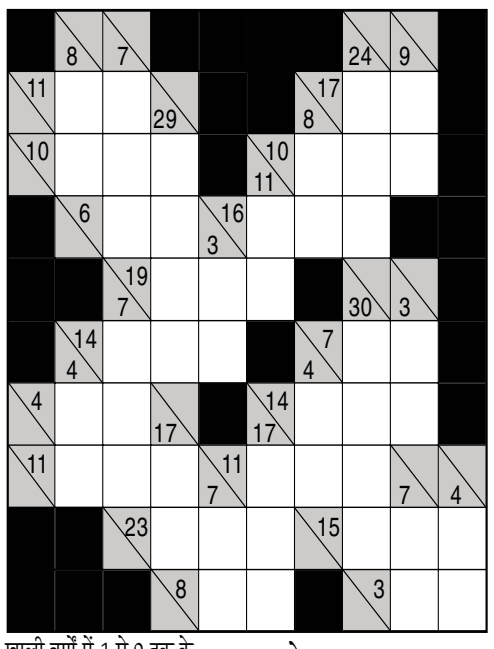

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2038 का हल

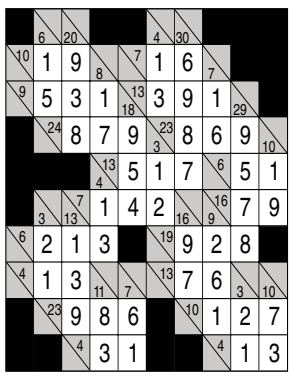

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2039

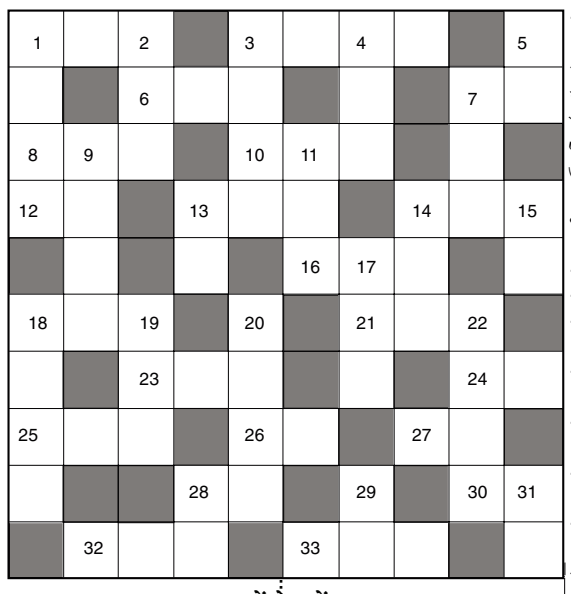

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2038

बै	ग	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ल्ला	द		स	सु	ग	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
ग	जा	बा	बू		स	रि	ता		ह्या
	ल	व		बे			ब	से	ग
इ		ची		खु	ह्या	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -2039

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2038 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 2039

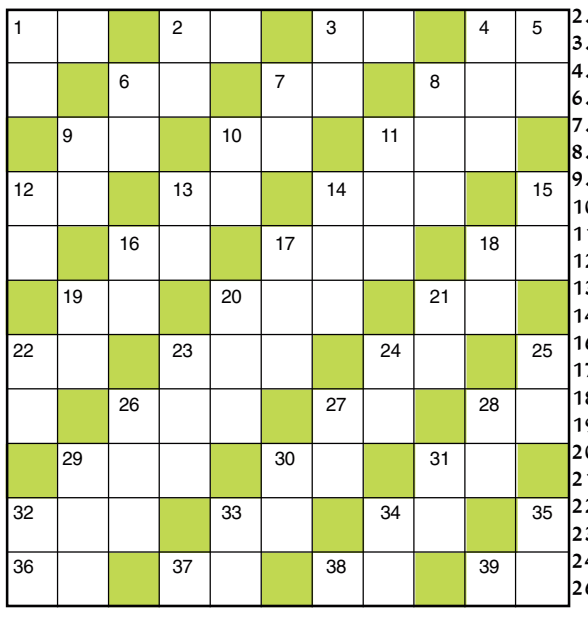

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -2038 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		ह	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

लोकसभा क्षेत्र पुनर्विन्यास पर कांग्रेस के आरोप बेबुनियादः प्रह्लाद जोशी

एजेंसी

दावणगेरे। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोकसभा क्षेत्र पुनर्विन्यास को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'उत्तर-दक्षिण' के नाम पर देश में विभाजन की राजनीति कर रही है, जो सच्चाई से दूर है। दावणगेरे में एक पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि पुनर्विन्यास के जरिए भाजपा शासित उत्तर भारतीय राज्यों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जोशी ने स्पष्ट किया कि लोकसभा सीटों का पुनर्विन्यास पूरी तरह जनसंख्या के आधार पर किया जाता है। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश राज्यों में मतदाताओं की संख्या 40 से 50 लाख तक बढ़ी है, ऐसे में सभी राज्यों में सीटों की संख्या बढ़ने की संभावना है, जिसमें कर्नाटक भी शामिल हो सकता है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सिद्धारमैया पर 'निराधार आरोप' लगाने का आरोप लगाया। जोशी ने सवाल उठाया कि 2008 में जब पुनर्विन्यास हुआ, तब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब इन मुद्दों को क्यों नहीं उठाया गया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भी फैसले जनसंख्या के आधार पर ही लिए गए थे। साथ ही, उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय निर्णयों पर नियंत्रण सोनिया गांधी और राहुल गांधी का था।

प्राण प्रतिष्ठित हिंदू मूर्तियों को भी बेअदबी विधेयक में किया जाए शामिलः चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि श्री गुरुग्रंथ साहिब को पूजनीय, गुरु और भगवान मानते हैं। इनके बेअदबी के मामलों में हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए और दोषियों को उम्रकैद की सजा दी जानी चाहिए। चुग ने पंजाब की मान सरकार से मांग की कि प्रस्तावित धर्मग्रंथों के अपमान एवं बेअदबी विरोधी विधेयक में 'प्राण प्रतिष्ठित' हिंदू मूर्तियों को भी स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि आस्था के विषय में किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार्य नहीं हो सकता। चुग ने एक बयान में कहा कि कुछ शरारती तत्व षड्यंत्र के तहत पंजाब में बेअदबी की घटनाओं के जरिए तनाव और अशांति फैलाना चाहते हैं, लेकिन उनके मंसूबे किसी भी सूरत में कामयाब नहीं होने दिए जाएंगे। चुग ने तीखा सवाल उठाते हुए कहा कि पंजाब जानना चाहता है कि मान सरकार को यह बेअदबी संशोधन विधेयक लाने में 49 महीने क्यों लग गए। चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों के बावजूद आप सरकार ने इस अत्यंत संवेदनशील विषय पर वर्षों तक देरी की, जो उसकी गंभीरता की कमी को दर्शाता है।

जेडएसआई के शोधकर्ताओं की बड़ी उपलब्धि, तमिलनाडु तट पर समुद्री जीवों की दो नई प्रजातियों की खोज

कोलकाता। भारत की समुद्री जैव विविधता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के शोधकर्ताओं ने तमिलनाडु तट के पास समुद्री नेमाटोड (सूक्ष्म कृमि) की दो नई प्रजातियों की खोज की है। यह शोध 25 मार्च, 2026 को अंतरराष्ट्रीय वर्गिकी शोध पत्रिका जूटाक्सा में प्रकाशित हुआ है। यह अध्ययन जेडएसआई की शोधकर्ता ऋतिका दत्ता और अंजुम रिजवी द्वारा किया गया है। उन्होंने कोरोनोनेमा धृति और एपाकैंथियन इंडिका नामक दो नई प्रजातियों का वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत किया है। ये सूक्ष्म जीव आकार में बेहद छोटे होते हुए भी समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।जेडएसआई की ओर से सोमवार शाम जारी बयान में बताया गया है कि कोरोनोनेमा धृति वैश्विक स्तर पर इस वंश की केवल चौथी ज्ञात प्रजाति है। इससे पहले इस वंश की प्रजातियां केवल ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड और वियतनाम में दर्ज की गई थीं। भारतीय समुद्री क्षेत्र में इसकी उपस्थिति समुद्री जीव भूगोल के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।इस प्रजाति का नाम जेडएसआई की निदेशक डॉ. धृति बनर्जी के सम्मान में रखा गया है, जिन्होंने भारत की जीव विविधता के दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

तृणमूल कांग्रेस राजनीतिक दल नहीं सिंडिकेट की तरह काम कर रही है : पुष्कर सिंह धामी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतारा है। उन्होंने उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव क्षेत्र में रोड शो और जनसभा कर पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एक राजनीतिक दल की तरह नहीं बल्कि सिंडिकेट की तरह काम कर रही है और कट-मनी तथा कमीशनखोरी इसकी पहचान बन चुकी है। उन्होंने दावा किया कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो भ्रष्टाचार और अपराध पर सख्त नियंत्रण किया जाएगा। उन्होंने बनगांव दक्षिण से स्वप्न मजूमदार, बनगांव उत्तर से अशोक कीर्तनिया, बगदा से सोमा ठाकुर और गोघाटा से सुब्रत ठाकुर के नामांकन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। रोड शो और जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति देखने को मिली। भाजपा नेताओं ने इसे जनसमर्थन का संकेत बताया।

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का बड़ा फैसलाः पंचायत चुनावों में उपायुक्तों को 5 प्रतिशत आरक्षण देने की शक्ति पर रोक

एजेंसी

शिमला । शिमला हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ा झटका देते हुए पंचायत चुनावों में उपायुक्तों को 5 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की दी गई शक्तियों पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने इस प्रावधान को प्रथम दृष्टया असंवैधानिक मानते हुए स्पष्ट किया कि इसके तहत तैयार किसी भी आरक्षण सूची को लागू नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति रंजन शर्मा की खंडपीठ ने सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे पंचायत चुनावों के लिए आरक्षण सूची 7 अप्रैल सायं 5 बजे तक हर हाल में अंतिम रूप देकर लागू करें। विस्तृत आदेश का इंतजार है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता नंद लाल ने सरकार के इस निर्णय को मनमाना और संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध बताया। उन्होंने

कहा कि 30 मार्च को किए गए संशोधन के तहत उपायुक्तों को 5 प्रतिशत आरक्षण देने की शक्ति दी गई, जो आर्टिकलट 243डी का उल्लंघन है। अदालत के आदेशों के बाद कुल्लू, शिमला, मंडी, कांगड़ा और हमीरपुर जिलों में जारी की गई वे सभी आरक्षण सूचियां, जिनमें यह 5 प्रतिशत आरक्षण शामिल है, अब दोबारा तैयार करनी पड़ सकती हैं। राज्य में 3,600 से अधिक पंचायतों और 73 शहरी निकायों में 31 मई से पहले चुनाव कराए जाने हैं।

शहरी निकायों की आरक्षण सूचियां पहले ही जारी हो चुकी हैं, जबकि कई जिलों में पंचायत चुनावों की सूचियां अभी लंबित हैं। पंचायती राज मंत्री अनुरुद्ध सिंह ने कहा कि सरकार अदालत के आदेशों का पूरी तरह पालन करेगी और निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे सरकार के लिए शर्मनाक बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर पंचायत चुनावों को असंवैधानिक तरीके से प्रभावित करने का आरोप लगाया। हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को समाप्त हो चुका है, जिसके बाद नए चुनाव आवश्यक हो गए हैं।

सरकार ने 30 मार्च 2026 को नियमों में संशोधन कर उपायुक्तों को 5 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का अधिकार दिया था, जिसे अदालत में चुनौती दी गई। इससे पहले मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंचा था, जहां चुनाव प्रक्रिया पूरी करने की समयसीमा बढ़ाकर 31 मई 2026 कर दी गई थी। अब हाईकोर्ट के 7 अप्रैल तक आरक्षण सूची अंतिम करने के आदेश के बाद चुनाव प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ने की संभावना है।

'सरके चुनर तेरी' गाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग की फटकार, निर्देशक एवं गीतकार ने मांगी लिखित में माफी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने 'सरके चुनर तेरी' गाने के संबंध में गीतकार और संगीतकार को फटकार लगाई। आयोग के दफ्तर में सुनवाई के दौरान अध्यक्ष विजया रहाटकर ने सरके चुनर गाने के गीतकार रकीब आलम, फिल्म के निर्देशक प्रेम, केवीएन प्रोडक्शंस के प्रतिनिधि गौतम के.एम. और सुप्रीथ को फटकार लगाते हुए गीत के बोल पर चिंता जताई और इसे महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बताया। सुनवाई के दौरान गीतकार और संगीतकार ने कहा कि उन्हें इस गाने के बोल का मतलब पता नही था। इस पर अध्यक्ष विजया रहाटकर ने यह दलील ठुकराते हुए साफ कहा कि रचनात्मकता के नाम पर महिलाओं की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती। विजया रहाटकर ने सभी संबंधित लोगों को भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की सख्त हिदायत दी। उपस्थित आरोपियों ने आयोग के सामने लिखित में माफी मांगी और माना कि इस गीत से समाज पर गलत प्रभाव पड़ा है।

विजया रहाटकर ने मीडिया को जानकारी दी कि फिल्म के गीतकार, संगीतकार को अगले 3 महीनों में महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने के निर्देश दिए गए हैं और उसकी रिपोर्ट आयोग को सौंपने को कहा गया है। उन्होंने ने बताया कि अभिनेत्री नोरा फतेही की ओर से उनके अधिवक्ता उपस्थित हुए, लेकिन आयोग ने इसे स्वीकार नहीं किया। उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का अंतिम अवसर देते हुए 27 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई है।

पश्चिम बंगाल चुनाव : पहले चरण के लिए कांग्रेस के 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी है। इसी बीच, पहले चरण को लेकर कांग्रेस ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। चुनाव प्रचार को धार देने के लिए पार्टी ने इस सूची में राष्ट्रीय से लेकर राज्य स्तर तक के वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया है, जो चुनावी मैदान में पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने का काम करेंगे। लिस्ट के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा प्रमुख रूप से प्रचार की कमान संभालेंगे। इनके अलावा संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर भी चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। स्टार प्रचारकों की सूची में सुभाष सरकार, बीके हरिप्रसाद, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला, अधीर रंजन चौधरी जैसे नेताओं को भी जगह दी गई है।

इसके अलावा, सूची में सलमान खुर्शीद, शशि थरूर, सचिन पायलट, दीपा दासमुंशी, सैयद नसीर हुसैन, प्रो. प्रदीप भट्टाचार्य, डीपी राय, ईशा खान चौधरी, तारिक अनवर, मोहम्मद जावेद, गौरव गोगोई, केएल शर्मा को भी शामिल किया गया है।

इसके साथ ही, इमरान प्रतापगढ़ी, इमरान मसूद, सुदीप रॉय बर्मन, कन्हैया कुमार, अलका लांबा, उदय भानु चिब, बीपी सिंह, अंबा प्रसाद, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, शकील अहमद खान, मोहम्मद अजहरुद्दीन, दीपिका पांडेय सिंह, अमिताभ चक्रवर्ती, मनीष तमांग और इरफान अंसारी को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है।

इससे पहले, भाजपा ने भी 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की थी। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों, सांसदों और फिल्म जगत की हस्तियों तक के नाम शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। पहले चरण में 23 अप्रैल और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि चुनाव के नतीजे 4 मई को जारी किए जाएंगे। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, राष्ट्र निर्माण का आधार है : डॉ. कृष्ण गोपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं बल्कि ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जिनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण, समाज के प्रति संवेदनशीलता और जीवन के प्रति समग्र दृष्टि हो। डॉ. कृष्ण गोपाल ने दिल्ली स्थित विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की वार्षिक साधारण सभा 2026 का समापन सत्र के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, आज जब विश्व तेजी से बदल रहा है, तब भारतीय दृष्टि पर आधारित मूल्यनिष्ठ शिक्षा ही समाज को सही दिशा दे सकती है। विद्या भारती इसी उद्देश्य के साथ राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को सशक्त बना रही है। ' इस मौके पर अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि विद्या भारती केवल शिक्षा का प्रसार करने वाला संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम है, जो शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण, राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व

का विकास करता है। चार दिनों तक चले विचार-मंथन में शिक्षा की गुणवत्ता, भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश, नई शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन, तकनीकी युग में नवाचार तथा विद्यार्थियों में संस्कारों के संवर्धन जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

समापन सत्र में संगठन की ओर से आगामी वर्षों हेतु कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव एवं संकल्प लिए गए। इसमें वर्ष 2030 तक देश के प्रत्येक जिले में विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के विरुद्ध व्यापक जन-जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

इसके अलावा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 50 कौशल विकास केंद्रों की स्थापना के लिए पायलट प्रोजेक्ट प्रारंभ करने की घोषणा की गई। वर्ष 2027 में संगठन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'अमृत महोत्सव' के माध्यम से कार्यों के विस्तार एवं दृढ़ीकरण का संकल्प लिया गया। आधुनिक तकनीकी परिवेश को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही डिजिटल शिक्षा से जुड़े नवाचार एवं प्लेटफॉर्म प्रारंभ किए जाएंगे। साथ ही, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रबोध से युक्त सामग्री के प्रसार हेतु 'विद्या भारती टीवी' प्रारंभ करने की घोषणा भी की गई।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए नई तकनीक तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 'चैलेंज' के तहत चुनी गई 22 अत्याधुनिक तकनीकों के ट्रायल को हरी झंडी दे दी। इन ट्रायल की निगरानी आईआईटी दिल्ली जैसे संस्थान करेंगे ताकि दिल्ली की हवा को वैज्ञानिक और आधुनिक तरीके से स्वच्छ बना सकें। इस ट्रायल की शुरुआत दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में की गयी। सिरसा ने दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी), नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), नगर निगम (एमसीडी), दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस), दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीटीआईडीसी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग समेत कई प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, इन ट्रायल्स के लिए रसद, बिजली और अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। इन ट्रायल का समय पर पूरा होना बहुत जरूरी है ताकि दिल्ली को साफ हवा के लिए सही और काम करने वाले समाधान मिल सकें। उन्होंने

कहा कि हर एजेंसी सिर्फ सहयोग देने वाली नहीं बल्कि दिल्ली की हवा बदलने के लिए एक वैज्ञानिक बदलाव की भागीदार है।देशभर से प्राप्त 284 प्रविष्टियों में से विशेषज्ञों की कमेटी (आईटीईसी) ने 22 सबसे प्रभावी तकनीकों को चुना है, जिन्हें दो श्रेणियों में बांटा गया है। वाहन प्रदूषण नियंत्रण (13 डिवाइस) के लिए गाड़ियों पर लगने वाले एयर फिल्टर, डस्ट कलेक्टर और पुराने डीजल वाहनों के लिए रेट्रोफिट एमिशन कंट्रोल डिवाइस शामिल हैं। वातावरण सुधार (09 समाधान) के लिए सड़कों और डिवाइडर पर लगने वाले डस्ट कलेक्टर, विशाल एयर प्यूरीफायर और रेडियो वेव आधारित तकनीक शामिल है। इन तकनीकों को दिल्ली के सबसे भीड़भाड़ वाले और संवेदनशील इलाकों में तैनात किया जाएगा। इनमें आईएसबीटी कश्मीरी गेट-लाल किला मैदान, पंजाबी बाग, कीर्ति नगर- रोहिणी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-दमकल स्टेशन शामिल हैं। इन ट्रायल्स की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी दिल्ली, एनपीएल और आईसीएटी जैसी संस्थाएं डेटा की निगरानी करेंगी। सरकार प्रति इनोवेशन लगभग 10 लाख तक का खर्च वहन करेगी। सफल होने वाले टॉप 3 नवाचारों को क्रमशः 50 लाख रुपये, 25 लाख रुपये और 10 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

मई के अंत तक डेटा एकत्र किया जाएगा और जुलाई 2026 तक अंतिम सिफारिशें सरकार को सौंपी जाएंगी।इस ट्रायल के बाद जो तकनीकें सफल पाई जाएंगी, उन्हें दिल्ली सरकार बड़े स्तर पर पूरे शहर में लागू करेगी। सरकार का लक्ष्य पीएम2.5 और पीएम10 के स्तर को कम कर दिल्ली की जनता को एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है।

एमपी-काशी की धरा पर महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य ने रचा सांस्कृतिक पुनरुत्थान का नया इतिहास

एजेंसी

भोपाल। भारतीय इतिहास के पन्नों पर कुछ क्षण ऐसे अंकित होते हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बन जाते हैं। अप्रैल 2026 की शुरुआत में धर्म नगरी काशी के क्षितिज पर एक ऐसा ही स्वर्णिम अध्याय लिखा गया। बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका (उज्जैन) का जब आध्यात्मिक संगम हुआ, तो 'विक्रमोत्सव-2026' के माध्यम से एक नया सांस्कृतिक इतिहास रचा गया। जनसम्पर्क अधिकारी अनुराग उइके ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' महज़ एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं थी, बल्कि यह भारत के गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक शंखनाद था। वाराणसी के बी.एल.डब्ल्यू. मैदान में 3 से 5 अप्रैल तक चले इस आयोजन ने न केवल दर्शकों का मन मोहा, बल्कि सुशासन, न्याय और पराक्रम की उस गाथा को जीवंत कर दिया, जो सदियों से हमारे रक्त में प्रवाहित है। इस भव्य महानाट्य का शुभारंभ एक ऐतिहासिक दृश्य के साथ हुआ, जब मंच पर सुशासन के 2 आधुनिक ध्वजवाहक- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ-एक साथ उपस्थित हुए। यह उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि आज का भारत अपनी जड़ों की ओर लौट रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संबोधन में सम्राट विक्रमादित्य को 'सुशासन का वैश्विक नायक' बताते हुए कहा कि विक्रमादित्य का जीवन राष्ट्र प्रेम, न्यायप्रियता और प्रजा-वात्सल्य का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने रेखांकित किया कि आज की युवा पीढ़ी को यह बताने की आवश्यकता है कि भारत के पास एक ऐसा शासक था, जिसके न्याय के सामने काल भी नतमस्तक था।

बहन-बेटियों को छोटी उम्र से ही देना चाहिए सही-गलत की समझः प्रवीण तोगड़िया

एजेंसी

रतलाम/भोपाल। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने बेटियों को बचपन से जागरूक करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि परिवारों को अपनी बहनों और बेटियों को छोटी उम्र से ही सही-गलत की समझ देनी चाहिए।

डॉ. तोगड़िया रतलाम प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत कर रहे थे। वे हिंदू संगठनों के साप्ताहिक सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ अभियान के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एक दिवसीय प्रवास पर रतलाम पहुंचे थे। इस दौरान सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष अनिल झालानी के निवास पर उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए विश्व के देशों में हिंदुओं की स्थिति और कुम्भ वायरल गर्ल मोनालिसा की केरल में हुई शादी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कथित 'लव जिहाद' जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे परिवारों में चिंता है। उनका मानना है कि इसका समाधान समाज और परिवार के स्तर पर जागरूकता बढ़ाने से ही संभव है। उन्होंने कहा कि 18 से 20 साल की उम्र तक इंतजार करना देर हो जाती है, इसलिए जागरूकता की शुरुआत

बचपन से ही होनी चाहिए। डॉ. तोगड़िया ने प्रयागराज महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की फरमान खान से शादी पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर उसके मां बाप ने पांच साल की उम्र से उसे नहीं सिखाया, जिसकी वजह से वह रुद्राक्ष से कलमा की तरफ चली गई। यह दुखद है। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान घर से ही शुरू होता है। यदि परिवार अपने स्तर पर बच्चों को सही मार्गदर्शन दें, तो ऐसी घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी परिवार के साथ ऐसी घटना होती है, तो समाज को उनके साथ खड़ा रहना चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, बांग्लादेश व भारत में हिंदुओं की स्थिति बुरी है। इंग्लैंड, यूरोप, अफ्रिका में हिंदुओं की स्थिति ठीक है। भारत में भी हिंदु सुरक्षित नहीं है। मसला केंद्र का नहीं है, जिहादियों का है। होली के दिन दिल्ली में रंग छिटकने के कारण हिंदू का बेटा मारा जाता है। वह मारा गया तो उसकी जिम्मेदारी सरकार की है या जिहादियों की। मैं हमेशा कहता हूं कि खरीदी हिंदुओं से करेंगे। रोजगार हिंदुओं को देंगे। फल व सब्जी खरीदेंगे हिंदुओं से, किससे बाल कटवाएंगे हिंदुओं से। किससे बाइक रिपेयर कराएंगे हिंदुओं से। मोबाइल रिचार्ज किससे कराएंगे हिंदुओं से। किसकी ऑटो में बैठेंगे के हिंदुओं के। जिहादियों को मुहं तोड़ जवाब खरीदी हिंदुओं से।

तोगडिया ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव उत्सव है। सबको चुनाव में भाग लेना चाहिए। मतदान करना चाहिए। अपने पसंद के व्यक्ति को चुनकर भेजना चाहिए। मैं हिंदू के लिए काम करता हूं। चुनाव प्रचार नहीं करता। मैं चुनाव के राज्य की चिंता नहीं करता। मैं पूरे देश, दुनिया के हित बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, कुवैत सबकी चिंता करता हूं। इसलिए आप चुनाव तक सीमित रहे यह आपकी च्वाइस है मैं अपने आपको चुनाव तक सीमित नहीं रखता।

ऋषिकेश में सी-प्लेन की सफल ट्रायल लैंडिंग, पर्यटन व कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

ऋषिकेश। ऋषिकेश स्थित गंगा बैराज पर सी-प्लेन की सफल ट्रायल लैंडिंग के साथ राज्य में हवाई कनेक्टिविटी और पर्यटन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। एक निजी कंपनी की ओर से किए गए इस ट्रायल को तकनीकी रूप से सफल बताया गया है। राज्य सरकार के अनुसार यह पहल प्रदेश में आधुनिक परिवहन सुविधाओं को विकसित करने की दिशा में अहम कदम है। इससे धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच को और अधिक सुगम बनाने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि सी-प्लेन सेवा शुरू होने से चारधाम यात्रा, एडवेंचर टूरिज्म और अल्पकालिक यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। इससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को कम समय में ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों तक पहुंचने में सुविधा होगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि की उम्मीद है। सरकार की योजना के तहत भविष्य में इस सेवा का विस्तार टिहरी झील, नैनीताल झील समेत अन्य जलाशयों तक किए जाने पर भी विचार किया जा

रहा है। यह ट्रायल राज्य में हवाई पर्यटन की संभावनाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है और आने वाले समय में इस क्षेत्र में और पहल किए जाने की संभावना है।

यूजेवीएन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह ने कहा कि सी-प्लेन सेवा शुरू होने से राज्य में पर्यटन को नई गति मिलेगी और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल विशेष रूप से दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी, जहां पारंपरिक परिवहन सुविधाएं सीमित हैं।

उन्होंने बताया कि सी-प्लेन के माध्यम से त्वरित एवं सुगम हवाई संपर्क स्थापित होने से ऐसे क्षेत्रों के समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, यह पहल राज्य के मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव (ऊर्जा) के निर्देशों के अनुरूप की गई है, जिसके तहत जलाशय में इस गतिविधि की अनुमति दी गई। उल्लेखनीय है कि सी-प्लेन का परीक्षण आगामी दिनों में भी जारी रहेगा, जिसके आधार पर भविष्य में नियमित संचालन की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि परीक्षण के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई और पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस गतिविधि से विद्युत उत्पादन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि सी-प्लेन संचालन पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए यह सेवा उपयोगी साबित होगी।अजय कुमार सिंह ने पशुलोक बैराज की टीम की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने समर्पण और समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मप्रः रेल मार्ग से दुर्लभ प्रजाति के वन्यजीवों की तस्करी मामले में लखनऊ से मुख्य सरगना गिरफ्तार

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने ट्रेन के प्रथम श्रेणी एसी कोच से दुर्लभ और प्रतिबंधित प्रजाति के वन्यजीवों की तस्करी में शामिल एक संगठित गिरोह के सरगना रविन्द्र उर्फ रमन कश्यप को उत्तर प्रदेश एसटीएफ की सहायता से लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार था और उस पर इनाम घोषित किया गया था। वह पिछले दो महीनों से लगातार अपनी लोकेशन बदलकर जांच एजेंसियों को चकमा दे रहा था। आरोपी को स्टेट टाइगर फोर्स ने विशेष न्यायालय में पेश कर वन विभाग की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच जारी है। मध्य प्रदेश की प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) डॉ. समीता राजौरा ने बताया कि मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर ट्रेन नं. 19322, पटना-इंदौर एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट कोच में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, भोपाल, रेलवे सुरक्षा बल और वनमंडल भोपाल की संयुक्त टीम ने विगत 3 फरवरी को कार्रवाई की थी। कार्रवाई में संत हिरदाराम नगर स्टेशन से आरोपी अजय सिंह राजपूत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 311 जीवित दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के कछुए बरामद किए गए थे। इस संबंध में 03 फरवरी 2026 को वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। प्रकरण की जांच के दौरान वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर प्रदेश के नीमच, मंदसौर, रतलाम, इंदौर, देवास, उज्जैन, नागदा और शाजापुर सहित उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक साथ छापामार कार्रवाई की गई।पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में गिरोह के सरगना के रूप में रविन्द्र उर्फ रमन कश्यप का नाम सामने आया। जांच में सामने आया कि यह संगठित गिरोह रेल मार्ग के जरिए लंबे समय से दुर्लभ प्रजाति के जलीय वन्यजीवों की तस्करी में लिप्त था। गिरोह में पेट शॉप संचालक, पेट पैरेंट, डॉग ब्रीडर और रेल के एसी फर्स्ट कोच के अटेंडेंट भी शामिल थे। इस मामले में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जांच जारी है। कार्रवाई के दौरान चार अलग-अलग प्रजातियों के कुल 313 जीवित दुर्लभ एवं प्रतिबंधित कछुए–इंडियन टेंट टर्टल, इंडियन रूफ्ड टर्टल, क्राउनड रिवर टर्टल और स्टार टॉर्टोइस -बरामद किए गए। इसके अलावा रोज-रिंग्ड पैराकीट प्रजाति के दो तोते भी जब्त किए गए। आरोपियों के पास से एक मोटरसाइकिल और सात मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी ओर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्षर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

विराट और अनुष्का के फिल्म धुरंधर की प्रशंसा से उत्साहित हैं आदित्य धर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्मी 'धुरंधरः द रिवेंज' की जमकर प्रशंसा की है। इसी को लेकर आदित्य धर भी उत्साहित हैं।

अदित्य ने कहा कि जिस प्रकार से कोहली ने कहा कि उन्होंने भारत में इससे पहले ऐसी फिल्म नहीं देखी से उनका हौंसला बढ़ा है। आदित्य धर ने लिखा, 'वाह! भरोसा नहीं हो रहा कि ये सच में हो रहा है विराट, इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मैं आपका अंडर-19 विश्व कप के दिनों से प्रशंसक हूं।'

उन्होंने साथ ही लिखा, 'एक पीढ़ी में एक बार आने वाले लीजेंड को इस तरह प्यार दिखाते देखना अलग ही एहसास है। जिस तरह आप हर बार देश का नाम रोशन करते हैं, वो हमें भी प्रेरित करता है। इसी प्रकार हम भी अपनी फिल्मों के जरिए भारत का नाम ऊंचा करने का प्रयास करते रहेंगे जय हिंद।'

आदित्य ने अनुष्का की तारीफ का भी जवाब दिया, जिसमें उन्होंने फिल्म में एक्टिंग की सराहना की थी। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने लिखा, 'इतनी बेहतरीन कलाकार से ऐसी प्रतिक्रिया मिलना वाकई भावुक कर देने वाला अनुभव है। बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इससे पहले विराट ने फिल्म को बेमिसाल सिनेमाई अनुभव बताया था। उन्होंने कहा था कि करीब चार घंटे की फिल्म के दौरान वह एक बार भी नहीं हिले और रणवीर सिंह के अभिनय को उन्होंने शीर्ष स्तर का बताया। अभिनेत्री अनुष्का ने भी फिल्म की सोच और क्राफ्ट की तारीफ की थी। उन्होंने इसे 'रोमांचक और डूब जाने वाला' बताया और आदित्य की सोच और कास्ट की एक्टिंग की सराहना की थी।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

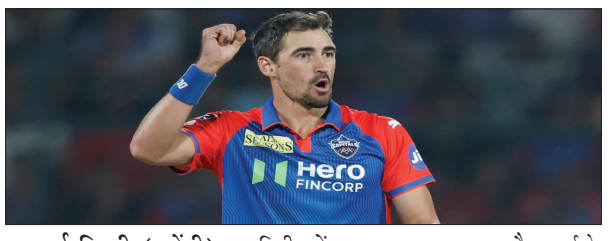

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेंगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11ः00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6ः30 बजे) रहेगा।

भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच

खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है।

दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा।'

दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर डेविड वॉर्नर पर ड्रिंक एंड ड्राइव का गंभीर आरोप लगा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक, रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मारूब्रा इलाके में रैंडम ब्रीथ टेस्टिंग के दौरान वॉर्नर को रोका गया। पुलिस ने बयान में बताया कि वॉर्नर की कार टेस्टिंग पॉइंट से पहले ही रुक गई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उन्हें चेक किया। रोडसाइड टेस्ट में वॉर्नर का रिजल्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां दोबारा टेस्ट में उनका अल्कोहल लेवल 0.104 पाया गया। यह ऑस्ट्रेलिया की कानूनी सीमा से दोगुने से भी ज्यादा बताया जा रहा है। इस मामले में उन्हें कोर्ट में पेश होने का नोटिस जारी किया गया है। डेविड वॉर्नर को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होना होगा। फिलहाल इस मामले ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है, क्योंकि वॉर्नर का नाम हमेशा बड़े खिलाड़ियों में गिना जाता रहा है।

सैमसन के कमजोर प्रदर्शन से चिंतित नहीं कोच फ्लेमिंग

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने ट्रेड डील के जरिये हासिल किया था पर वह शुरुआती तीनो ही मैचों में असफल रहे हैं। जिससे सीएसके को भी काफी नुकसान हुआ है और टीम तीनो मैचों में हारी है हालांकि सैमसन की इस प्रकार असफल होने से टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग चिंतित नहीं हैं। फ्लेमिंग का कहना है कि सैमसन के तीन मैच के खराब प्रदर्शन से परेशान होने की जरुरत नहीं है। कोच ने कहा कि

वह हाल ही में टीम में आये हैं और टीम के माहौल के अनुसार रहने की प्रक्रिया से गुजर रहा है पर रन बनाने और टीम की सफलता में योगदान देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सैमसन अब तक तीन मैचों में छह, सात और 9 रन ही बना पाये हैं। फ्लेमिंग ने कहा, जब आप किसी फ्रेंचाइजी में लंबे समय से खेल रहे हों तो फिर किसी नई टीम में जाने के बाद एकद से अलग माहौल मिलता है जिससे ढलने में समय लगता है। भले ही वह शायद काफी सहज महसूस करता हो, फिर भी अपनेपन की भावना बनी रहती है और वह इस टीम के माहौल में ढलने की प्रक्रिया से गुजर रहा है। फ्लेमिंग ने कहा कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज हासिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, टीम पांच या छह बदलाव हुए हैं। ऐसे में टीम में बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अभी और प्रयास करना होगा। वह टीम में बहुत अच्छे से घुल-मिल गया है। फ्लेमिंग ने कहा, वह रन बनाने और सीनियर खिलाड़ियों के साथ योगदान देने के लिए तैयार हैं। हमने विश्व कप में उसके प्रदर्शन में देखा कि जब वह लय में आ जाता है तो वह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए इस खिलाड़ी को प्रबंधन की ओर से अपने अनुसार खेलने की आजादी है। वहीं लीग में अब तक रन नहीं बना पाये युवा आयुष म्हात्रे को लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि उसके जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ धैर्य रखने की जरूरत है जिससे वे निरंतरता हासिल कर सकें। म्हात्रे ने पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्धशतक बनाया था लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ वह एक रन ही बना पाए थे। उन्होंने कहा, हमारी टीम में अच्छा संतुलन है। हमारे पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि गलतियां भी होंगी। हमारे पास माइक हसी के रूप में एक बहुत अच्छा मार्गदर्शक है, जो एक बेहतरीन बल्लेबाजी कोच हैं और खेल की अच्छी समझ रखते हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि में भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे

संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप से मिश्रित युगल जोड़ियां बाहर

निंगबो। भारत की बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप 2026 के मिश्रित युगल में शुरूआत निराशाजनक रही जब उसकी दोनों जोड़ियां मंगलवार को पहले दौर से हारकर बाहर हो गई। रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की जोड़ी मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त गोह सून हुआत और लेइ शेवोन जैमी की जोड़ी से 34 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 19-21 से हारकर बाहर हो गई। एक अन्य मैच में असित सूर्या और अमृता प्रथमेश की जोड़ी मलेशिया के वोंग तियेन सि और लिम चियू सियेन से 31 मिनट में 16-21, 15-21 से हार गई। एकल वर्ग के मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे। पुरूष एकल में आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप उपविजेता लक्ष्य सेन का सामना हांगकांग के ली चियुक यू से होगा। वहीं महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से खेलेंगी। भारत की पुरूष टीम में सेन के अलावा किदाम्बी श्रीकांत, एच एस प्रणय और आयुष शेट्टी भी हैं। वहीं महिला टीम में सिंधू के साथ तन्वी शर्मा, उन्नति हुड्डा और मालविका बंसोड़ हैं।

कप्तान के तौर पर ईशान किशन जबरदस्त रहे हैं, वह सलाह भी मांगते हैं : हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के बड़े-बड़े शॉट लगाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने कप्तान ईशान किशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने किशन को एक बेहतरीन कप्तान बताया और कहा कि जिस तरह से टीम इस युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज का साथ देती है, वह 'बस जबरदस्त' है। इसके अलावा फैसले लेने में उनकी शांति और टीम में मौजूद अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करने की उनकी इच्छा भी काबिले-तारीफ है।

किशन को SRH का अंतरिम कप्तान बनाया गया था क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस कमर की चोट से उबरने की वजह से शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी कप्तानी में स्ना ने एक मैच जीता है, जबकि दो मैच हारे हैं और पॉइंट्स टेबल पर 5वें स्थान पर है।

क्लासेन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि अब तक वह बहुत बढ़िया रहे हैं। वह ऐसे इंसान हैं जो सलाह मांगते हैं। जैसा कि मैंने कहा, हमारे ड्रेसिंग रूम में बहुत अनुभव है। इसलिए वह

उस अनुभव का फायदा भी उठाते हैं। लेकिन उनके फैसले लेने का तरीका, जिस तरह से वह गेंदबाजों को बदलते हैं और जिस तरह से टीम उनकी बात सुनती है, वह अब तक बस जबरदस्त रहा है।'

उन्होंने कहा, 'तो जैसा कि मैंने कहा कि टीम बहुत अच्छे हाथों में है और अच्छी बात यह है कि वह बिल्कुल भी घमंडी इंसान नहीं हैं, जिससे चीजें काफी आसान हो जाती हैं। उनकी कप्तानी में खेलना सच में बहुत मजेदार होता है। इसलिए बीच-बीच में काफी मजाक-मस्ती होती रहती है ताकि माहौल ज्यादा गंभीर न हो जाए, क्योंकि मुझे लगता है कि यह माहौल कभी-कभी खेलने के लिए काफी मुश्किल हो सकता है।'

क्लासेने ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह बहुत बढ़िया रहे हैं और घरेलू क्रिकेट में भी उन्हें काफी सफलता मिली है। मुझे लगता है कि उनकी घरेलू टीम ने एक टूर्नामेंट जीता था (झारखंड ने उनकी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती थी)। तो इस मामले में उनके पास काफी अनुभव है। लेकिन अब तक, मुझे उनकी कप्तानी में सच में बहुत मजा आया है और वह अब तक जबरदस्त रहे हैं।'

आवेश बल्ला जमीन पर मारने के कारण विवादों में आये

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज आवेश खान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए मैच में आचारसंहित उल्लंघन के आरोप लगे हैं। इस मैच के अंतिम ओवर के दौरान जैसे ही कप्तान ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाये। आवेश ने जीत की खुशी में बल्ला मैदान पर मार दिया। इसी को लेकर आपत्ति जतायी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि आवेश इस प्रकार की हरकतें पहले भी करते रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस प्रकार से बल्ला मारे जाने को नियमों का उल्लंघन करार दिया है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि पेनल्टी के रूप में विरोधी टीम को 5 रन दिए जाने चाहिए थे। वहीं पूर्व अंपायर अनिल चौधरी ने आवेश खान ने सच में नियमों का उल्लंघन किया है। चौधरी का कहना है, 'आवेश ने जल्दी जश्न मनाते हुए बल्ला मैदान पर लगा दिया। पहले भी एक मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने जीतने के बाद हेलमेट फेंक दिया था, जिसके बाद उन पर फाइन लगा था। उन्हें इस प्रकार नियमों का उल्लंघन नहीं करना चाहिये।' वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद के प्रबंधन ने आवेश के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इस मामले की शिकायत भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई से की जाएगी।

क्या बदलेगा आईपीएल का पूरा फार्मेट? ललित मोदी के दावे से मचा हड़कंप, हजारों करोड़ हैं दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है और इस बार वजह है लीग के पूर्व आयुक्त ललित मोदी का बड़ा दावा। उन्होंने कहा है कि मौजूदा प्रारूप के कारण लीग हर साल हजारों करोड़ रुपये के अतिरिक्त राजस्व से वंचित हो रही है।

बता दें कि हाल ही में दो टीमों की ऊंची कीमत पर बिक्री के बाद आईपीएल की कुल वैल्यू को लेकर काफी उत्साह देखा गया, लेकिन ललित मोदी का मानना है कि मौजूदा ढांचा पूरी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने यह सवाल उठाया है कि जब लीग में टीमों की संख्या बढ़कर दस हो चुकी है, तो फिर सभी टीमों के बीच पूरा घरेलू और बाहरी मुकाबलों का प्रारूप क्यों लागू नहीं किया जा रहा है।

गौरतलब है कि आईपीएल की शुरुआत में हर टीम के लिए तय था कि वह बाकी सभी टीमों के खिलाफ दो-दो मुकाबले खेलेगी। अगर इसी मॉडल को लागू किया जाए तो लीग चरण में कुल मुकाबलों की संख्या करीब 90 तक पहुंच सकती है, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होते हैं। लेकिन फिलहाल लीग 74 मुकाबलों के साथ ही चल रही है, जिससे कई संभावित मैच कम हो जाते हैं।

ललित मोदी का कहना है कि हर मुकाबले से मिलने वाली आय का बड़ा हिस्सा सीधे बोर्ड और टीमों को जाता है। ऐसे में जब मैच कम होते हैं तो सीधा असर टीमों की कमाई और उनकी वैल्यू पर पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सिर्फ खेल का मामला नहीं बल्कि एक व्यावसायिक समझौता है, जिसमें टीमों को घरेलू और बाहरी दोनों तरह के मुकाबले मिलने चाहिए।

मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने अनुमान लगाया है कि अगर पूरा घरेलू-बाहरी प्रारूप लागू किया जाए तो केवल प्रसारण अधिकारों से ही हजारों करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका दावा है कि इससे बोर्ड को बड़ा फायदा होगा और टीमों की कमाई भी बढ़ेगी, जिससे उनकी बाजार कीमत अपने आप बढ़ जाएगी।

आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीगों में से एक बन चुकी है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रारूप को लेकर उठ रहे सवाल यह संकेत देते हैं कि भविष्य में लीग के ढांचे पर फिर से विचार किया जा सकता है। हालांकि, व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और खिलाड़ियों के कार्यभार जैसे मुद्दे भी इस फैसले को प्रभावित करते हैं।

कुल मिलाकर यह बहस अब सिर्फ मैचों की संख्या तक सीमित नहीं रही, बल्कि लीग के आर्थिक मॉडल और दीर्घकालिक रणनीति से भी

जुड़ गई है। आने वाले समय में इस पर क्या फैसला होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

राजकुमार राव ने शुरू की गांगुली बायोपिक की शूटिंग

राजकुमार राव ने हाल ही में अपनी फिल्म टोस्टर की अनाउंसमेंट की थी, जो नेटफ्लिक्स पर 15 अपैल को रिलीज होगी। अब उन्होंने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की। बता दें कि एक्टर 'दादा- द सौरव गांगुली स्टोरी' फिल्म की शूटिंग की शुरुआत कर चुके हैं, जो पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली पर आधारित होगी। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कैप्शन दिया- और अब इसकी शुरुआत हो चुकी है। फिल्म को लव फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने दी बधाई

पोस्ट शेयर करने के बाद बॉलीवुड सेलेब्स ने भी एक्टर को उनके प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं। फराह खान, नेहा धूपिया और सचेत टंडन ने पोस्ट पर 'ऑल द बेस्ट' कमेंट किया। वहीं ऋत्विक साहोरे, अपारशक्ति खुराना और ईशा अग्रवाल ने भी एक्टर की पोस्ट पर कमेंट कर बधाई दी।

फिल्म के बारे में

बता दें कि फिल्म को विक्रमादित्य मोटवानी डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली, जिन्हें 'दादा' के नाम से जाना जाता है, उनके जीवन और उनके क्रिकेटिंग करियर पर आधारित होगी। इस मूवी पर काफी समय से काम चल रहा था, और इसके लिए राजकुमार राव ने वजन भी घटाया है। हालांकि अभी तक फिल्म की अन्य कास्ट और इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है।

15 अप्रैल को रिलीज होगी 'टोस्टर'

राजकुमार राव फिल्म टोस्टर में नजर आने वाले हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म की बाकी कास्ट की बात करें तो इसमें राजकुमार राव के साथ सान्या मल्होत्रा, फराह खान, अभिषेक बनर्जी, अर्चना पूरण सिंह, सीमा पाहवा और जितेंद्र जोशी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कुब्रा सैत ने बताया कैसे हुई 'फर्जी 2' में एंट्री

कुब्रा सैत फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक और बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी तक लगातार काम कर रही हैं। वो कई बड़ी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री शाहिद कपूर की 'फर्जी 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। शो में कुब्रा से फिर नजर आएंगी। इस बीच अभिनेत्री ने शो को लेकर बात की और बताया कि कैसे उन्होंने 'फर्जी 2' को हां कहा था?

दोनों सीजन के लिए तुरंत कह दिया था हां

बातचीत के दौरान कुब्रा ने बताया कि उन्होंने 'फर्जी 2' के लिए तुरंत हामी भर दी थी। एक्ट्रेस ने कहा कि मैं बस इतना कह सकती हूं कि मैंने सीजन एक और सीजन दो के लिए साइन कर लिया था। इसलिए आपको इसे देखना ही होगा, मैं कसम खाती हूं। मेकर्स ने मुझे बताया कि वे सीजन दो के लिए एक किरदार लिख रहे हैं। मैंने कहा, 'ठीक है।' उन्होंने कहा, 'आपको पहले सीजन एक करना होगा।' मैंने कहा, 'ठीक है।' बस बात खत्म और कुछ सोचने की जरूरत नहीं थी।

मैं नहीं लेती कोई दबाव

प्रोजेक्ट पर गर्व जताते हुए कुब्रा ने कहा कि शो जिस तरह से बना है, उस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं दूसरे सीजन के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे बस इस बात की खुशी है कि मुझे मारा नहीं गया। मैंने लोगों को मारा, लेकिन मैं बच गई। मैं सीक्वल फिल्मों और

उनसे जुड़ी उम्मीदों को लेकर कोई दबाव नहीं लेती। ये राज और डीके का काम है, सुमन कुमार का काम है और किशोर का काम है। उन्हें करने दीजिए। मैं इन बातों की चिंता नहीं करती।

समय के साथ हुई मजबूत

समय के साथ अपने नजरिए में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि शायद जब मैं छोटी और अनुभवहीन थी, तब मैंने दबाव महसूस किया होगा, जब मुझे लगता था कि पूरी दुनिया मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। लेकिन जब आपको पता होता है कि आपने अपना काम ईमानदारी से किया है, तो आप इसे जाने देते हैं। समय के साथ यह विश्वास और भी मजबूत हुआ है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में लोगों को समझने में समय लगता है। जब 'सेक्रेड गेम्स' रिलीज हुई, तब मैं मीडिया के लिए नई नहीं थी। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती रही। जब मैंने 'रेडी' की शूटिंग की, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि पीआर का मतलब क्या होता है? मैंने सचमुच एक रेस्टोरेंट के बाहर लोगों से इंटरव्यू लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि लोग मुझे जानें।

राशा थडानी ने बताया क्यों पसंद हैं दक्षिण भारत की फिल्में!

एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को साउथ सिनेमा में डेब्यू करके बेहद खुशी हो रही है। वो अपनी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' से साउथ में कदम रखने जा रही हैं और उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें वहां की क्या अच्छा लगता है।

राशा थडानी की साउथ सिनेमा में एंट्री

फिल्म इंडस्ट्री में अभी सिर्फ एक फिल्म ही कर चुकीं राशा थडानी अब साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। उनकी अगली फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' है। हाल ही में, इसी महीने उनके जन्मदिन पर, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के बिहाइंड द सीन्स का एक वीडियो रिलीज किया, जिसमें राशा थडानी के लुक की झलक मिलती है। फिल्म को मिल रहे रिएक्शन से एक्ट्रेस बेहद खुश हैं और इस नए प्रोजेक्ट को लेकर एक्साइटेड हैं। राशा थडानी ने पिछले साल आमन देवगन के साथ फिल्म 'आजाद' से डेब्यू किया था। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित राशा कहती हैं, 'मुझे साउथ सिनेमा देखना बहुत पसंद है, चाहे वो प्रभास सर की फिल्में हों, जूनियर एनटीआर सर की हों, महेश बाबू सर की हों या किसी और की। मुझे उनकी फिल्मों का भव्य अंदाज बहुत अच्छा लगता है। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वाकई बेहद खुशी की बात है।' रश्मिका के बारे में बोलीं राशा 21 साल की राशा आगे कहती हैं कि उनकी फीमेल को-स्टार्स चाहे रश्मिका मंदाना हों या श्रीलीला, सभी बेहद प्रेरणादायक हैं।

राशा थडानी का साउथ में डेब्यू

राशा थडानी इस लव स्टोरी से साउथ सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं, जिसमें महेश बाबू के भतीजे जया कृष्णा घट्टमनेनी भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अजय भूपति कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले फिल्म आरएक्स 100 का निर्देशन किया था। श्रीनिवासा मंगपुरम की आधिकारिक घोषणा नवंबर 2025 में की गई थी।

राशा की फिल्म 'लाइका लाइकी'

अब राशा अपनी दूसरी फिल्म 'लाइका लाइकी' की रिलीज के लिए भी तैयार हैं, जिसमें उनके साथ अभय वर्मा लीड रोल में हैं। फिल्म के पहले पोस्टर इस साल की शुरुआत में जारी किए गए थे और एक्ट्रेस को मिली प्रतिक्रिया से बेहद खुशी है। पोस्टरों के अनोखे फीचर ने कहानी को लेकर फैंस को एक्साइटेड कर दिया है और राशा इस बात से खुश हैं कि दर्शक अभी से फिल्म को लेकर खुश हैं।

फिल्म को लेकर एक्साइटेड हैं राशा

फिल्म के बारे में बात करते हुए राशा कहती हैं, 'यह फिल्म मेरे लिए बहुत बड़ी होने वाली है, और यह पहले से ही है। निर्देशक सौरभ गुप्ता ने 'एनिमल' के डायलॉग लिखे हैं और अभय बहुत खास हैं। यह फिल्म लोगों को चौंका देगी और मुझे उम्मीद है कि यह लोगों की मुझसे अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।'

ऋषभ शेट्टी की 'छत्रपति शिवाजी महाराज' में विलेन का किरदार निभाएंगे अर्जुन रामपाल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है और अर्जुन के खलनायक किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इस सफलता के बाद अर्जुन रामपाल जल्द ही ऋषभ शेट्टी की बहुप्रतीक्षित ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में मुख्य विलेन के रूप में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में अर्जुन रामपाल एक ताकतवर विरोधी का किरदार निभाएंगे, जो मुख्य नायक यानी ऋषभ शेट्टी के किरदार से टक्कर लेगा। उनके इस रोल को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में पहले से ही उत्साह है। फैंस अर्जुन के नए अवतार के लिए बेहद उत्साहित हैं और उनकी एक्टिंग रेंज को इस रोल में और मजबूत होने की उम्मीद है। छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान योद्धा की जीवन गाथा पर आधारित एक महाकाव्य फिल्म है। इसमें छत्रपति शिवाजी महाराज के साहस, रणनीति, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम को दर्शाया जाएगा। फिल्म में शेफाली शाह राजमाता जीजाबाई के किरदार में दिखाई देंगी। प्रोडक्शन इस साल के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म तकनीकी दृष्टि से भव्य होगी और इसके सेट, विजुअल इफेक्ट्स और कॉस्ट्यूम डिजाइन को लेकर खास तैयारी की जा रही है।

अर्जुन रामपाल का किरदार

अर्जुन रामपाल ने 'धुरंधर 2' में अपने खलनायक किरदार के लिए खूब सराहना पाई। अब वह एक और बड़े प्रोजेक्ट में विलेन की भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित करने वाले हैं। उनकी भूमिका केवल एक विलेन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि फिल्म की थ्रिल और इमोशनल इंटेंसिटी में चार-चांद लगाएगी। सोशल मीडिया पर फैंस ने अर्जुन के इस नए अवतार को लेकर उत्साह व्यक्त किया है। कई लोग मान रहे हैं कि यह किरदार उनकी एक्टिंग कैरियर के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। फिल्म जगत के जानकार इसे 2026-27 की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक मान रहे हैं। अर्जुन रामपाल की विलेन भूमिका फिल्म को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं, 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार

अक्षय कुमार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि उन्हें रणवीर सिंह की 'धुरंधर' फिल्मों में कोई प्रोपेगेंडा नहीं नजर आया। 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर ने बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें मौका मिले तो 'धुरंधर' जैसी फिल्म में छोटा रोल करने को भी तैयार हैं।

अक्षय कुमार तकरीबन 36 साल से इंडस्ट्री में जमे हुए हैं। करीब 4 दशक के इस फिल्मी करियर में शायद ही ऐसा कोई किरदार है, जो अक्षय कुमार से अछूता रहा। एक्शन स्टार से लेकर कॉमिक जॉनर हो, मुद्दे वाली फिल्में हों या फिर देशभक्ति का अलख जगाने वाली फिल्में, अक्षय लगातार अपने क्राफ्ट के साथ एक्सपेरिमेंट्स करते चले गए। इन दिनों वह चर्चा अपनी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वे करीब 15-16 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिर से नजर आने वाले हैं।

किरदारों की बात की जाए, तो आप काफी दुस्साहसी और सिक्योर अभिनेता माने जाते हैं, आप रिस्क और एक्सपेरिमेंट्स से नहीं डरते?

जहां तक सिक्योर अभिनेता होने की बात है, तो मैं असल जिंदगी में भी ट्रैक पैंट और टीशर्ट में रहा हूं। ये अलग बात है कि अब अच्छे-अच्छे कपड़े पहनने मिल जाते हैं। अच्छी-अच्छी जगहों पर घूमने मिल जाता है। जहां तक सिक्योर एक्टर होने की बात है, तो भगवान ने मुझे बहुत कुछ दे दिया और वो भी अपने आप से। काम की बात करूं, तो बहुत सारा काम मेरे पास। जहां तक सिक्योरिटी की बात है, तो मेरे भीतर वो भरी हुई है। आज भी अगर कुछ ऊपर-नीचे हो जाए, तो मैं हैंडल कर लूंगा, क्योंकि मैंने खुद को असुरक्षित कभी नहीं रखा। क्या जरूरत है, रोल के छोटे -बड़े होने पर लड़ने-झगड़ने की? मैंने तो कई ऐसी फिल्में की हैं, जिसमें मेरा बड़ा रोल नहीं है। जैसे 'खाकी' में मैं इंटरवल में मर जाता हूं। मैं खुद को अहमियत देने के बजाय फिल्म को महत्व देता हूं। अब जैसे 'धुरंधर' का ही उदाहरण ले लो, अगर उसमें कोई छोटा रोल भी होता तो मैं कर लेता। मैं किरदार और फिल्म को देखता हूं।

आप तो हर जॉनर की फिल्म कर चुके हैं, चाहे वो कर्मशियल हो, आर्ट या फिर कॉमेडी, मगर इन दिनों जो प्रोपेगेंडा फिल्में बन रही हैं, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

प्रोपेगेंडा फिल्में क्या होती हैं? मुझे नहीं पता। फिल्म अच्छी होती है या बुरी। ये टर्म मेरी समझ से परे है। मुझे 'धुरंधर' बहुत अच्छी लगी। मैंने वो फिल्म देखी। चाहे कोई कुछ भी कहे कि वो प्रोपेगेंडा फिल्म है। मगर मुझे वो फिल्म बहुत अच्छी लगी है।

आपका करियर ग्राफ देखा जाए तो आपने कई नए निर्देशकों के अलावा कई नई नायिकाओं को भी मौका दिया है। इस फिल्म में भी आपके साथ वामिका गब्बी जैसी नई हीरोइन हैं, इसका कोई खास कारण?

क्योंकि पुराने वाले करना नहीं चाहते, वो बहुत बड़े बन गए होते हैं। मैं मजाक कर रहा हूं। मैं नए लोगों के साथ इसलिए काम करता हूं कि एक तो उनमें कुछ नया करने की भूख रहती है। उन्हें भी एक बड़ा मौका मिल रहा होता है। मैं अपने करियर का ग्राफ देखता हूं, तो उसमें जितनी भी हिट फिल्में हैं, ज्यादातर नए लोगों से आई हैं। मैं तकरीबन 24-25 नई हीरोइनों के साथ काम कर चुका हूं। सभी बहुत कमाल की रहीं। मैं ये नहीं कह रहा कि वे हीरोइनें मेरी वजह से बन गईं, मैं मानता हूं कि उन नायिकाओं ने अपना लेडी लक मुझे लाकर दिया है।

इंडस्ट्री का भूत किसे मानते हैं?

भाई, हमारी इंडस्ट्री में कोई भूत-वूत नहीं है। हमारी इंडस्ट्री बढ़िया चल रही है। मुझे 36 साल हो गए, इंडस्ट्री ने काफी कुछ दिया है। ये बहुत ही खुशनुमा जगह है।

आपके साथी कलाकार राजपाल भी पिछले कुछ अरसे से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, क्या कहना चाहेंगे?

मुझे लगता है कि अच्छा -बुरा दौर तो हर इंसान की जिंदगी में आता है, मगर मैं एक एक्टर के रूप में इतना जरूर कह सकता हूं कि जब सीन में इनका रिस्पॉन्स आता है, तो मैं खुद को अच्छा लगने लगता हूं। इसी एक्शन-रिएक्शन की वजह से होता है ये। ऐसा ही सिलसिला मेरा परेश रावल के साथ भी चलता है। असरानी साहब भी उन्हीं अदाकारों में से थे। ये सभी उस किस्म के अदाकार हैं कि आप एवरेज भी होंगे तो बड़े लगने लग जाते हैं, क्योंकि इनका रिस्पॉन्स इतना कमाल का होता है। ये ऐसे कुछ एक्टर्स हैं, जिनके हाथ में जादू की छड़ी होती है, जो उनके लिए तो काम करती ही है, मगर ये उस छड़ी को दूसरों पर भी फेर देते हैं।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं।

कारण को ठीक नहीं करती। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं। कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है।

अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

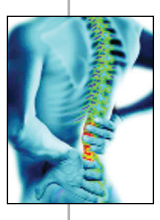

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकि न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें।

बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए।

नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।

वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।

सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी व मसालायुक्त चीजें न खाएँ।

मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते मे अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही ले तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ड (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नीबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नींबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसैला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स ? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है। चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।